- जबलपुर, शुक्रवार 10 अप्रैल 2026
- वर्ष 31 अंक 284
- पृष्ठ 12
- मूल्य ₹ 3.00

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सुविचार

'जिस व्यक्ति के पास कल्पना नहीं है उसके पास पंख भी नहीं हैं।'

2 नागरिकों की आशाओं के अनुरूप...

5 साइबर अपराधियों का नया खेल...

7 हजारों मिसाइलें-ड्रोन चले, अरबो डॉलर...

11 नदी जोड़ो परियोजनाओं से बदल रही...

उत्तराखंड : चांदी से चमक रहे बर्फीले पहाड़

रुद्रप्रयाग

उत्तराखंड के जनपद रुद्रप्रयाग की संपूर्ण केदारघाटी समेत बदरीनाथ धाम में तीन दिन से लगातार हो रही भारी बर्फबारी ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। केदारनाथ धाम और आसपास के क्षेत्रों में पांच फीट तक बर्फ जम गई है। वहीं शून्य से कई डिग्री नीचे गिर चुके तापमान के बीच भी रुद्रप्रयाग पुलिस एवं भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवान सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैदी से डटे हैं। बर्फ जमने के कारण केदारनाथ धाम के सभी पैदल मार्ग पूरी तरह से बंद हो गए हैं। वहीं बर्फबारी के बाद केदारनाथ धाम की पहाड़ियां चांदी सी चमक रही है। केदारनाथ धाम में लगातार हुई भारी बर्फबारी के चलते पूरी केदार नगरी लगभग पांच फीट मोटी बर्फ की चादर में ढक गई है। केदारनाथ मंदिर प्रांगण में घुटनों तक बर्फ जमा होने से क्षेत्र में अत्यधिक ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। भारी बर्फबारी के चलते धाम तक पहुंचने वाले सभी पैदल रास्ते अवरुद्ध हो गए हैं, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। गौरतलब है कि चार धाम यात्रा का आरंभ 19 अप्रैल को गंगोत्री और यमनोत्री के कपाट खुलने के साथ ही हो जाएगा। इसके बाद केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को खुलेंगे और 23 अप्रैल को बद्रीनाथ धाम का कपाट भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे। बर्फबारी से केदार नगरी की प्राकृतिक सुंदरता और अधिक निखर कर सामने आई है। पुलिस और आईटीबीपी का संयुक्त दल किसी भी संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क है। संचार व्यवस्था और आपदा प्रबंधन उपकरणों को सुरक्षित रखा जा रहा है, साथ ही सरकारी संपत्तियों एवं धाम में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों के ढांचों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा रही है। कठिन परिस्थितियों में सुरक्षा बल केदारनाथ धाम की सुरक्षा व व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

महिला इंजीनियर 10 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

शहडोल (स्वतंत्र मत)। शहडोल जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकायुक्त रीवा की कार्रवाई तेज हो गई है। गुरुवार को देवलौंद क्षेत्र के नगर परिषद खाड़ में पदस्थ महिला इंजीनियर सुधा वर्मा को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार, रीवा की जेके कंस्ट्रक्शन कंपनी नगर परिषद क्षेत्र में नाली, सड़क और स्टेडियम के निर्माण कार्य कर रही थी। आरोप है कि महिला इंजीनियर ने बिल पास करने 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी।

सीधी नगरपालिका अध्यक्ष के वित्तीय अधिकार शून्य

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर ने डबरा, श्योपुर, पानसेमल, नागदा, जावरा के बाद अब सीधी नगर पालिका के अध्यक्ष के वित्तीय अधिकार शून्य घोषित कर दिए हैं। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की जबलपुर पीठ ने सीधी नगर पालिका की अध्यक्ष काजल वर्मा की नियुक्ति के मामले में वित्तीय अधिकार शून्य करने का आदेश रिट पिटीशन नंबर 11116/2026 में दिया है। इसमें बृजेश सिंह बनाम राज्य सरकार व अन्य के केस में सुनवाई के बाद कोर्ट ने वित्तीय अधिकार तीन हफ्ते तक रोके हैं।

मंदिरों में एंट्री रोकने से समाज बंटेगा: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान मंदिरों के रीति-रिवाजों का जिक्र हुआ। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि मंदिरों में सिर्फ खास समुदाय की एंट्री और बाहरी लोगों की मनाही से समाज बंटेगा। यह हिंदू धर्म के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि मान लीजिए, अगर यह कहा जाए कि सिर्फ गौड़ सारस्वत लोग ही एक मंदिर में आएं या कांची मठ के लोग सिर्फ कांची ही जाएं, दूसरे मठ न जाएं तो यह ठीक नहीं होगा।

ईरान ने इजरायल को दी सख्त चेतावनी

'उंगली अभी भी ट्रिगर पर'

सीजफायर के बावजूद तनाव जारी, होर्मुज में लगाई नई पाबंदी

नई दिल्ली

अमेरिका-ईरान के बीच दो हफ्ते के सीजफायर के बावजूद तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। ईरान ने इजरायल की लेबनान में कार्रवाई को समझौते का उल्लंघन बताते हुए सख्त चेतावनी दी है और कहा है कि उसकी 'उंगली अभी भी ट्रिगर पर' है। ईरान ने साफ कहा है कि सीजफायर का मतलब युद्ध खत्म होना नहीं है। देश की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कहा कि अगर कोई उकसावे वाली कार्रवाई हुई, तो उसका जवाब पूरी ताकत से दिया जाएगा। इसी बीच, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी ईरान ने बड़ा फैसला लिया है, जिससे वैश्विक व्यापार और तेल सप्लाई पर असर पड़ सकता है। ईरान ने तय किया है कि सीजफायर के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य से रोजाना अधिकतम 15 जहाजों को ही गुजरने दिया जाएगा। यह दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक है, जहां से बड़ी मात्रा में तेल और गैस की सप्लाई होती है। इसके साथ ही एक प्रस्ताव पर भी चर्चा चल रही है, जिसमें ईरान और ओमान इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूल सकते हैं। अगर ऐसा होता है, तो यह वैश्विक व्यापार के लिए बड़ा बदलाव होगा।

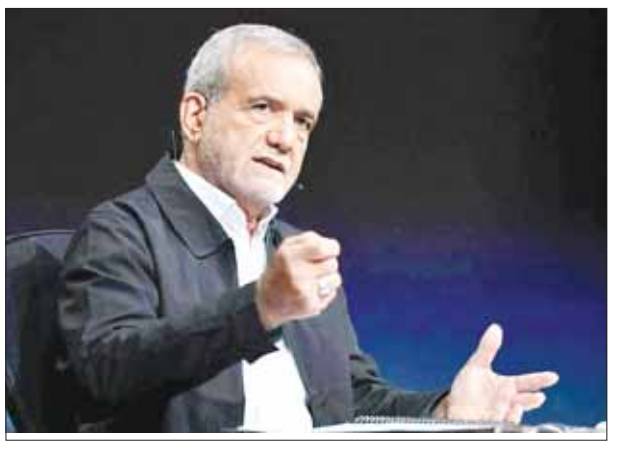

बातचीत के साथ चेतावनी भी

ईरान ने दो हफ्ते के सीजफायर को स्वीकार करते हुए कहा है कि वह शुक्रवार से इस्लामाबाद में अमेरिका के साथ बातचीत शुरू करेगा। लेकिन उसने दोहराया कि यह कदम सिर्फ बातचीत के लिए है, न कि युद्ध खत्म करने के लिए। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने भी अपने तेवर नरम किए हैं। उन्होंने कहा है कि अगर ईरान सीजफायर का पालन करता है और होर्मुज को खोलता है, तो अमेरिका हमलों को आगे नहीं बढ़ाएगा।

चीन की भी अहम भूमिका

इस पूरे घटनाक्रम में चीन की भी अहम भूमिका बताई जा रही है। चीन ने पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र जैसे देशों के जरिए ईरान को बातचीत के लिए तैयार करने में मदद की। हालांकि, हालात अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हैं। कुछ इलाकों में मिसाइल अलर्ट की खबरें आई हैं और ईरान से जुड़े हमले भी जारी रहे हैं, जिससे सीजफायर की मजबूती पर सवाल बने हुए हैं।

पाकिस्तान भरोसे लायक नहीं: इजरायल

इजरायल के भारत में राजदूत रियोवेन अजार ने गुरुवार को पाकिस्तान पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इस्लामाबाद आतंकवाद को प्रायोजित करता है और उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने अमेरिका-ईरान शांति वार्ता से ठीक पहले यह बयान दिया, जो पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका पर सवाल उठाता है। अजार ने कहा कि हम पाकिस्तान पर भरोसा नहीं करते क्योंकि वह आतंकवाद का स्पॉंसर है। हम अपनी अमेरिकी दोस्तों पर भरोसा करते हैं कि वे इस स्थिति को संभालेंगे। पाकिस्तान शुक्रवार, 10 अप्रैल को अमेरिका और ईरान के बीच महत्वपूर्ण आमने-सामने की शांति वार्ता की मेजबानी करने जा रहा है। दोनों पक्षों ने बुधवार को दो सप्ताह के सशर्त युद्धविराम पर सहमति जताई थी, जिसका मकसद पश्चिम एशिया में और बढ़ती तनाव को रोकना है।

असम के इतिहास में सबसे ज्यादा 85.38 प्रतिशत वोटिंग

नई दिल्ली

देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार को विधानसभा चुनाव के लिए शाम 6 बजे तक वोटिंग हुई। चुनाव आयोग के अनुसार रात 8 बजे तक असम में 85.38 प्रतिशत मतदान हुआ। असम के इतिहास में यह सबसे ज्यादा वोटिंग का आंकड़ा है। केरलम में पिछले 49 सालों में दूसरी सबसे ज्यादा वोटिंग हुई, यहां 78.01 प्रतिशत वोट डाले गए। वहीं पुडुचेरी में 89.81 प्रतिशत मतदान हुआ। असम में चुनाव संबंधी हिंसा में करीब 30 लोग घायल हो गए और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में कांग्रेस और भाजपा समर्थकों की इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए, दो की हालत गंभीर है। पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। पुडुचेरी के सीएम रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक बाइक से पहुंचे। केरलम में पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर एके एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की। इसके बाद पत्नी के साथ जालुकबाड़ी में वोट डाला। असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। यहां 140 सीटें हैं। पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए वोटिंग हुई।

पुडुचेरी में 90 प्रतिशत और केरलम में 49 साल में दूसरी रिकॉर्ड वोटिंग

सरकार ने रणनीतिक तरीके से घोटाला किया: पटवारी

गेहूं खरीदी में देरी पर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

भोपाल। मध्यप्रदेश में आज से चार संभागों में गेहूं खरीदी शुरू हो गई है। इस बार गेहूं खरीदी देरी से शुरू होने के पीछे सरकार इजराइल-ईरान युद्ध का हवाला दे रही है। ऐसे में गेंहू खरीदी में देरी को कांग्रेस ने प्रदेशभर में प्रदर्शन किया। खंडवा में कांग्रेस में प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग तोड़कर कलेक्ट्रेट पहुंचकर जमकर नारेबाजी की। करीब 5 हजार से ज्यादा कांग्रेसी प्रदर्शन में शामिल हुए है। रतलाम में जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कृषि उपज मंडी में धरना दिया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसान भी शामिल हैं। भोपाल-श्योपुर में भी कांग्रेस ने नारेबाजी की। इधर, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि सरकार ने रणनीतिक तरीके से घोटाला किया है। बारदाने की कमी का बहाना बनाकर गेहूं खरीदी नहीं की गई। यह किसानों को धोखा देने की कोशिश है। भोपाल से छतरपुर रवाना होने से पहले पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि तथ्यों से साबित हो गया है कि भाजपा, शिवराज सिंह चौहान, नरेंद्र मोदी और मोहन यादव किसान विरोधी हैं। लगभग 10 लाख क्विंटल गेहूं ओपन मार्केट में बिक चुका है। करीब 25 प्रतिशत गेहूं 1600 से 2000 रुपए प्रति क्विंटल के भाव में बेचा गया है। पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 2700 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं, 3100 रुपए धान और 6000 रुपए सोयाबीन का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण वर्ष होने के बावजूद मध्य प्रदेश में किसानों का शोषण हो रहा है।

बारामती उपचुनाव निर्विरोध जीतेंगी सुनेत्रा पवार

कांग्रेस उम्मीदवार ने वापस लिया नामांकन

मुंबई। एनसीपी के दिवंगत नेता अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार बारामती उपचुनाव बिना किसी विरोध के जीत जाएंगी, क्योंकि कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार वापस ले लिया है। यह चुनाव 23 अप्रैल को होना है। कांग्रेस ने गुरुवार दोपहर को अजित पवार के सम्मान में अपने कदम पीछे खींच लिए। यह सीट 1991 के उपचुनाव से लेकर इस साल अपनी मृत्यु तक अजित पवार के पास रही। उससे पहले, 1967 से यह सीट उनके चाचा शरद पवार के पास थी। यह बड़े बारामती जिले का हिस्सा है, जिसे आम तौर पर पवार परिवार का गढ़ माना जाता है। इससे पहले दिन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस की प्रदेश इकाई के प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल को फोन करके उनसे अपनी पार्टी के उम्मीदवार को चुनाव से हटाने का आग्रह किया। कांग्रेस ने उपचुनाव के लिए आकाश मोरे को नामित किया था। शरद पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी गुट के नेताओं की ओर से भी इसी तरह की अपीलें आईं, जिनमें पार्टी की कार्यवाहक प्रमुख सुप्रिया सुले और शरद पवार के पोते रोहित पवार शामिल हैं। सूत्रों ने यह भी बताया कि सुनेत्रा पवार ने खुद सीधे तौर पर सपकाल से बात की, ताकि कांग्रेस के साथ अजित पवार के संबंधों पर जोर दिया जा सके।

आज से टोल प्लाजा पर कैश पेमेंट स्वीकार नहीं

नेशनल हाईवे और एक्सप्रेस वे पर सफर करने के नियम में बदलाव

नई दिल्ली। देश में हर राज्य में बड़ी संख्या में नेशनल हाइवे और एक्सप्रेस का निर्माण किया जा रहा है। जिस पर लाखों लोग सफर करते हैं। अगर आप भी नेशनल हाइवे और एक्सप्रेस वे पर सफर करते हैं तो जान लीजिए कि 10 अप्रैल से नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। देशभर में सभी नेशनल हाइवे और एक्सप्रेस वे पर सफर करते हुए अब नए नियमों के लागू होने के कारण ज्यादा सावधानी बरतनी पड़ेगी। केंद्र सरकार की ओर से कल से ही नियमों में बदलाव कर दिया जाएगा। जिसके बाद इन पर सफर करने में अंतर आ जाएगा। अब कैश के जरिए टोल टैक्स का भुगतान नहीं किया जा सकेगा। इसकी जगह सिर्फ यूपीआई या फास्टैग के जरिए ही टोल प्लाजा पर भुगतान किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक अगर फास्टैग की जगह यूपीआई से टोल टैक्स का भुगतान किया जाएगा तो ज्यादा कीमत देनी होगी। अगर किसी टोल प्लाजा पर फास्टैग से 100 रुपये का भुगतान किया जाता है तो यूपीआई से 125 रुपये का भुगतान करना पड़ेगा। भारत में सभी तरह की कारें, बस, ट्रक जैसे वाहनों के लिए सरकार की ओर से फास्टैग को काफी पहले ही अनिवार्य किया जा चुका है। फास्टैग के कारण नेशनल

हाइवे, स्टेट हाइवे और एक्सप्रेस वे पर सफर करने में काफी आसानी होती है। इसके कारण टोल टैक्स कुछ ही सेकेंड में दिया जा सकता है और कैश देने पर लगने वाले समय की बचत की जा सकती है।

जल्द शुरू होगी नई तकनीक

अभी तक टोल प्लाजा पर रुक कर भुगतान करना पड़ता है, लेकिन जल्द ही मल्टी लेन फ्री फ्लो तकनीक को लागू कर दिया जाएगा। इसमें एआई आधारित ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन, सैटेलाइट टेक्नोलॉजी और मौजूदा फास्टैग का एकीकृत उपयोग किया जाएगा। इसका मतलब यह है कि गाड़ी को टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत नहीं होगी और वाहन 80 किमी/घंटा की रफ्तार से चलते हुए भी टोल पार कर सकेंगे।

गलती से भी दे दी गाली तो साफ करना होगा पूरा गांव

मध्यप्रदेश के बुरहानपुर में पंचायत का फैसला

बुरहानपुर।

मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले में एक ऐसा गांव है जिसे गाली-गलौच मुक्त गांव का दर्जा मिला है। जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर 6 हजार की आबादी वाला बोरसर गांव मध्य प्रदेश का पहला ऐसा गांव बन गया है। जहां गाली नहीं दी जाती। अगर कोई यहां गाली देने की गलती कर दे तो तुरंत उसपर जुर्माना ठोका जाता है और यहां तक की सजा का भी प्रावधान है। ग्राम पंचायत बोरसर के सरपंच अंतरसिंह, उपसरपंच विनोद शिंदे सहित अभिनेता अश्विन पाटिल ने गांव को गाली मुक्त बनाने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने गांव में संस्कार नवाचार की ऐसी नींव रखी है कि पूरे गांव में कोई भी गाली देने से बचता है। क्या अमीर और क्या गरीब गांव का ये नियम सभी पर लागू होता है। अगर कोई लड़ाई झगड़े में गाली दे भी दे। तो उसपर तुरंत 500 रुपए जुर्माना लगाया जाता है या एक घंटे तक गांव में झाड़ू मारकर साफ सफाई करवाई जाती है। अभिनेता व समाजसेवी अश्विन पाटिल ने कहा जब मुंबई से गांव लौटा तो देखा बेहद छोटी-छोटी बातों पर गाली-गलौच की वजह से बड़े विवाद बन जाते थे। यानी विवाद की जड़ उतनी बड़ी नहीं होती थी। जितनी गाली बन जाती थी। इसके बाद मैंने ग्राम पंचायत के सरपंच अंतरसिंह और उपसरपंच विनोद शिंदे से संपर्क किया। उन्होंने एक बैठक बुलाई, यहां सभी को मौजूदगी में फैसला लिया और ग्राम पंचायत ने एक आदेश जारी किया। अब जगह-जगह पोस्टर लगाए गए हैं, जहां साफ शब्दों में लिखा है कि बोरसर मध्यप्रदेश का पहला गाली मुक्त गांव है। यहां मां-बहन की गाली देने पर 500 रुपए का दंड या एक घंटा गांव की सफाई कराई जाएगी। गांव में एक सेवा भाव कक्ष भी शुरू किया गया है, यहां जरूरतमंदों के लिए विभिन्न प्रकार की सामग्री उपलब्ध है। दानदाता और समाजसेवियों ने सामग्री दान की है, जरूरत के मुताबिक किसी भी धर्म और जाति का व्यक्ति लाभ उठा सकता है, यह पहल ग्रामीणों के लिए मददगार साबित हो रही है।

हर व्यक्ति को फ्री इंटरनेट

यहां बच्चों से लेकर युवाओं को सभ्य और जागरूक बनाने के लिए यहां पुस्तकालय भी खोला गया है जहां धर्म-कर्म, जनरल नॉलेज और स्कूली पाठयक्रम की किताबों का खजाना उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा गांव में इंटरनेट क्रांति लाई गई है और 4 स्थानों पर फ्री वाईफाई स्थापित किया है जिससे गांव का हर व्यक्ति फ्री इंटरनेट का लाभ उठा रहा है। साथ में हर घर हरियाली अभियान के तहत लोगों को पौधे वितरित किए गए हैं, जिससे गांव को हरित क्रांति से भी जोड़ा जा सके।

नागरिकों की आशाओं के अनुरूप विकास की नित नई सौगात मिल रही : जैतपुर विधायक

नगर परिषद की पूरी टीम नगर हित में तत्पर : शालिनी सरावगी

बुढार (स्वतंत्रमत)

नगरपरिषद क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्र. 6 में परिषद कार्यालय भवन के नवनिर्माणाधीन कार्य का तथा ट्रेचिंग ग्राउण्ड में एम.आर.एफ. सेंटर एवं विण्डो कम्पोस्टिंग प्लांट निर्माण कार्य का गरिमामयी कार्यक्रम के मध्य भूमिपूजन किया गया। जैतपुर क्षेत्र के विधायक के मुख्यातिथ में तथा जिला योजना समिति सदस्य अमिता चपरा के विशिष्ट आतिथ्य व नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी सरावगी की अध्यक्षता में नवनिर्माणाधीन कार्य का भूमिपूजन किया गया और कुदाल चलाकर कार्य का शुभारंभ किया गया। नगर परिषद बुढार के नवीन कार्यालय भवन निर्माण कार्य हेतु 60 लाख की राशि खनिज मद से स्वीकृत मिली है, वहीं 60 लाख की राशि एम.आर.एफ. सेंटर, कम्पोस्टिंग प्लांट निर्माण हेतु स्वच्छ सर्वेक्षण शासन मद से अर्जित हुई है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जैतपुर विधायक ने कहा कि नगर परिषद बुढार को एस.ई.सी.एल. के सी.एस.आर. मद से 2 करोड़ 2 लाख की राशि की स्वीकृति ऑडिटोरियम एवं स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के निर्माण हेतु मिली है, जो नगर बुढार के लिये अति उपलब्धि पूर्ण है और नागरिकों तथा खिलाड़ियों को आने वाले समय में सुविधा युक्त यह सौगात मिल सकेगी। विधायक ने कहा कि नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी सरावगी तथा उनकी परिषद नागरिकों को विकास की सौगात अर्जित कराने में तत्पर है और उनके प्रस्तावों व सुझावों को मुझ द्वारा भी पूर्ण प्राथमिकता प्रदान की जा रही है, जिससे निर्माण कार्य नगर में प्रगति की ओर अग्रसर है। नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी सरावगी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह तथा क्षेत्रीय विधायक बुढार नगर हित के प्रस्तावों पर भरपूर सहयोग प्रदान कर रहे हैं और विधायक ने महावीर द्वार के नवनिर्माण हेतु 1 करोड़ 25 लाख की राशि अर्जित कराई है जिसका निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जायेगा। नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी सरावगी ने कहाकि नगर बुढार को 50 वर्ष उपरान्त ऑडिटोरियम तथा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स की बहुत बड़ी सौगात स्तुत्य प्रयास पर अर्जित हुई है, और नगर परिषद को घर के समान मय और पूरी परिषद की टीम ने माना है जिसके फलस्वरूप नगर विकास की ओर अग्रसर है। शालिनी सरावगी ने कहाकि नगर परिषद को दस एकड़ की भूमिं मिली है जिसपर नवीन बस स्टैण्ड का निर्माण कार्य, शॉपिंग कॉम्पलेक्स का निर्माण तथा बुजुर्गों एवं नवयुवकों को ई-लाइब्रेरी की सुविधा जैसे विभिन्न कार्यों को कराया जाना है। नगर परिषद पार्षद सविता सिंह भदौरिया ने नगर के सुप्रसिद्ध विरासिनी मंदिर बुढार में प्रवेश द्वार निर्माण का प्रस्ताव रखा जिसपर विधायक ने इसकी सहर्ष घोषणा की। नवनिर्माणाधीन कार्य के भूमिपूजन अवसर पर रविकांत चौरसिया, सी.एम.ओ. सौरभ श्रीवास्तव, देवेन्द्र द्विवेदी, रविकुमार रजक, लक्ष्मण गौतम, अनिल सिंह, मनोज जैन, सुधाकर शर्मा, श्रीकृष्ण गुप्ता, चन्द्रभान गुप्ता, रामयश मलानी, आनंद बारी, योगेंद्र सिंह, आशु तिवारी, विनोद पाठक, रामभजन गुप्ता, पार्षद हरिश्चंद्र केवट, सविता सिंह भदौरिया, सुमित्रा नामदेव, जूली जैन, सुधा बारी, गीता प्रजापति, जूली रजक, मोहन बैगा, अशोक वैश्य, काजल सरावगी, मनीषा यश मलानी, संजू पात्रिक, बाल्मीक पाण्डेय, सन्तोष प्रजापति, पवन नियरसेस, संजय नैनानी, अनिल सिंह (बन्टू), उपयंत्री सी.पी. पाण्डेय, इंजीनियर मनोज चतुर्वेदी, राधिका तिवारी, अभय शुक्ला, संजय द्विवेदी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन युवा उत्साही आनंद बारी ने किया।

खनिज विभाग द्वारा अवैध कोयला परिवहन के संबंध में की गई कार्यवाही

शहडोल (स्वतंत्रमत)। अवैध कोयला खनन की प्राप्त शिकायत सम्बंधित जाँच हेतु खनिज अमले के द्वारा ग्राम नवलपुर धनगवा तथा आस पास के क्षेत्रों का मौका निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान ग्राम चांपा तहसील सोहागपुर के पास एक लाल रंग के महिंद्रा ट्रेक्टर ट्राली को कोयला खनिज का परिवहन करते रोका गया, जिसमे रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित नहीं होना तथा इंजन क्र एनएसडी 7 केएई 1145 होना पाया गया। मौक़े पर ट्रेक्टर चालक द्वारा भरा वाहन मौक़े से भगाने की कोशिश की गयी परन्तु विभाग के अमले द्वारा इसका पीछा करके वाहन को रोक लिया। इसी बीच चालक मौक़े से फरार हो गया स उक्त ट्रेक्टर की ट्राली में कोयला भरा हुआ थे, जिसे छुपाने के लिए पराली से ढका गया था। अमले के द्वारा कोयला खनिज से भरा हुआ ट्रेक्टर मय खनिज के जप्त किया गया एवं थाना सोहागपुर परिसर में खड़ा करवाया गया। उक्त ज़ब्त ट्रेक्टर के मालिक की पतासाज़ी की जा रही है, जिस पर कोयला खनिज का अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज किया जावेगा। उक्त कार्यवाही खनि निरीक्षक अभिषेक पटले एवं अमले के द्वारा की गयी है।

विश्व होम्योपैथी दिवस पर आज लगेगा नि:शुल्क मेगा शिविर

शहडोल (स्वतंत्रमत)। विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर 10 अप्रैल को शासकीय होम्योपैथी औषधालय द्वारा विशाल नि:शुल्क मेगा होम्योपैथी शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी अवसर पर औषधालय के नव निर्मित भवन में स्थानांतरण का शुभारंभ कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन 10 अप्रैल को प्रात: 10 बजे शासकीय होम्योपैथी औषधालय, शांति देवी मेमोरियल स्कूल के सामने, कोतमा तिराहा, शहडोल में किया जाएगा।

कॉन्वेंट स्कूल के पास तालाब में किया गया श्रमदान

शहडोल (स्वतंत्रमत)। नगर पालिका परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। नगर के वार्ड क्रमांक 8 स्थित कॉन्वेंट स्कूल के पास बने तालाब में श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद के पार्षद प्रभात पांडे, नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, स्वच्छता मित्रों एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा सहभागिता निभाई गई। श्रमदान के दौरान तालाब की साफ-सफाई, जलीय क्षेत्र में उगी अनावश्यक वनस्पतियों की कटाई-छंटाई तथा तालाब किनारे फैली गंदगी, पॉलिथीन एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाया गया। एकत्रित कचरे का समुचित निष्पादन भी सुनिश्चित किया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा पर्यावरण संरक्षण एवं जल स्त्रोतों के संवर्धन के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर उपयंत्री सुखेंद्र सिंह तोमर, उपयंत्री पुनीत त्रिपाठी, कार्यालय अधीक्षक मोतीलाल सिंह, सिटी मिशन मैनेजर सत्यकाम मिश्रा, स्वास्थ्य निरीक्षक अनिल महोबिया, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारी, स्वच्छता मित्र, वार्डवासी एवं ओम साई विजन के सदस्य उपस्थित रहे।

किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस ने किया विशाल धरना-प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

अन्नदाता के प्रति पूरी तरह असंवेदनशील है तानाशाह भाजपा सरकार : अजय अवस्थी

शहडोल (स्वतंत्रमत)

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में जय स्तंभ चौक स्थित कलेक्ट्रेट परिसर के समक्ष प्रदेश की भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों के विरोध में एक विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं किसानों की उपस्थिति रही। प्रदर्शन के उपरांत महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। धरना-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश सरकार पर किसानों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया और कहा कि वर्तमान सरकार अन्नदाता के प्रति पूरी तरह असंवेदनशील एवं तानाशाही रवैया अपनाए हुए है। ज्ञापन में राज्यपाल का ध्यान प्रदेश के किसानों की गंभीर समस्याओं की ओर आकर्षित करते हुए बताया गया कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण किसान भारी संकट का सामना कर रहे हैं। गेहूं उपार्जन की तिथि बार-बार बढ़ाए जाने से किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं सहकारी संस्थाओं के ऋण की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित होने के बावजूद सरकार के कुप्रबंधन के चलते लगभग 50 प्रतिशत किसान डिफॉल्टर की श्रेणी में आ गए हैं। किसानों को मजबूरीवश अपनी उपज मंडियों में 2000 से 2200 रुपये प्रति क्विंटल के कम दाम पर बेचनी पड़ रही है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जबकि पड़ोसी राज्य राजस्थान में 18 मार्च से ही गेहूं की खरीदी प्रारंभ हो चुकी है, जिससे वहां के किसानों को राहत मिल रही है। जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल ने राज्यपाल से मांग की है कि किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तत्काल गेहूं उपार्जन शुरू कराया जाए तथा सहकारी संस्थाओं में डिफॉल्टर घोषित किए गए किसानों को राहत प्रदान की जाए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार लगातार किसानों के हितों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि कृषि उपज का उचित मूल्य नहीं मिलना, खाद-बीज की कमी, सिंचाई सुविधाओं का अभाव, बढ़ती लागत और कर्ज का बोझ किसानों की स्थिति को बदतर बना रहा है। इसके बावजूद सरकार इन ज्वलंत मुद्दों पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। कांग्रेस पार्टी किसानों की आवाज को मजबूती से उठाते हुए उनके हक की लड़ाई लड़ती रहेगी। उक्त जानकारी जिला काँग्रेस कमेटी शहडोल के मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला ने प्रदान की। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश कटारे, आजाद बहादुर सिंह, नीरज द्विवेदी, नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम जयसवाल, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष कुलदीप निगम, वरिष्ठ कांग्रेसी श्रीनिवास शर्मा, नगर अध्यक्ष प्रभात पाण्डेय, जिला मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष अनुज मिश्रा, सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष प्रीतेश द्विवेदी, युवाकाँग्रेस जिलाध्यक्ष अनुपम गौतम, युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष आशीष तिवारी, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी, संगठन महासचिव विनोद ताम्रकार, हरिमोहन तिवारी, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष सिराज खान,पूर्व ब्लाक अध्यक्ष बुढ़ार राजीव शर्मा, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष सोहागपुर शिव शंकर शुक्ला, वरिष्ठ कांग्रेसी महमूद अहमद,शिक्षक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष रामनरेश तिवारी,वरिष्ठ कांग्रेसी विष्णु प्रताप सिंह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह, ब्यौहारी विधानसभा प्रत्याशी रामलखन सिंह, महिला जिलाध्यक्ष संध्या सिंह, बुढ़ार जनपद अध्यक्ष उमा धुर्वे, वरिष्ठ कांग्रेसी कृष्णचंद्र चतुर्वेदी,पार्षद जितेंद्र सिंह, पार्षद दानिश अहमद, संजय पटेल, नीरज सराफ, प्रदीप तिवारी,सोहागपुर ब्लाक अध्यक्ष प्रीतमदास सोनी, ब्यौहारी ब्लाक अध्यक्ष सतेन्द्र त्रिपाठी,बुढ़ार ब्लाक अध्यक्ष अंकित सिंह, सिंहपुर ब्लॉक अध्यक्ष अजीत सोनी, गोहपारू ब्लाक अध्यक्ष जय करण सिंह, जैतपुर ब्लॉक अध्यक्ष मनोज सिंह, मानू भाई,ओबीसी जिलाध्यक्ष सत्यनारायण साहू, मोहम्मद साबिर, हरिशंकर तिवारी,प्रमोद जैन, साकिर फारुकी, सोएब अंसारी, प्रेमधारी सिंह, राजेश सोंधिया, पुष्पराज सिंह, कुंज बिहारी द्विवेदी,कमलेश द्विवेदी,अतुल तिवारी, अनिल मिश्रा,नईम अहमद, लवकेश रेड्डी,जसबीर सिंह, अशोक तिवारी, वरुण पाल, रमेश विश्वकर्मा, सोने लाल, भैय्यालाल,रज्जन खान,ओंकार सिंह, आशीष द्विवेदी, महेंद्र यादव, अमन तिवारी, दीपांशु गुप्ता, आशु सिंह, योगेश सिंह, ओम साहू, हर्षित सिंह, कृष्णा,अर्पित आदि सैकड़ो की संख्या मे काँग्रेसजन उपस्थित रहे।

शहडोल में एयरपोर्ट का होगा जल्द निर्माण, कलेक्टर ने पूरी टीम के साथ लालपुर हवाई पट्टी का किया निरीक्षण

शहडोल (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने शहडोल जिले के ग्राम लालपुर में प्रस्तावित एयरपोर्ट निर्माण हेतु एयरपोर्ट प्राधिकृत अधिकारियों के साथ हवाई पट्टी लालपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने एयरपोर्ट के प्राधिकृत अधिकारियों से भूमि विवरण, रनवे की लंबाई चौड़ाई, हवाई पट्टी की स्थिति बाउंड्रीवाल की लंबाई, चौड़ाई सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अमृता गर्ग, सहायक महाप्रबंधक (प्रचालन) प्रीतिश यादव, गौरव मिश्रा, सहायक महाप्रबंधक (सी. एन. एस), सचिन भाटी, प्रबंधक (ए. टी. सी) प्रमोद वैकुंठराव खरोड़े, प्रबंधक (अग्निशमन) सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों द्वारा पक्षियों के लिए पूरे जिले में लगाए गए सकोरे

शहडोल (स्वतंत्रमत)

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिले द्वारा गतिविधियों एसएफडी विकासार्थ विद्यार्थी के माध्यम से सकोरा अभियान के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए पूरे जिले में 200 सकोरे लगाए गए इसके माध्यम से लोगों को भी जागरूक किया गया कि आप सभी लोग भी अपने कार्यालय अपने घर के आसपास पक्षियों के लिए सकोरा। लगाए और एसएफडी सेवार्थ विद्यार्थी के माध्यम से अपने जिले के 20 स्थानों में जल मंदिर बनाए गए जिससे लोगों को इतनी तेज गर्मी में पानी पीने की समस्याएं ना इन सभी कार्यकम में उपस्थित विभाग संगठन मंत्री सावन सिंह, विभाग संयोजक अखिलेश सिंह, विभाग छात्रा प्रमुख अंजली पांडे, जिला संयोजक अमन त्रिपाठी, निधि पांडेय, आकाश मिश्रा, प्रिया सिंह, भूमिका द्विवेदी, ओम सोनी, गोकुल पटेल, और और समस्त कैंपस के विद्यार्थी एवं परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सन रिसॉर्ट से 17 बोतल अवैध शराब जब्त

उमरिया (स्वतंत्रमत)। अवैध मदिरा विक्रय एवं धारण के विरूद्ध कार्यवाही कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी सवित्री भगत के मार्गदर्शन में वृत्त मानपुर अंतर्गत ताला, बांधवगढ़ स्थित सन रिर्साट में अनावेदक इंद्रपाल सिंह द्वारा अवैध रूप से मदिरा संग्रहित किया जाना पाए जाने पर आबकारी अधिनियम 34 (1) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया। उक्त कार्यवाही में अनावेदक के कब्जे से 17 बॉटल विदेशी मदिरा व्हिस्की जप्त किया गया। जिसकी अनुमानित मूल्य रूपये 22,500 है। कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक दिनकर सिंह तिवारी के नेतृत्व में की गयी। जिसमें आबकारी आरक्षक राजपति प्रजापति, कविता सिंह, अंजली गौतम तथा नगर सैनिक जीवनलाल कोल की भूमिका सराहनीय उपस्थित रहे।

किसानों की समस्याओं को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले सहित पूरे प्रदेश के किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर गुरुवार 9 अप्रैल को जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन कलेक्टर के माध्यम से सौंपा गया। ज्ञापन में किसानों की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उनकी समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि जिले के किसान इस समय कई गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं। समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीदी समय पर नहीं होने के कारण किसानों को अपनी उपज औने-पौने दामों में बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इसके साथ ही बारदाने (बोरी) की भारी कमी से खरीदी प्रक्रिया प्रभावित हो रही है, जिससे किसानों को अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ रही है। इसके अलावा हाल ही में हुई ओलावृष्टि एवं प्राकृतिक आपदाओं से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन अब तक प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिल पाया है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि सरकार द्वारा किसानों से किए गए वादे पूरे नहीं होने से किसानों में आक्रोश और असंतोष बढ़ता जा रहा है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजी विजय कोल ने प्रशासन से मांग की कि समर्थन मूल्य पर समयबद्ध खरीदी सुनिश्चित की जाए, पर्याप्त मात्रा में बारदाना उपलब्ध कराया जाए तथा ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा प्रदान किया जाए। साथ ही किसानों से किए गए सभी वादों को तत्काल पूरा करने की भी मांग की गई। जिला मुख्यालय उमरिया के सिंगलटोला क्षेत्र में लंबे समय से लंबित रेलवे ओवरब्रिज निर्माण की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजी विजय कोल के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन कलेक्टर जिला उमरिया के माध्यम से प्रेषित किया गया। ज्ञापन में बताया गया कि सिंगलटोला क्षेत्र की रेलवे क्रॉसिंग आज आमजन के लिए गंभीर समस्या का कारण बनी हुई है। इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों नागरिकों का आवागमन होता है, लेकिन बार-बार और लंबे समय तक रेलवे फाटक बंद रहने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन में प्रमुख रूप से उल्लेख किया गया है कि रेलवे फाटक बंद होने पर लोगों को 20 से 30 मिनट तक इंतजार करना पड़ता है, जिससे समय की बर्बादी होती है। सबसे गंभीर स्थिति तब उत्पन्न होती है जब गंभीर मरीज, गर्भवती महिलाएं या आपातकालीन सेवाएं फाटक पर फंस जाती हैं, जिससे उनकी जान को खतरा उत्पन्न हो जाता है। इसके अलावा विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं व्यापारियों को भी समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार मजबूरी में लोग जोखिम उठाकर रेलवे फाटक पार करने का प्रयास करते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। लगातार जाम की स्थिति से क्षेत्र में अव्यवस्था भी बढ़ रही है। इंजी विजय कोल ने कहा कि सिंगलटोला क्षेत्र में रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण अत्यंत आवश्यक है, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू हो सके और आमजन को राहत मिल सके। उन्होंने मांग की कि इस बहुप्रतीक्षित परियोजना को शीघ्र स्वीकृति प्रदान कर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाए।

खुलेआम बिक रहे नशीले पदार्थ सड़कों पर सज रही शराब की महफिलें

शहर की कानून व्यवस्था सुधारने कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नगर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में गुरूवार को शहर की कानून-व्यवस्था एवं अवैध गतिविधियों के विरोध में एक ज्ञापन सीएसपी एमडी नागोतिया सीएसपी गोरखपुर संभाग को थाना संजीवनी नगर में सौंपा गया। ज्ञापन में मुख्य रूप से संजीवनी नगर थाना क्षेत्र में संचालित अवैध गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई। कांग्रेस पदाधिकारियों ने बताया कि शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद शराब दुकानों के आसपास खुलेआम शराब पिलाने की व्यवस्था संचालित हो रही है, जो नियमों का खुला उल्लंघन है। इस पर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की मांग की गई। इसके साथ ही कछपुरा पुल मोड़ पर प्रतिदिन की जा रही वाहन चेकिंग को बंद करने तथा पुलिस द्वारा आकस्मिक चेकिंग अभियान चलाने की मांग रखी गई, जिससे आम नागरिकों एवं श्रद्धालुओं को अनावश्यक परेशानी से बचाया जा सके।

अपराध बढ़ने की आशंका

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि श्याम नगर, दुर्गा नगर, शांति नगर, परसवाड़ा सहित अन्य क्षेत्रों में खुलेआम मादक पदार्थों का विक्रय हो रहा है, जिससे क्षेत्र में अपराध बढ़ने की आशंका है। कांग्रेस नेताओं ने इन क्षेत्रों में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने एवं नशे के कारोबार पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सचिन वाजपेई, ब्लॉक अध्यक्ष सलिल चौकसे, नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा, पश्चिम विधानसभा अध्यक्ष नितिन सिंह, शादाब मंसूरी, शैलेश शुक्ला, मिंटू मिश्रा, प्रमोद पटेल, मिथुन शिवहरे आदि उपस्थित रहे। नगर कांग्रेस कमेटी ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो संगठन उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

स्कूल बसों की ताबड़तोड़ जांच, नियमों का उल्लंघन करने पर हुई कार्यवाही

स्कूली वाहनों पर प्रशासन का कड़ा रुख, नियमों की अनदेखी पर मौके पर हटवाई गईं सीटें

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर में स्कूली छात्र-छात्राओं के सुरक्षित परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान एम.एम. इंटरनेशनल स्कूल, ज्ञान गंगा ऑर्किड स्कूल एवं लिटिल वर्ल्ड स्कूल के वाहनों की सघन चेकिंग की गई। जांच के दौरान पाया गया कि कई बसों में आपातकालीन द्वार के ठीक सामने सीटें लगाई गई थीं, जो किसी भी अप्रिय स्थिति में बच्चों के बाहर निकलने में बाधा बन सकती थीं। अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए इन सीटों को मौके पर ही हटवाया। इसके अलावा, कई वाहनों में एचएसआरपी नहीं पाई गई, जिसके लिए वाहन प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए गए। निरीक्षण दल ने स्कूल प्रबंधन और वाहन प्रभारियों को माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा के मानकों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अभिभावकों के लिए चेतावनी, नाबालिगों को न दें वाहन- जांच के दौरान एक और चिंताजनक बात सामने आई कि कई किशोर स्वयं मोटरसाइकिल चलाकर स्कूल पहुंच रहे हैं। इस पर सख्त रुख अपनाते हुए प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 199 के तहत, यदि कोई नाबालिग वाहन चलाते पकड़ा जाता है, तो उसके संरक्षक या वाहन स्वामी को दोषी माना जाएगा और उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों की सुरक्षा और कानून के सम्मान के लिए उन्हें बिना लाइसेंस और कम उम्र में मोटरसाइकिल न दें।

महाकौशल विश्वविद्यालय में नए आपराधिक कानूनों पर व्याख्यान आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

महाकौशल विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा नए आपराधिक कानूनों की आवश्यकता एवं पुराने आपराधिक कानूनों से तुलनात्मक अध्ययन विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कुलगुरु डॉ. आरसी मिश्रा की प्रेरणा एवं कुलसचिव डॉ. राम प्रकाश चौबे जी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उच्च न्यायालय के अधिवक्ता ब्रह्मानंद पांडे उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विधि के छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यवहारिक ज्ञान भी अर्जित करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि एक सफल अधिवक्ता वही होता है जिसे विधि के साथ-साथ संबंधित प्रकरणों में उचित कानून की जानकारी खोजने की दक्षता हो। कार्यक्रम के प्रारंभ में कुलसचिव डॉ. राम प्रकाश चौबे ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में नए आपराधिक कानूनों की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये कानून न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सरल एवं त्वरित बनाने में सहायक होंगे। कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष युगांक खरे द्वारा मुख्य वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया गया। मंच संचालनगार्गी शंकर द्वारा किया गया। इस अवसर पर सुश्री शोभा मिश्रा, तारनहार सिंह, नीलिमा अवस्थी, प्रतिभा सिंह सहित अन्य प्राध्यापकगण एवं सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संस्कारधानी में सजेगा रिश्तों का संगम

अवधिया स्वर्णकार समाज का परिचय एवं आदर्श विवाह सम्मेलन का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

संस्कारधानी की पावन धरा पर अवधिया स्वर्णकार समाज द्वारा रिश्तों का एक नया अध्याय लिखा जाने वाला है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के अवधिया स्वर्णकार समाज के लिए अवधिया स्वर्णकार समाज समिति जबलपुर द्वारा एक दिवसीय भव्य परिचय एवं आदर्श विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह गरिमामयी कार्यक्रम मां नर्मदा की पावन भूमि जबलपुर के अग्रवाल लॉन, लेमागार्डन (गोहलपुर) में दिनांक 25 अप्रैल 2026 शनिवार को संपन्न होगा। कार्यक्रम के सूत्रधार एवं सम्मलेन अध्यक्ष अमित सोनी ने बताया कि समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए एक साझा मंच प्रदान करना और आदर्श विवाह परंपरा को प्रोत्साहन देना। इस सम्मेलन में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से समाज जन एकत्रित होंगे। समिति द्वारा समस्त स्वजनों और मातृशक्ति से आग्रह किया गया है कि वे अपने परिवार और रिश्तेदारों में विवाह योग्य बच्चों के बायोडाटा समय पर उपलब्ध कराएं। व्यवस्थित रूप से विवाह संपन्न कराने और परिचय के लिए पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है।

एड. डॉ प्रशांत मिश्र ने दाखिल किया नामांकन पत्र

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राज अधिवक्ता परिषद चुनाव वर्ष 2026-2031 हेतु मप्र उच्च न्यायालय के अधिवक्ता, कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन एवं मप्र अधिवक्ता क्रीड़ा परिषद के संस्थापक एड. डॉ प्रशांत मिश्र ने अपना नामांकन मप्र उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति एवं राज्य अधिवक्ता परिषद के मुख्य चुनाव अधिकारी एसके पालो के समक्ष दाखिल किया। नामांकन पत्र दाखिल करने के पश्चात डॉ प्रशांत मिश्रा ने अपनी प्राथमिकताओं को व्यक्त करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश के अधिवक्ताओं के हित में सृजनशील एवं संघर्षील रहने की अपनी पूर्व अनुसार भूमिका निभाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों की भांति मप्र के भी अधिवक्ताओं को अधिवक्ता पेंशन का लाभ दिलाया जाए, इस हेतु अपना संघर्ष जारी रखेंगे। इस अवसर पर अधिवक्तओं ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की।

पेंशनर्स के प्रति सरकार असंवेदनशील

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र छतीसगढ़ राज्य पेंशनर्स फोरम के चेयरमेन, मप्र पेंशनर्स एसोशिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय पेंशनर्स संघ की कोर कमेटी के सचेतक ब प्रवक्ता, सेवानिवृत उप पुलिस अधीक्षक पं.नरेश शर्मा, राज्य पुलिस सेवा ने मप्र शासन द्वारा घोषित

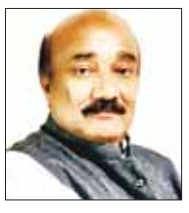

महंगाई राहत राशि देय करने के आदेश पर घोर असंतोष प्रगट किया है । उन्होंने कहा कि शासन ने अपने नियमित कर्मचारियों को जुलाई 2025 से 3 प्रतिशत अतिरिक्त डीआर (महंगाई राहत राशि) देने का निर्णय लिया है। जबकि यही राहत पेंशनर्स को जनवरी 2026 से दिये जाने का आदेश पारित किया है । इस प्रकार पेंशनर्स को छः मास की डीआर राशि से वंचित कर दिया गया है । सरकार के इस असंवेदनशील व्यवहार का यह प्रथम अवसर नहीं है अपितु पूर्व में भी सरकार ने पेंशनर्स के अधिकार का 36 माह एवं 27 माह (कुल 63 माह) का एरियर्स अनेकों बार निवेदन करने के उपरांत भी प्रदान नहीं किया गया है । वर्तमान में शासन म.प्र. के पांच लाख पेंशनर्स के करोड़ों रुपये का देनदार है । पूर्व में पेंशनर्स को सरकार ने वचन दिया था कि भविष्य में उन्हें केंद्र के समान एवम् नियमित कर्मचारियों के बराबर मंहगाई राहत राशि दी जायेगी किन्तु सरकार इस वचन से विमुख हो गई है । वृद्ध जनों के साथ उनके जीवन की संध्या में सरकार का इस प्रकार का व्यवहार अत्यन्त दुखद है । उक्त तीनों संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारियों पी.एस.यादव (मुंबई) एसएमएस ठाकुर, बीके बक्शी (भोपाल) गीता भारद्वाज (ग्वालियर) आरएस तरेटिया, नरेंद्र भार्गव, एसके चतुर्वेदी, बालमुकुंद दुबे आदि पेंशनर्स ने सरकार से अपील की है कि अपनी कथनी एवं करनी को एक रूप प्रदान करते हुये अपने आदेश को संशोधित कर पेंशनर्स को भी जुलाई 2025 से कर्मचारियों के समान 58 प्रतिशत डीआर प्रदान किया जाये ।

श्री रामकथा में मिल रहे जीवन जीने के सूत्र

कथा एक-सूत्र अनेक, रामकृपा को रामभद्राचार्य ने बताया महा अमृतांजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

तुलसी पीठाधीश्वर, पद्मविभूषण, रामानंदाचार्य, जगतगुरु श्रीरामभद्राचार्य जी महाराज की गौरीघाट आयुर्वेद कॉलेज मैदान में चल रही श्रीरामकथा सुन रहे श्रोताओं को नित्यप्रति जीवन जीने के सूत्र मिल रहे हैं। समरसता सेवा संगठन द्वारा आयोजित कथा मे मानस के एक-एक प्रसंग को महाराजश्री आज के संदर्भ से जोड़कर बड़ी सरस व्याख्या कर रहे हैं। आज अहिल्या प्रसंग में महाराजश्री ने अहिल्या माता का वर्णन तो किया ही, साथ ही बताया कि वैसी स्थिति कई बार मानव मन की भी देखी जाती है। अहिल्या के जीवन में मोह भी है, अंधकार भी है, और दुर्भाग्य भी है। ये तीनों बिना प्रभू कृपा के नहीं जाते। उन्होंने कहा कि राम जी की चरण धूल जीवन का अमृतांजन है, और इसके लिए सबको प्रयास करना चाहिए। 'रामकृपा जग मंगल हेतू' की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि प्रभू श्रीराम का जनम जब पूरे जगत के मंगल के लिए हुआ है, तब हमारा मंगल भला क्यों नहीं हो सकता। महाराजश्री ने बताया

कि रामजी ने पिता से कैसा व्यवहार करें, भाई के साथ कैसे संबंध रखें, गुरु का किस तरह सम्मान करें, यज्ञ की रक्षा कैसे करें, ये सब हमें सिखाया है। उन्होंने कहा कि अहिल्या के भीतर के नेत्र बंद हो गए थे। उन्होंने बताया कि ज्ञान और वैराग्य भीतर के दो नेत्र हैं। जब प्रभु कृपा होती है, तभी ये नेत्र मिलते हैं। जब मन की आंख खुलती है तभी जीवन में भव-भय के दोष मिटते हैं। रामचरित मानस के चतुर चितेरे पूज्यश्री ने कहा कि विश्वामित्रजी ने अयोध्या आकर प्राश्चित किया क्योंकि राम जनम जग मंगल हेतु। भगवान ने उनके प्राश्चित को सफल करा उनका मंगल कर दिया। उन्होंने कहा कि विश्वामित्र जी अयोध्या दो बार आए। एक बार हरिश्चंद्र के कार्यकाल में और फिर रामचंद्र के कार्यकाल में। हरिश्चंद्र जी के समय विश्वामित्र जी ने उनकी पत्नी को उनसे अलग कर दिया था। उसका प्राश्चित रामचंद्र जी के कार्यकाल में हुआ।

गुरु का भी प्रभु ने किया मंगल

विषय चौपाई राम जनम जग मंगल हेतू का गान करते हुए महाराजश्री ने कहा कि प्रभु श्रीराम ने अपने गुरु का भी मंगल किया। वशिष्ठ जी ने स्वयं कहा कि मेरी पर्णकुटी में निवास करते हुए, अपने गुणों से, अपनी भक्ति से, अपने व्यवहार से, विनय से सुशोभित कोमल व्यवहार से और अपने मन से मेरे मन का हरण करके श्रीराम ने मुझे अपने वश में कर लिया। वशिष्ठ जी का मंगल विश्वामित्र जी ने देख लिया। वस्तुतः उनका मंगल देख कर ही विश्वामित्र जी को लगा कि मेरा अमंगल रुक नहीं रहा है, इसी को लेकरउनके मन में चिंता हुई, और गोस्वामी जी ने गाधितनय मन चिंता व्यापी चौपाई लिखी। विश्वामित्र जी को विश्वास था कि जैसा मंगल वशिष्ठ जी का हुआ, वैसा मंगल मेरा भी होगा।

एसडीएम ने किया पीएचसी भिड़की का औचक निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गुरूवार को एसडीएम शहपुरा मदन सिंह रघुवंशी द्वारा पीएचसी भिड़की का औचक निरीक्षण किया गया। सभी विभागों में जाकर निरीक्षण कर अनुविभागीय अधिकारी शहपुरा द्वारा आवश्यक जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने पीएनसी वार्ड में भर्ती मरीजों से बात कर उन्हें दी जा रही सुविधाओं पर चर्चा की। इस दौरान समस्त स्टॉफ अपने कार्य पर उपस्थित पाया गया। एसडीएम ने पीएचसी में आवश्यक सुविधाओं, साफ सफाई एवं बिल्डिंग के रखरखाव को देखकर सराहना की। इस दौरान डॉ जितेंद्र सिंह प्रभारी चिकित्सक को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए।

मप्र की सड़कों से हटेंगी 899 पुरानी कमर्शियल बसें

सरकार के आदेश पर मप्र हाईकोर्ट ने लगाई मुहर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र की सड़कों से जल्द ही 15 साल पुरानी कमर्शियल बसें हटेंगी। सरकार के इस आदेश पर मप्र हाईकोर्ट ने भी मुहर लगा दी है। इस आदेश के बाद उन बस ऑपरेटर्स को बड़ा झटका लगा है, जिन्होंने याचिका दायर की थी। जानकारी के मुताबिक मप्र में 899 ऐसी बसें दौड़ रही हैं, जिन्होंने अपनी 15 साल की उम्र पार कर ली है। ये बसें खटारा हो चुकी हैं, इसके बावजूद भी प्रदेश के शहरों के बीच सवारियां ढोने का काम कर रही हैं। मामले में सरकार ने सख्त कदम उठाया तो बस ऑपरेटर्स ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। 14 नवंबर 2025 को शासन ने आदेश जारी किया था, जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। वहीं सबसे ज्यादा खटारा बसें जबलपुर में हैं, जबकि सबसे कम रीवा संभाग में चल रही हैं। परिवहन विभाग के सचिव मनीष सिंह ने आयुक्त विवेक शर्मा को एक पत्र लिखकर इन सभी बसों की सूची सौंप दी है। अब इन बसों पर जल्द ही कार्रवाई होगी। सरकार के इस आदेश के बाद बस संचालकों ने दलील दी है कि जब उनकी बसों को परमिट और फिटनेस सर्टिफिकेट दिया गया था, तब उनकी उम्र 15 साल नहीं हुई थी।

जुआ फड़ पर पुलिस की रेड, सात जुआरी हत्थे चढ़े

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सिहोरा पुलिस ने मनसकरा बाईपास स्थित अवधेश गुप्ता के ढाबे के पीछे सजे जुआ फड़ पर रेड मारकर सात जुआरियों को इक्का-बली पर दांव लगाते हुए रंगे हाथ दबोचा है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ताश के 52 पत्तें व 35 हजार रुपये की नगदी जब्त की है। सिहोरा टीआई प्रतीक्षा मार्को ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर मनसकरा बाईपास स्थित अवधेश गुप्ता के ढाबे के पीछे दबिश दी गई। जहां से पुलिस ने रवि प्रकाश सरावगी निवासी वार्ड नम्बर 6 सिहोरा, विनोद गुप्ता निवासी वार्ड नम्बर 1 सिहोरा, श्यामनारायण गुप्ता निवासी वार्ड नम्बर 3 सिहोरा, विष्णुप्रसाद साहू निवासी वार्ड नम्बर 4 कटरा सिहोरा, धीरेन्द्र सिंह निवासी गुप्ता ढाबा कमरा नम्बर 3 सिहोरा, प्रदीप दुबे निवासी वार्ड नम्बर 4 सिहोरा, राजकुमार साहू निवासी कालभैरव चौक सिहोरा को हिरासत में लिया। जिनके पास से पुलिस ने ताश के 52 पत्तें व 35 हजार रुपये की नगदी जब्त की है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

पेट्रोल टैंकर में लायी जा रही गांजे की खेप पकड़ायी

क्राइम ब्रांच व खितौला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, तीन आरोपी हिरासत में, दस लाख का गांजा जब्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहडोल से पेट्रोल टैंकर में लायी जा रहीं गांजे की खेप पुलिस के हत्थे लग गई। दरअसल मुखबिर की सूचना पर एक्टिव हुई क्राईम ब्रांच की टीम ने खितौला पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए पान उमरिया रोड में नाकेबंदी कर टैंकर को रोक लिया। जिससे पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लिया। जिनके पास मिली बोरी व बैग से पुलिस ने बीस किलों गांजा कीमती दस लाख रुपये का बरामद किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए गांजे के संबंध में पूछताछ शुरु कर दी है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर क्राईम ब्रांच और खितौला पुलिस ने पान उमरिया रोड बिजली आफिस के सामने नाकाबंदी कर नीले रंग के डीजल-पेट्रोल टैंकर क्रमांक एमपी 18-एच-5408 को रोका। जिसके चालक ने अपना

नाम देवराज यादव पिता रामाधार यादव उम्र 39 वर्ष निवासी ग्राम रौसरा थाना चुरहटा जिला रीवा तथा टेंकर के केबिन में बैठे दोनों व्यक्तियों ने अपने नाम क्रमशः महेन्द्र कुमार पटेल पिता रामरहीश पटेल उम्र 34 वर्ष निवासी सिमरा थाना जयसिंहनगर जिला शहडोल, विनोद कुमार पिता गंगा प्रसाद यादव उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम रघुनाथपुर थाना रामपुर बघेलान जिला सतना बताया।

बोरी में रखा था गांजा

पुलिस ने टैंकर के केबिन में बैठे आरोपी महेन्द्र पटेल के पास से मिली बोरी से गांजे 13 पैकेट व विनोद कुमार यादव के पास से मिले बैग से गांजे के सात पैकेट बरामद किये। जो कि तौल करने पर कुल 20 किलोग्राम गांजा कीमती दस लाख का होना पाया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक ओप्पो कम्पनी का मोबाइल नगदी 700 रूपये एवं आरोपी देवराज से रियलमी कम्पनी का मोबाइल तथा टेंकर क्रमांक एमपी 18 एच 5408 जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए गांजे के संबंध में पूछताछ शुरु कर दी है।

हडकंपः बालाघाट नगरपालिका वसूलेगी कचरा टैक्स

सीएमओ के निर्णय और ब्यान पर भड़की कांग्रेस, आंदोलन की चेतावनी

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

शहर की स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं को लेकर बालाघाट नगरपालिका एक बार फिर चर्चाओ और विवादों के घेरे में है। एक ओर जहां शहर के वार्डों में खाली प्लॉटों और नालियों में पसरी गंदगी धरातल की हकीकत बयां कर रही है, वहीं दूसरी ओर नगरपालिका अब जनता पर कचरा संग्रहण टैक्स का अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने की तैयारी कर रही है। दरअसल, नगरपालिका प्रशासन ने निर्णय लिया है कि अब कचरा संग्रहण के बदले नागरिकों से शुल्क वसूला जाएगा। योजना के अनुसार आवासीय घर 50 प्रतिमाह, दुकानदार/व्यवसायी 100 प्रतिमाह टैक्स का भुगतान करेंगे। इस मामले में सीएमओ का तर्क है कि लोग फ्री की सेवा का महत्व नहीं समझते। उनके अनुसार यह कोई नया नियम नहीं है बल्कि पूर्व से निर्धारित प्रावधान है जिसे अब लागू किया जा रहा है। उनका मानना है कि टैक्स लगने से व्यवस्था के प्रति लोगों की गंभीरता बड़ेगी। इधर, स्थानीय शहरवासियों का आरोप है कि नगरपालिका संपत्ति, नगरीय विकास के नाम पर पहले ही भारी-भरकम टैक्स वसूल रही है, लेकिन सुविधाएं नगण्य हैं। कई वार्डों में कचरा वाहन हड़तों तक नहीं पहुँचते, जिससे सड़ांध और बीमारियां फैल रही हैं। ऐसे में नया टैक्स वसूलना जले पर नमक छिड़कने जैसा है। इधर, नगरपालिका के इस कदम का कांग्रेस ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। पूर्व उपाध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनिल सोनी ने इसे जनता के साथ बड़ा धोखा करार दिया है। उन्होंने कहा कि नगरपालिका बुनियादी सुविधाएं देने में पूरी तरह विफल रही है। नालियां चोक हैं और सफाई व्यवस्था ध्वस्त है। ऐसे में जनता पर नया टैक्स लादना सरासर नाइंसाफी है। कांग्रेस इस निर्णय को बर्दाश्त नहीं करेगी और इसके खिलाफ उग्र आंदोलन छेड़ा जाएगा। नगरपालिका के इस फरमान ने शहर के राजनीतिक पारे को गरमा दिया है। अब देखना यह होगा कि जनविरोध और विपक्ष के तीखे तेवरों के बीच क्या नगरपालिका अपने इस फैसले को वापस लेती है या फिर जनता की जेब पर यह अतिरिक्त भार पड़ना तय है।

जनपद पंचायत में सामान्य सभा की बैठक में हुआ उपद्रव

कटंगी(स्वतंत्र मत)

बालाघाट जिले की जनपद पंचायत कटंगी में सामान्य सभा की बैठक के दौरान जमकर उपद्रव हुआ है। जनपद सदस्य श्रीमती राजेश्वरी शारदा डहरवाल ने जनपद पंचायत अध्यक्ष कविता देशमुख और अपने तमाम जनपद पंचायत सदस्य साथियों की मौजूदगी में विरोध प्रकट करते हुए जनपद पंचायत की नई इमारत के भूमि पूजन समारोह के शिलालेख को तोड़ दिया। दरअसल, गत माह 19 मार्च को पंचायत एवं ग्रामीण विकास कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटले और क्षेत्रीय विधायक ने जनपद पंचायत की नई इमारत के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया था। इस दौरान शिलालेख में जनपद सदस्य श्रीमती राजेश्वरी डहरवाल का नाम गायब था। इसी बात से वह काफी नाराज थी। उन्होंने कहा कि शिलालेख में नाम ना हो एक जनपद सदस्य की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह कृत्य जानबूझकर किया गया। वहीं आज जब वह जनपद में सामान्य सभा की बैठक में शामिल होने के लिए पहुंची तो उन्होंने उस शिलालेख को तोड़ दिया जिसमें उनका नाम नहीं था। जनपद पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में शाम 05 बजे जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने जनपद पंचायत सीईओ गायत्री कुमार सारथी से जनपद पंचायत सदस्यों को सहयोग प्रदान करने के लिए कहा। जिला पंचायत अध्यक्ष ने राज्य और केंद्र सरकार की पंचायत के लिए बनाई जा रही नीतियों का विरोध किया और कहा कि आज जिला, जनपद और ग्राम पंचायत कोई भी कार्य अपने विवेक से नहीं करवा पा रही है।

मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह का भी उठा मुद्दा

सामान्य सभा की बैठक में जनपद सदस्यों ने हर माह होने वाले समितियों की बैठक नहीं होने पर भी नाराजगी जाहिर की है। जनपद सदस्य नेकेन्द्र चौहान ने कहा कि समितियों की बैठक नहीं होने से विभागीय कार्यों की समीक्षा नहीं हो पा रही है और विभागों की नियमित जानकारी नहीं मिल रही है। जिससे क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में विकास कार्य प्रभावित हो रहे है। जनपद सदस्य नितेश पुष्पतोड़े ने मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह निकाह योजना की तिथि को लेकर भी सवाल पूछा।

लोकतांत्रिक पद लोकतंत्र की नींव है : उच्च न्यायालय

आंजनबिहरी सरपंच को दिया स्थगन आदेश

कटंगी(स्वतंत्र मत)

बालाघाट जिले की जनपद पंचायत कटंगी की ग्राम पंचायत आंजनबिहरी के सरपंच दीपक पुष्पतोड़े को माननीय उच्च न्यायालय ने बुधवार को स्थगन आदेश जारी किया है। इस आदेश के बाद आंजनबिहरी में खुशी का माहौल है। ग्रामीण दीपक के घर पहुंचकर उन्हें बधाई दे रहे है। करीब 04 माह पूर्व बालाघाट कलेक्टर ने मध्य प्रदेश पंचायत राज और ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 40(1)(ए) के तहत अपने कर्तव्यों के निर्वहन में कदाचार का दोषी मानते हुए सरपंच दीपक पुष्पतोड़े का पद से पृथक करते हुए 06 वर्ष की अवधि तक किसी भी चुनाव के लिए अयोग्य माना गया था। दीपक पुष्पतोड़े ने कलेक्टर के इस फैसले के खिलाफ जबलपुर मंडल आयुक्त के समक्ष वैधानिक अपील दायर की थी। वहीं माननीय उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। जिस पर फैसला सुनाते हुए माननीय उच्च न्यायालय ने बेहद ही गंभीर टिप्पणी की है। जो एक नजीर के तौर पर देखा जा सकती है। माननीय उच्च न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ता यानी दीपक पुष्पतोड़े एक लोकतांत्रिक पद पर आसीन हैं, क्योंकि उन्हें ग्राम निवासियों द्वारा सरपंच के पद पर निर्वाचित किया गया है। भारत के संविधान के तहत, लोकतांत्रिक पद धारण करना और उससे हटाना हल्के में नहीं लिया जा सकता। किसी नागरिक द्वारा लोकतांत्रिक पद धारण करना न केवल लोकतंत्र की नींव है, बल्कि एक संवैधानिक अधिकार भी है। यदि मात्र तुच्छ कारणों से किसी व्यक्ति को ऐसे निर्वाचित पद से हटा दिया जाता है, तो इससे न केवल निर्वाचित व्यक्ति को, बल्कि देश में लोकतंत्र की नींव को भी अपूरणीय क्षति होगी। कलेक्टर ने विवादित आदेश पारित करते समय मामले की गंभीरता को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। दरअसल, दीपक पुष्पतोड़े पर आरोप यह था कि ग्राम पंचायत द्वारा गांव में सार्वजनिक निधि से कुछ दुकानें बनाई गई थीं और उन दुकानों को नियमों के अनुसार नीलामी या आवंटन प्रक्रिया का पालन किए बिना कुछ व्यक्तियों को उक्त दुकानों पर कब्जा करने की अनुमति दी थी।

अवैध रेत उत्खनन से सूख रहीं नदियां जल संकट का खतराः कंकर मुंजारे

देवी तालाब-मोती तालाब खतरे में, जल सरंक्षण अभियान गुमराह करने का जरिया

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले में लगातार बड़ रहे अवैध रेत उत्खनन को लेकर एक बार पुनः पूर्व सांसद कंकर मुंजारे मीडिया के समक्ष मुखर होते नजर आये और उन्होने ने नदीयों की स्थितियों पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने गुरुवार, 9 अप्रैल को दोपहर करीब 3:50 बजे सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि जिले की नदियों की स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है और यह हाल रहा तो आने वाले समय में जल संकट विकराल रूप ले सकता है। मुंजारे ने कहा कि इस कारोबार से जुडे लोगो को सीधे प्रशासन और सरकार का संरक्षण मिल रहा है जिससे माफियाओं के हौंसले इतने बुलंद है कि वे लोगो की जान तक लेने में आमादा हो जाते है। लांजी क्षेत्र में एक युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की गई और उसे पुल से नीचें फेंकने का प्रयास किया गया। मारपीट से घायल युवक जब बेहोश हो गया तो उसे मृत समझकर छोड दिया गया। इसके अलावा अन्य जिले में भी ऐसे वारदाते हा रही है। हाल ही में मुरैना में एक वनकर्मी को रेत माफियाओं ने कुचल कर मार डाला। शहडोल और भिंड में ही हिंसक घटनायें चुकी है। मुंजारे ने कहा कि बालाघाट जिले में रेत का अवैध उत्खनन हर साल आक्रामक होता जा रहा है और इसका क्षेत्र तेजी से बड़ रहा है, जिससे नदियों की स्थिति ऐसी हो गई है कि वे अब खेती और जल संरक्षण के लायक भी नहीं बची हैं। रेत उत्खनन का सीधा असर जल स्तर पर पड़ रहा है और पानी की समस्या अभी से बड़ने लगी है। आगे मुंजारे ने सरकार पर कटाक्ष मारते हुए कहा कि नदीयों की दशा बिगाड़ने के बाद अब सरकार द्वारा जलगंगा संवर्धन जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। सरकार के एक मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा ने पिछले साल बालाघाट के चौरीया गांव में पूजापाठ करके जल संरक्षण का संदेश दिया गया था, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह अपने ही क्षेत्र की नदियों को नहीं बचा पाए हैं, जबकि नर्मदा नदी की परिक्रमा करते हैं। यह जनता को भ्रमित करने और वाहवाही लूटने का प्रयास है। मुंजारे ने देवी तालाब और मोती तालाब के संरक्षण को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि शहर में इन महत्वपूर्ण जल स्त्रोतों की उपेक्षा की जा रही है और प्रभारी मंत्री उदयप्रताप राव मलाजखंड में बेलतालाब के संरक्षण की बात कहकर जनता को गुमराह कर रहे है। लेकिन जनता आखिर खामोश क्यों हैड़ अब समय आ गया है कि लोग सड़कों पर उतरें, नहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पीने के पानी के लिए भी तरसना पड़ेगा। पूर्व सांसद मुंजारे ने आगे कहा कि जब रेत खदानों के ठेकेदारों ने खदानें सरेंडर कर दी हैं और नदियां लगभग खाली हो चुकी हैं, तब पुलिस और माइनिंग विभाग कार्रवाई कर रहा है, जो केवल औपचारिकता है। बावनथड़ी, चनई, नर्मदा और सोननदी जैसी नदियों से व्यापक स्तर पर अवैध रेत उत्खनन किया गया है, जिससे उनका अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। अंत में उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि जैसे देश की आजादी के लिए जनता सड़कों पर उतरी थी, वैसे ही अब नदियों को बचाने के लिए भी आगे आना होगा। यदि अब भी लोग नहीं जागे, तो नदी का कटाव बड़ेगा और गर्मी में पानी का संकट और गहराएगा।

करेंट से हुई बाघिन की मौत मामले में आज हो सकता है खुलासा..!

उमरिया (स्वतंत्रमत)

वन विकास निगम के चंदिया रेंज में 07 वर्षीय बाघिन की करेंट से हुई संदिग्ध मौत का राज अब खुलने की कगार पर है।वन विभाग की जांच में अब साफ तौर पर ये खुलासा हुआ है कि बाघिन की मौत करंट लगने से ही हुई थी।इस सनसनीखेज मामले ने पूरे वन महकमे में हड़कंप मचा दिया है,वहीं शिकारी गिरोह पर भी शिकंजा कसता जा रहा है।दरअसल घटना सोमवार को वन विकास निगम के कक्ष क्रमांक पी-827 (111) बीट चंदिया के पास सामने आई थी,जहां 07 वर्षीय बाघिन का शव संदिग्ध हालत में मिला था।शुरुआती जांच के बाद वन विभाग ने इसे गंभीर वन अपराध मानते हुए आधा दर्जन से अधिक लोकल संदिग्धों से पूछताछ की है। सूत्रों के मुताबिक घटना स्थल से सटे ग्राम मझगवां के तीन से पांच आरोपी हिरासत में लिए जा सकते हैं,जबकि कुछ अन्य शिकारी अब भी रडार पर हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि करेंट से हुई बाघिन की मौत के बाद शिकारियों ने शव को घसीटकर दूसरे स्थान पर छिपाने की कोशिश भी की है,जिससे पूरे मामले ने और भी गंभीर मोड़ ले लिया है। एनटीसीए (नई दिल्ली) और मुख्य

वन्यजीव अभिरक्षक,भोपाल के निर्देश पर घटना स्थल के आसपास डॉग स्क्वॉड के साथ सघन तलाशी अभियान चलाया गया है।बीते सोमवार 07 अप्रैल को विशेषज्ञों ने पोस्टमार्टम कर सैंपल भी लिए और बाद में एनटीसीए गाइडलाइन के तहत मृत बाघिन का दाह संस्कार किया गया। वही सूत्रों के अनुसार आज शुक्रवार 10 अप्रैल को इस मामले से जुड़े 03 से 05 शिकारियों को हिरासत में लेकर वन विभाग अदालत में पेश कर सकता है,बाकी शिकारियों की गिरफ्तारी के लिए इन गिरफ्तार आरोपियों की रिमांड भी मांगी जा सकती है। बीते सोमवार 6 अप्रैल को मिले बाघिन के शव की हालत देख ये साफ तौर पर कहा जा सकता है कि बाघिन की मौत हफ्ते भर पहले ही हो चुकी थी,यानी शिकारियों ने इस पूरी घटना को पहले ही अंजाम दे दिया था लेकिन विभाग को न तो बाघ की गंध मिली न ही शिकारियों की भनक.!

तालाब में डूबने से दो मासूम बच्चियों की मौत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले के लालबर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बहेगांव में गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां मोक्षधाम के समीप स्थित बगदेही तालाब में डूबने से दो मासूम बच्चियों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 वर्षीय प्रतिभा यादव और 12 वर्षीय प्रिंसि यादव गांव की एक अन्य 5 वर्षीय बच्ची के साथ तालाब की ओर गई थीं। इसी दौरान तालाब के पास बने एक गहरे गड्ढे के समीप उनका पैर फिसल गया और वे अनियंत्रित होकर गहरे पानी में जा गिरीं। जहां तालाब में डूबने से दो बच्चीयों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी गई। लालबर्रा थाना पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर दोनों बच्चियों के शव बरामद किए और पंचनामा कार्रवाई के बाद उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में हादसा तालाब के पास बने गहरे गड्ढे के कारण होना बताया जा रहा है। इस दुखद घटना के बाद से मृतक बच्चियों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक का माहौल व्याप्त हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तालाब क्षेत्र में सुरक्षा इंतजाम करने और खतरनाक गड्ढों को भरवाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

अवैध मुरूम उत्खनन पर कार्रवाई.. तहसीलदार ने ट्रैक्टर-ट्रॉली किया जब्त

उमरिया (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के निर्देशानुसार जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार 8 अप्रैल को तहसीलदार बांधवगढ़ दिलीप सोनी ने ग्राम भरौली के भ्रमण के दौरान अवैध मुरूम उत्खनन पर सख्त कार्रवाई की।निरीक्षण के दौरान शासकीय आराजी खसरा नंबर 32/1, रकबा 9.020 हेक्टेयर के एक हिस्से में ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से मुरूम का अवैध उत्खनन करते हुए पाया गया। मौके पर ही मुरूम से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर उत्खनन स्थल का मापन कराया गया।जप्त ट्रैक्टर-ट्रॉली में लगभग 3 घनमीटर मुरूम पाया गया, जिसे भरौली चौकी में सुपुर्द कर दिया गया है। वहीं शासकीय भूमि से कुल 36.99 घनमीटर मुरूम के अवैध उत्खनन का प्रकरण तैयार कर अग्रिम कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।यह कार्रवाई राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन के विरुद्ध अभियान आगे भी इसी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन, जिला उमरिया ने डीटीएबी के निर्णय के विरोध में सौंपा ज्ञापन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

एम.पी. फार्मासिस्ट एसोसिएशन, जिला उमरिया द्वारा गुरुवार 9 अप्रैल को उमरिया तहसीलदार के माध्यम से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड (डीटीएबी) के हालिया निर्णय का कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। एसोसिएशन ने बताया कि दिनांक 16 फरवरी 2026 को आयोजित क्ज्ठ की 93वीं बैठक में सक्षम व्यक्ति की योग्यता को कमजोर करने हेतु औषधि एवं प्रसाधन नियम, 1945 के नियम 64 में संशोधन का प्रस्ताव रखा गया है, जो फार्मासिस्ट समुदाय एवं जनस्वास्थ्य दोनों के लिए हानिकारक है। ज्ञापन में कहा गया कि आधुनिक दवाएं अत्यंत संवेदनशील होती हैं, जिनके दुष्प्रभाव एवं दुरुपयोग की संभावना रहती है। ऐसे में पंजीकृत फार्मासिस्ट के स्थान पर अन्य व्यक्तियों को दवा संचालन एवं विक्रय की अनुमति देना मरीजों की सुरक्षा के साथ गंभीर खिलवाड़ होगा। एसोसिएशन ने यह भी स्पष्ट किया कि यह प्रस्ताव विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) एवं अंतरराष्ट्रीय फार्मास्युटिकल महासंघ (एफआईपी) के (जीपीपी) मानकों के विपरीत है, जो सुरक्षित एवं जिम्मेदार दवा उपयोग को सुनिश्चित करते हैं। यह भी उल्लेख किया गया कि देश में 35 लाख से अधिक पंजीकृत फार्मासिस्ट उपलब्ध हैं, जिनमें से बड़ी संख्या बेरोजगार या अल्प-रोजगार की स्थिति में है। ऐसे में इस प्रकार का निर्णय फार्मासिस्टों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। डीटीएबी के प्रस्तावित संशोधन को पूर्णतः निरस्त किया जाए। होलसेल दवा व्यापार में फार्मासिस्ट की अनिवार्यता सुनिश्चित की जाए। प्रतिबंधित लाइसेंस' की व्यवस्था को समाप्त किया जाए। अंत में एसोसिएशन ने केंद्र सरकार से इस प्रस्ताव को तत्काल वापस लेने एवं जनहित में उचित निर्णय लेने की मांग की है।

रेड क्रॉस सोसायटी ने थामा कैंसर पीड़ित दंपत्ति का हाथ, एम्स भोपाल में होगा इलाज

रेडक्रास सोसायटी से उपलब्ध कराई गई पांच हजार रूपये की सहायता

उमरिया (स्वतंत्रमत)

समाज के सबसे कमजोर और जरूरतमंद वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की शाखा उमरिया द्वारा एक सराहनीय और मानवीय पहल की गई है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे एक दंपत्ति को न केवल आर्थिक सहायता प्रदान की गई, बल्कि उनके बेहतर इलाज के लिए उच्चस्तरीय चिकित्सा संस्थान में व्यवस्था भी सुनिश्चित की रेड क्रॉस सोसायटी की इस पहल को जिले में मानव सेवा के उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है। उमरिया जिले के वार्ड क्रमांक 13 निवासी दंपत्ति लंबे समय से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। पति-पत्नी दोनों का इलाज चल रहा है, लेकिन सीमित आय और संसाधनों की कमी के कारण इलाज, यात्रा, दवा और दैनिक जरूरतों को पूरा करना उनके लिए बेहद कठिन हो गया था। बीमारी के साथ-साथ आर्थिक संकट ने स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया था, जिससे समय पर और बेहतर इलाज मिल पाना चुनौती बन गया था। ऐसे संवेदनशील समय में रेड क्रॉस सोसायटी शाखा उमरिया ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए दंपत्ति की सहायता के लिए तत्काल कदम उठाते हुए पांच हजार रूपये की आर्थिक सहायता कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के हाथो दिलाई गई । रेड क्रॉस सोसायटी के सतत प्रयासों और समन्वय से अब इस दंपत्ति का इलाज देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस भोपाल में सुनिश्चित किया गया है। एम्स भोपाल में इलाज मिलने से मरीजों को विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी और उन्नत चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिलेगा, जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार की संभावना बढ़ेगी। रेड क्रॉस सोसायटी ने केवल तत्काल सहायता तक ही सीमित न रहते हुए दीर्घकालिक समाधान पर भी कार्य किया। संस्था के प्रयासों से पीड़ित दंपत्ति को आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिलाया गया। इस योजना के तहत अब उनका इलाज कम खर्च या निःशुल्क हो सकेगा, जिससे आर्थिक बोझ काफी हद तक कम हो जाएगा। यह कदम उनके लिए जीवन रक्षक साबित हो सकता है। इस दौरान रेड क्रॉस सोसायटी शाखा उमरिया के अध्यक्ष एवं कलेक्टर धरणेंद्र कुमार जैन, सचिव राकेश शर्मा, जूनियर रेडक्रॉस मध्य प्रदेश के अध्यक्ष मान सिंह ,सभापति अखिलेश त्रिपाठी उपस्थित रहे ।

खुश खबर... खुश खबर... खुश खबर

नये बाजार का शुभारंभ

ग्राम पंचायत सादाबोड़ी, तह. तिरोड़ी

हर नया कदम नई खुशी का शुभारंभ होने जा रहा है। 12 अप्रैल 2026 दिन रविवार के शुभ अवसर पर ग्राम सादाबोड़ी में ग्राम पंचायत के सामने हर रविवार को साप्ताहिक बैठकी बाजार भराने का निश्चित किया गया है। अतः इस नई शुरूआत के मौके पर आपका आना हमें निश्चित रूप से खुशी देगा, आप इस बाजार में हर रविवार सादर आमंत्रित हैं।

नोटः- रविवार को जो भी दुकानदार दुकान लेकर आता है तो उसे सांत्वना पुरस्कार दिया जावेगा।

-:: उदघाटनकर्ता ::-

श्रीमती कविताबाई अरविंद देशमुख

जनपद अध्यक्ष कटंगी

-:: मुख्य अतिथि ::-

मनोज बोपचे- जनपद सदस्य

दयानंद धुर्वे- सरपंच बम्हनी

मोहम्मद शाकिप- निमटोला

ज्ञानिराम आहके- पंच चाकाहेटी

जितेन्द्र हरिचंद नेवारे

सरपंच

श्रीमती गिताबाई राधेश्याम झोड़े

उपसरपंच

-:: स्थाई पटेल ::-

भीम भारती, विजय भारती

ग्राम पंचायत सादाबोड़ी के समस्त ग्राम वासी

पोषण पखवाड़ा में हुए कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

रानी अवंती बाई वार्ड में पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ बड़े उत्साह और जनसहभागिता के साथ किया गया। इस अवसर पर वार्ड में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाएं वार्ड की महिलाएं स्कूली बच्चे एवं सेक्टर सुपरवाइजर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल हुए। रैली के माध्यम से लोगों को पोषण के महत्व के प्रति जागरूक किया गया तथा स्वस्थ आहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया प्रतिभागियों ने नारे लगाकर और तख्तियां लेकर लोगों को कुपोषण से बचाव, संतुलित आहार, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को पोषण पखवाड़ा के तहत आयोजित होने वाली आगामी गतिविधियों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। इस आयोजन ने वार्ड में स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रेलवें सलाहकार समिति गठित

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

दक्षिण पूर्व रेलवे के नागपुर मंडल द्वारा मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन के लिए पहली बार एक पांच सदस्यीय सलाहकार समिति का गठन किया गया है। इस संबंध में मंडल कार्यालय से विधिवत सूची जारी कर दी गई है जिससे स्थानीय स्तर पर रेलवे सेवाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है जारी सूची के अनुसार समिति में सुधीर कसार, विवेक अग्निहोत्री, अभिनव सिहारे, नीरज कांड्रा तथा रेणुका परमार को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। समिति का कार्यकाल दिसंबर 2027 तक प्रभावशील रहेगा यह समिति रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के उन्नयन, स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने सुरक्षा उपायों को बेहतर बनाने तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में सुधार हेतु अपने सुझाव देगी साथ ही यह समिति स्थानीय नागरिकों और रेलवे प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी रेलवे अधिकारियों के अनुसार इस पहल से दक्षिण पूर्व रेलवे के अंतर्गत आने वाले इस स्टेशन पर यात्रियों को बेहतर अनुभव उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। स्थानीय स्तर पर समस्याओं की पहचान कर उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने में यह समिति सहायक सिद्ध होगी।

पुलिस बैंड भर्ती पर प्रचार-प्रसार

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश में पुलिस बैंड भर्ती 2026 के प्रचार-प्रसार को लेकर पुलिस द्वारा एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रेडक्रॉस परिसर में आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को भर्ती प्रक्रिया के प्रति जागरूक कर उन्हें आवेदन करने प्रेरित करना था पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में 6वीं बटालियन विशेष सशस्त्र बल के पुलिस बैंड ने अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया बैंड दल द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत धुनों ने पूरे वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया और उपस्थित युवाओं में उत्साह एवं जोश का संचार किया कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारियों ने युवाओं को मध्यप्रदेश पुलिस आरक्षक (बैंड) भर्ती 2026 की संपूर्ण प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने भर्ती के विभिन्न चरणों आवश्यक योग्यता, आवेदन प्रक्रिया और चयन के अवसरों के बारे में बताते हुए अधिक से अधिक युवाओं को आवेदन करने के लिए प्रेरित किया भर्ती से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी इस प्रकार है पदों की संख्या- 679 आरक्षक - बैंड आवेदन प्रारंभ तिथि 5 अप्रैल 2026 आवेदन की अंतिम तिथि 19 अप्रैल 2026 इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा, रक्षित निरीक्षक सुनील नागवंशी, यातायात थाना प्रभारी ललित धुर्वे, सूबेदार योगेश राजपूत एवं सूबेदार विवेक सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी, आमजन एवं 6वीं बटालियन पुलिस बैंड के सदस्य उपस्थित रहे।

कल आएंगे जालम सिंह पटेल

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश शासन के पूर्व राज्यमंत्री एवं अखिल भारतीय लोधी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष जालम सिंह पटेल का कल 11 अप्रैल को मंडला आगमन हो रहा है। लोधी क्षत्रिय समाज के जिला मीडिया प्रभारी मंगल सिंह ठाकुर ने बताया कि राजा हिरदेशाह लोधी शौर्य यात्रा का विशाल आयोजन भोपाल के जंबूरी मैदान में होने जा रहा है इसी परिपेक्ष्य एवं अन्य समाजिक विषयों पर चर्चा करने श्री पटेल जिले में आयोजित लोधी क्षत्रिय समाज एवं आलोक संघ की बैठक में दोपहर 12:30 बजे माहिष्मती घाट के गोंडी पब्लिक ट्रस्ट भवन पर शिरकत करेंगे साथ ही उक्त बैठक में जबलपुर हाईकोर्ट के अधिवक्ता रामेश्वर ठाकुर एवं पूर्व जनपद अध्यक्ष जबलपुर संजय पटेल भी मौजूद रहेंगे समाज के जिलाध्यक्ष कन्हैया ठाकुर एवं आलोक संघ के अध्यक्ष राजेश लोधी द्वारा सामाजिक बंधुओ से अधिकाधिक संख्या में उक्त बैठक पर सम्मिलित होने का आग्रह किया गया है।

साइबर अपराधियों का नया खेल : कहा- हैलो सर! आपके खाते में धोखे से पैसे ट्रांसफर हो गए हैं, दो मामलों में हजारों की ठगी

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

डिजिटल युग में जहां ऑनलाइन लेन-देन ने लोगों की जिंदगी आसान बना दी है वहीं साइबर अपराधियों ने भी ठगी के नए-नए तरीके ईजाद कर लिए हैं। अब ठग न तो सीधे धमकी दे रहे हैं और न ही पारंपरिक तरीकों से लोगों को डराकर पैसा ऐंठ रहे हैं बल्कि वे लोगों की ईमानदारी और विश्वास का फायदा उठाकर उन्हें ठगी का शिकार बना रहे हैं। जिले में हाल ही में सामने आए दो मामलों ने इस नए साइबर फ्रॉड के ट्रेंड को उजागर कर दिया है जिसमें गलती से पैसे ट्रांसफर का बहाना बनाकर लोगों से रकम ऐंठी जा रही है।

मंडला में दो मामले आए सामने

जिले में साइबर सेल को हाल ही में इस तरह की ठगी की दो अलग-अलग शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिनमें पीड़ितों को हजारों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। पहला मामला एक स्थानीय दुकानदार से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार दुकानदार को एक अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया जिसने खुद को ग्राहक बताते हुए सामान खरीदने की बात कही। बातचीत के दौरान ठग ने कहा कि उसने गलती से दुकानदार के खाते में ज्यादा पैसे ट्रांसफर कर दिए हैं। ठग ने इसके समर्थन में एक फर्जी मैसेज और स्क्रीनशॉट भी भेजा जिसमें 50 हजार रुपये अधिक ट्रांसफर होने का दावा किया गया था। दुकानदार ने बिना अपने बैंक खाते की पुष्टि किए ही ठग के बताए खाते में रकम वापस कर दी। बाद में जब उसने बैंक स्टेटमेंट चेक किया तो उसे पता चला कि उसके खाते में कोई अतिरिक्त राशि आई ही नहीं थी। तब तक बहुत देर हो चुकी थी और वह ठगी का शिकार बन चुका था। दूसरा मामला एक बैंक कर्मचारी महिला से संबंधित है। महिला को भी इसी तरह का कॉल आया जिसमें ठग ने दावा किया कि गलती से उसके खाते में 9 हजार रुपये ट्रांसफर हो गए हैं। महिला को भी एक फर्जी स्क्रीनशॉट भेजा गया। बिना पर्याप्त जांच के महिला ने भी रकम वापस कर दी और बाद में उसे एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हो चुकी है।

क्या है ठगी का नया तरीका

साइबर अपराधियों का यह तरीका बेहद शातिर और मनोवैज्ञानिक रूप से प्रभावी है। ठग पहले किसी व्यक्ति को कॉल करते हैं और बेहद विनम्रता से बातचीत शुरू करते हैं। वे बताते हैं कि उन्होंने गलती से संबंधित व्यक्ति के बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर कर दिए हैं और अब वे विनती करते हैं कि कृपया वह रकम वापस कर दी जाए। इसके बाद ठग अपने झांसे को मजबूत करने के लिए व्हाट्सएप या एसएमएस के जरिए एक फर्जी स्क्रीनशॉट भेजते हैं जिसमें यह दिखाया जाता है कि पैसे ट्रांसफर हो चुके हैं। स्क्रीनशॉट देखने के बाद कई लोग बिना बैंक खाते की जांच किए ही रकम वापस कर देते हैं और यहीं वे ठगी का शिकार हो जाते हैं।

क्यों सफल हो रहा है तरीका

विशेषज्ञों के अनुसार यह ठगी का तरीका इसलिए ज्यादा प्रभावी साबित हो रहा है क्योंकि यह सीधे तौर पर लोगों की ईमानदारी और सामाजिक जिम्मेदारी को निशाना बनाता है। अधिकांश लोग यह सोचकर तुरंत पैसे वापस कर देते हैं कि कहीं वे किसी की मेहनत की कमाई अपने पास न रख लें। साथ ही फर्जी स्क्रीनशॉट और मैसेज इतने वास्तविक लगते हैं कि आम व्यक्ति के लिए उन्हें पहचान पाना मुश्किल हो जाता है। ठग इस बात का पूरा फायदा उठाते हैं और लोगों को जल्दबाजी में निर्णय लेने के लिए प्रेरित करते हैं।

पुलिस की अपील दी हिदायत

मामले की गंभीरता को देखते हुए मंडला पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने आम नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि किसी भी अनजान कॉल या मैसेज पर तुरंत भरोसा न करें चाहे सामने वाला व्यक्ति कितना ही विश्वसनीय क्यों न लगे। पुलिस का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति दावा करता है कि उसने गलती से आपके खाते में पैसे ट्रांसफर कर दिए हैं तो सबसे पहले अपने बैंक अकाउंट का स्टेटमेंट चेक करें। केवल स्क्रीनशॉट या मैसेज के आधार पर कभी भी पैसे वापस न करें। इसके अलावा यदि आपके खाते में वास्तव में कोई अनजान रकम आती है तो भी सीधे पैसे वापस करने के बजाय अपने बैंक या संबंधित शाखा से संपर्क करें और उनकी सलाह के अनुसार ही आगे की कार्रवाई करें।

साइबर सेल की भूमिका

मंडला साइबर सेल इन मामलों की जांच में जुटी हुई है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि ठग अलग-अलग मोबाइल नंबरों और फर्जी डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं जिससे उनकी पहचान करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के मामलों में अक्सर ठग दूसरे राज्यों या यहां तक कि विदेशों से भी ऑपरेट करते हैं। वे वर्चुअल नंबर और फर्जी आईडी का इस्तेमाल करते हैं जिससे ट्रेस करना मुश्किल हो जाता है।

सतर्क रहें करें जानकारी पुष्टि

मंडला में सामने आए ये दोनों मामले इस बात का संकेत हैं कि साइबर अपराधी अब पहले से ज्यादा चालाक और मनोवैज्ञानिक तरीके अपना रहे हैं। गलती से पैसे ट्रांसफर जैसी साधारण लगने वाली बात भी एक बड़े फ्रॉड का हिस्सा हो सकती है। ऐसे में जरूरी है कि लोग सतर्क रहें हर जानकारी की पुष्टि करें और किसी भी स्थिति में जल्दबाजी में आर्थिक लेन-देन न करें। याद रखें आपकी एक छोटी सी सावधानी आपको बड़ी आर्थिक हानि से बचा सकती है। साइबर अपराध के इस बदलते दौर में जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है।

महिला महाविद्यालय में कैरियर काउंसलिंग आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

शासकीय जगन्नाथ मुन्नालाल चौधरी महिला महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत टीपीओ डॉ. प्रदीप सोनी के संयोजन संचालन में तथा संरक्षक व प्राचार्य प्रो.शरद नारायण खरे के मार्गदर्शन तथा डॉ एसपी धूमकेती जिला नोडल अधिकारी के दिशा निर्देश में स्टार्टअप दिवस, उद्यमिता,प्लेसमेंट कार्यक्रम स्वास्तिक केयर प्रशिक्षण, कैरियर मार्गदर्शन आदि विषयों पर एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजन किया गया जिसमें गोकुलदास एक्सपोर्ट लिमिटेड कंपनी बंगलौर की खास भागीदारी रही कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद कार्यक्रम-संयोजक डॉ प्रदीप सोनी ने आयोजन की रूपरेखा पर प्रकाश डाला तत्पश्चात एक-एक करके आमंत्रित विशेषज्ञों ने अपने-अपने विषयों पर शानदार पावर पोइंट प्रजेंटेशन दिया सबसे पहले गोकुलदास एक्सपोर्ट लिमिटेड कंपनी बंगलौर के स्किल मैनेजर महेंद्र कुमार यादव ने अपनी कंपनी की कार्यप्रणाली व उसमें प्लेसमेंट के अवसरों का खुलासा किया। उनका सहयोग किया प्रियंका बरकड़े मैनेजर ने फिर योगेंद्र जाटव डायरेक्टर सृष्टि सोशल वेलफेयर फाउण्डेशन ने कैरियर काउंसलिंग व स्टार्ट अप सम्बंधी उपयोगियां जानकारियां प्रस्तुत की श्रीमती अनुराधा सोनी सुकन्या स्वास्तिक केयर जिला प्रशिक्षक ने महिला स्वास्थ्य विषयक अत्यंत उपयोगी जानकारियां प्रस्तुत की।

महाविद्यालय के डीके रोहितास ने महिला आर्थिक आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए उनमें जज्बा पैदा किया। डॉ एसपी धूमकेती ने स्टार्ट अप व व्यवसाय में अंतर बताते हुए अनेक रोजगार परक जानकारियां पेश कीं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर शरद नारायण खरे ने मप्र शासन की कैरियर काउंसलिंग नीति की प्रशंसा करते हुए कहा कि संकल्प, संघर्ष और लगातार कोशिश करते रहने से ही मंजिल मिलती है। इस दौरान डॉ आराधना दुबे, डॉ अंजली पंड्या, सुश्री पूजा टेमरे,डा अंजुसिंह, विजया श्याम, सावित्री उरैती, साक्षी यादव सहित समस्त स्टाफ की उपस्थिति रही।

णमोकार महामंत्र दिवस मनाया

मण्डला(स्वतंत्रमत)। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में विश्व णमोकार महामंत्र दिवस मनाया गया। प्रारंभ में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के तैल्यचित्र पर अनावरण समाज की कमेटी और सचिन जैन मुख्य अतिथि डिप्टी कलेक्टर ने दीप प्रज्ज्वलित किया और मंगलाचरण श्रीमति मीना जैन अध्यक्ष महिला मंडल ने किया।

विश्व शांति के लिए और एकता के लिए इस मंत्र को प्राकृत भाषा में लिखा गया है इस मंत्र में पांच पद 35 अक्षर और 58 मात्राऐं हैं इसमें पंच परमेष्ठी को नमस्कार किया गया है इस मंत्र को कहीं से भी पढ सकते है इसके हर अक्षर में मंत्र मंत्र समाहित है यह मंत्र बहुत ही शक्तिशाली है विश्व के 108 से अधिक देशो मे प्रात: काल 8:15 बजे से 9:30 बजे तक सामूहिक रूप से एकत्रित होकर महामंत्र णमोकार का पाठ विश्व कल्याण की पवित्र भावना के उद्देश्य को लेकर किया गया है।

विभाग हटा रहा विद्युत पोल

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर की पहल पर शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। नेहरू स्मारक से बिंझिया तिराहा तक सड़क चौड़ीकरण कार्य में बाधा बन रहे 11 केवी एवं एलटी विद्युत पोलों को हटाने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है यह कार्य कलेक्टर के निर्देशानुसार किया जा रहा है। नगर पालिका द्वारा भुगतान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी एमपीईबी द्वारा तत्काल कार्यादेश जारी किया गया। इसके तहत निर्धारित स्थानों से विद्युत पोलों को शिफ्ट करने की कार्रवाई शुरू की गई जिसे एक-दो दिनों में पूर्ण कर लिया जाएगा ।

महिलाओं ने किया सुहागली पूजन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। आदर्श चौरसिया महिला मंच द्वारा सामूहिक सुहागले पूजन कार्यक्रम किया गया। वैशाख माह में सुहागले पूजन का सामूहिक आयोजन सांई कृपा भवन में आयोजित हुआ। इस आयोजन में सैकड़ो महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय मंत्री अंजना चौरसिया और मंच अध्यक्ष रिंकू रमन चौरसिया के नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष ममता चौरसिया के मार्गदर्शन में किया। कार्यक्रम को एकरूपता और सरलता देने के उद्देश्य से 14 टीम लीडर तैयार किए गए थे जिन्होंने अपनी ओर से 7-7 महिलाओं को आमंत्रित किया था। इस

तरह बड़े रूप में महिलाएं एकत्रित हुई और श्रृद्धा पूर्वक उन्होंने पूजन किया। वैशाख की महत्व को देखते हुए महिलाओं ने सत्तू और शक्कर बांटे। तत्पश्चात सभी ने भोजन प्रसादी ग्रहण किया। बता दें कि प्रदेश अध्यक्ष ममता चौरसिया के नेतृत्व में एक साथ मध्यप्रदेश के कई जिलों में यह सुहागले पूजन का कार्यक्रम रखा गया। संगठन मंत्री अनुपमा चौरसिया कोऑर्डिनेट कर रही हैं। मंडला के साथ-साथ सतना, नीमच, इटारसी, जबलपुर, सिवनी, परासिया, चौरई, बम्हनी, गंजबासौदा आदि जिले में एक साथ इसी तरह की पूजा का आयोजन किया गया। इस दौरान वर्षा चौरसिया, पूजा चौरसिया, संजू चौरसिया, राखी चौरसिया, ज्योत्सना चौरसिया, हिना चौरसिया, आकृति चौरसिया, अर्पिता चौरसिया, रिंकू चौरसिया, किरण मोदी, शमां चौरसिया, शिवानी चौरसिया, आरती चौरसिया, शिखा श्रीवास्तव, पूजा ज्योतिषी आदि का योगदान रहा।

होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। डॉ. सैमुअल हैनिमैन की जयंती के अवसर पर विश्व होम्योपैथिक दिवस के उपलक्ष्य में आज एक विशेष होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर प्रात: 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक महिष्मति घाट में आयोजित किया जा रहा है यहां पर सभी प्रकार की बीमारियों का उपचार होम्योपैथिक पद्धति से किया जाएगा।

पोषण पखवाड़ा को लेकर बैठक सम्पन्न

मण्डला/मवई (स्वतंत्रमत)। ग्राम पंचायत भीमडोंगरी में महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना मवई के अंतर्गत पोषण पखवाड़ा 9 से 23 अप्रैल के अवसर पर सेक्टर खलौड़ी की बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जीवन के पहले 6 वर्षों में मस्तिष्क के अधिकतम विकास विषय पर जागरूकता बढ़ाना रहा। बैठक में सीएचओ उर्वशी सनोडिया द्वारा स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी दी गई। वहीं पर्यवेक्षक श्रीमती कमली परस्ते ने विभाग में संचालित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। इस दौरान पोषण स्वच्छता टीकाकरण बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक विकास तथा 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए खेल आधारित शिक्षा पर विशेष चर्चा की गई। साथ ही परिवार एवं समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से जनपद सदस्य अनंत सिंह राठौर, हनुमान जाट, पर्यवेक्षक श्रीमती कमली परस्ते, इंजी. राजीव खोपरागढ़े, सचिव जयसिंह धुर्वे, रोजगार सहायक गुलाब उईके आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

आपत्तिजनक फोटो के मामले में केस दर्ज

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। मोहगांव थाना क्षेत्र में 23 वर्षीय युवती को शादी का झांसा देकर न केवल उसके साथ शारीरिक शोषण किया गया बल्कि उसके निजी और आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित भी किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बनियातारा निवासी युवती की पहचान वर्ष 2024 में मोबाइल के माध्यम से सिवनी जिले के छीतापार निवासी दीपक अहिरवार से हुई थी। बातचीत धीरे-धीरे नजदीकी में बदल गई और आरोपी ने युवती को शादी का भरोसा दिलाया। इसी झांसे में आकर युवती आरोपी के बुलावे पर उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर पहुंच गई यहां आरोपी ने उसे करीब चार महीने

तक अपने साथ रखा और शादी का वादा करते हुए उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसी दौरान आरोपी ने युवती की जानकारी और सहमति के बिना उसके अश्लील फोटो और वीडियो भी बना लिए आरोप है कि 16 मार्च से 28 मार्च 2026 के बीच आरोपी लगातार युवती का पीछा करता रहा। 28 मार्च को उसने युवती के आपत्तिजनक फोटो उसके रिश्तेदारों को भेजकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए जिससे युवती और उसके परिवार को भारी सामाजिक और मानसिक आघात पहुंचा। जानकारी के मुताबिक 7 मार्च 2026 को भी आरोपी के खिलाफ इसी तरह की शिकायत दर्ज की गई थी उस समय पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा था लेकिन बाद में वह जमानत पर रिहा हो गया। जमानत पर छूटने के बाद उसने फिर से इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 78(1)(आईआई)(आईआईआई) के तहत मामला दर्ज किया है जो धोखे से शारीरिक संबंध बनाने से संबंधित है। इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(ई) (निजता का उल्लंघन), 67 (अश्लील सामग्री का प्रकाशन) और 67(ए) (यौन स्पष्ट सामग्री का प्रसारण) के तहत भी प्रकरण दर्ज किया गया है।

इनका कहना -

युवती की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी पहले भी इस प्रकार के अपराध में जेल जा चुका है। जमानत पर रिहा होने के बाद उसने दोबारा अपराध किया है जिसे गंभीरता से लिया गया है।

रजत सकलेचा
पुलिस अधीक्षक मंडला

संपादकीय

बीजेपी का अंबेडकरवाद

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी अपनी सोशल इंजीनियरिंग को दुरुस्त करने में जुट गई है। बीजेपी ने दलित समुदाय तक अपनी पहुंच बढ़ाने में जुट गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को यूपी में डा. भीमराव अंबेडकर की मूर्तियों के ऊपर छतरियां लगाने का ऐलान तो दूसरे दिन नोएडा अथॉरिटी ने नोएडा में बने दलित प्रेरणा स्थल की मरम्मत के लिए 107 करोड़ रुपये खर्च करने की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह से तरह अंबेडकर की मूर्ती की सुरक्षा की याद आई है और नोएडा प्राधिकरण दलित प्रेरण स्थल की सुध लेने लगा है, उसे बीजेपी की एक व्यापक राजनीतिक मुहिम का हिस्सा माना जा रहा है। बीजेपी की रणनीति दलित अस्मिता और सामाजिक न्याय से जुड़े महापुरुषों के जरिए अपने सियासी समीकरण को मजबूत करने की है। इस तरह से बीजेपी अपने दलित नैरेटिव को और मजबूत करने की है ताकि 2027 में दलित समुदाय के दिल में अपनी जगह बना सके।

उत्तर प्रदेश में राजनीतिक दलों की निगाहें उस 22 फीसदी दलित वोटबैंक पर है, जिसके सहारे मायावती चार बार मुख्यमंत्री रहीं। दलित समाज में सियासी चेतना जगाने वाले बसपा संस्थापक कांशीराम को सहारे सपा से लेकर कांग्रेस और बीजेपी तक अपने राजनीतिक समीकरण को दुरुस्त करने में जुटी हैं, क्योंकि मायावती का सियासी आधार यानि दलित वोटबैंक लगातार खिसकता जा रहा है। ऐसे में सभी पार्टियां दलित मतदाताओं को लुभाने की कवायद में जुटी है। चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व वाली आजाद समाज पार्टी ने पहले ही मायावती के राजनीतिक गुरु कांशीराम की विरासत पर अपना दावा ठोक दिया है तो कई दलित पार्टियां भी सियासी किस्मत आजमाने के लिए बेताब हैं। कांग्रेस और सपा की नजर भी दलित वोटों पर ही टिकी हुई हैं, जिसके दम पर 2024 के चुनावी फिजा का रुख बदल दिया था। अब दलित-मुस्लिम और अतिपिछड़े वर्ग के वोटबैंक के जरिए 2027 में सपा सत्ता में वापसी करना चाहती है। सपा की नजर पूरी तरह से दलित वोटों पर है, जिसके लिए कांशीराम की प्रयोगशाला से निकले हुए तमाम बसपा नेताओं को अपने साथ मिलाया है और उनके जरिए दलितों के विश्वास जीतने की कोशिश कर रहे हैं। यही वजह है कि बीजेपी भी दलितों को साधने की कवायद में जुट गई है।

अखिलेश यादव के विनिंग फार्मूले पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) से 2024 में बीजेपी मात खा चुकी है। यूपी की 80 लोकसभा सीट में से सपा 37 सीटें जीती तो बीजेपी 33 सीट पर सिमट गई थी। इसका ही नतीजा था कि बीजेपी बहुमत के आंकड़े से दूर रह गई और सहयोगी दलों के सहारे केंद्र में सरकार बनानी पड़ी। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले योगी सरकार द्वारा दलित प्रेरणा स्थलों की सुध लेना, दलित वोट बैंक को सीधे साधने, बीएसपी के जनाधार में सेंध लगाने और विपक्षी सपा-बसपा गठबंधन की संभावनाओं को रोकने की एक सोची-समझी राजनीतिक रणनीति है। यह कदम दलितों के मसीहाओं का सम्मान कर उन्हें भाजपा के विकास और राष्ट्रवाद के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास है। यही वजह है कि लंबे समय से नोएडा के सेक्टर-95 में बने दलित प्रेरण के लिए सरकार अपना खजाना चुनाव से पहले खोल दिया है। योगी सरकार इन पार्कों के रखरखाव के माध्यम से दलित समुदाय के बीच एक सकारात्मक संदेश देना चाहती है। बसपा द्वारा इन स्मारकों को दलित अस्मिता से जोड़े जाने के कारण, इनके रखरखाव को दलितों के सम्मान से भी जोड़कर देखा जाता रहा है।

परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की ऐतिहासिक सफलता

मृत्युंजय दीक्षित

पश्चिमी एशिया युद्ध और तनाव के मध्य भारत ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र मे आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। भारत ने तमिलनाडु के कलपक्कम स्थित परमाणु ऊर्जा संयंत्र में क्रिटिकैलिटी प्राप्त कर ली है। अब रूस के बाद भारत दूसरा ऐसा देश बन गया है जहां ऑटो मोड में परमाणु चेन रिएक्शन प्रारंभ हो गया है। यह सपना महान वैज्ञानिक स्वर्गीय होमी जहांगीर भाभा का थो जो अब पूर्ण हुआ है।वैज्ञानिकों की यह सफलता भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में सहायता देगी। यह 2070 के नेट जीरो लक्ष्य की ओर बड़ा कदम है।

अगर यह कार्य सफलता पूर्वक आगे बढ़ता रहा तो भारत जल्द ही पारंपरिक जीवाश्म ईंधन से ऊर्जा बनाने की जगह स्वच्छ अक्षय ऊर्जा बनाने के लिए तैयार हो जाएगा। भारत के 500 मेगावाट क्षमता वाले प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के प्रथम क्रिटिकैलिटी स्तर पर पहुंचने के बाद सरकार ने कहा कि फास्ट ब्रीडर रिएक्टर उच्च तापीय दक्षता के साथ विश्वसनीय, कम कार्बन उर्त्सजन वाली बेस लोड बिजली आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नियंत्रित परमाणु विखंडन श्रृंखला प्रतिक्रिया की शुरूआत का यह मील का पत्थर देश को दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और स्वदेशी परमाणु प्रौद्योगिकी क्षमताओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड द्वारा निर्धारित सभी सुरक्षा मानदंडों को पूरा करने के बाद पीएफबीआर ने क्रिटिकैलिटी प्राप्त कर ली।

तमिलनाडु के कलपक्कम में स्थित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर भारत का पहला स्वदेशी फास्ट ब्रीडर परमाणु रिएक्टर है। 500 मेगावाट क्षमता वाले इस उन्नत रिएक्टर को इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र ने डिजाइन और भारतीय नाभिकीय विद्युत् निगम लिमिटेड ने निर्मित किया है। इसे बनाने में 200 से अधिक भारतीय उद्योगों ओर लघु एवं मध्यम उद्योगों की भूमिका रही है। इस रिएक्टर को भविष्य में थोरियम- 232 का उपयोग करने के लिए भी डिजाइन किया गया है। जो स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के लिए भारत के विशाल थोरियम भंडार का दोहन करने के दीर्घकालिक लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।

क्या होती है क्रिटिकैलिटी- यह परमाणु रिएक्टर के संचालन की वह स्थिति है जिसमें परमाणु विखंडन की श्रृंखला प्रक्रिया स्थिर हो जाती है। इसका अर्थ यह है कि यह रिएक्टर अब बिना किसी बाहरी दखल के मौजूदा ईंधन के द्वारा ऊर्जा बनाने के लिए तैयार हो गया है। क्रिटिकैलिटी प्राप्त करना सीधे बिजली बनाना नहीं है अपितु यह उसके लिए पहली अनिवार्यता है। अब इस रिएक्टर की क्षमता और कुशलता को समझने के लिए कम क्षमता वाले कुछ परीक्षण किये जाएंगे जिसके बाद इसे पावर ग्रिड से जोड़कर बिजली उत्पादन शुरू किया जा सकता है।

यह उपलब्धि मात्र एक रिएक्टर चलाने की नहीं है, इससे भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता बढ़ेगी। इससे 2070 तक नेट जीरो लक्ष्य प्राप्त करने में सफलता मिलेगी। फास्ट ब्रीडर रिएक्टर कम कचरा पैदा करता है यह यूरेनियम और प्लूटोनियम का बेहतर उपयोग करता है । इससे भविष्य में बिजली सस्ती होगी। देश ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में मजबूत बनेगा। भविष्य में और अधिक ऐसे रिएक्टर बनाए जा सकेंगे जो थोरियम का इस्तेमाल कर बिजली बनाएंगे ।

यह रिएक्टर 2004 में शुरू हुआ था लेकिन कई तकनीकी चुनौतियों, देरी और लागत बढ़ने के कारण अब जाकर क्रिटिकैलिटी प्राप्त कर सका है। तरल सोडियम को संभालना, सुरक्षा मानक पूरा करना और बहुत सारे परीक्षण करना असान नहीं था। इसका बजट बढ़ा किंतु सरकार का पूरा समर्थन मिलता रहा। अब यह सफलता दिखाती है कि भारत कठिन टेक्नोलॉजी में भी आत्मनिर्भर हो सकता है। पूर्व परमाणु ऊर्जा आयोग अध्यक्ष डा. अनिल काकोदकर ने इस सफलता को ऐतिहासिक बताया है और कहा कि यह भारत के तीन चरण के कार्यक्रम को नई दिशा व गति देगा। यह उन्नत रिएक्टर खपत से अधिक ईंधन उत्पादन करने में सक्षम है जो देश की वैज्ञानिक क्षमता को और इंजीनियरिंग कौशल की मजबूती को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे कार्यक्रम के तीसरे चरण में भारत के विशाल थोरियम भंडार के उपयोग की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस परियोजना में शामिल वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई दी और इस सफलता को भारत वैज्ञानिक कौशल का प्रमाण बताया।

सरकार ने 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। जापान फ्रांस और अमेरिका आदि देश सुरक्षा चिंताओं के कारण ऐसी परियोजनाएं बंद कर चुके हैं परंतु भारत की स्थिति और जरूरत दोनों ही अलग है।

भारत ने एक साथ उड़ाई 10 मिसाइलें, घबराए कई देश!

अभिनय आकाश

भारत को इतनी बड़ी सफलता मिली है जिसने पूरे देश का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया है। भारत ने वो कर दिखाया है जो आज तक दुनिया में कोई भी नहीं कर सका। ना ही यूनाइटेड स्टेट्स यानी कि ना ही अमेरिका, ना ही रशिया, ना ही चाइना और ना ही इजराइल। लेकिन भारत सबको पीछे छोड़कर नंबर वन बनने की ओर अब बढ़ चुका है। दरअसल बता दें कि भारत ने अब ऐसी ताकतवर मिसाइल डिजाइन और टेक्नोलॉजी तैयार कर ली है जो दुश्मन के सबसे मजबूत सिस्टम को भी चुनौती दे सकती है। अगर आपको लगे कि दुनिया की सबसे ताकतवर मिसाइल डिफेंस सिस्टम आपको बचा सकती है तो आप गलतफहमी में हैं क्योंकि भारत की यह जो नई मिसाइल है यह उस भरोसे को तोड़ने जा रही है। अमेरिका का थार्ड, रूस का स500 और चीन का इन सबको यह चकमा दे सकती है। दरअसल भारत एक नई पीढ़ी की इंटरकॉन्टिनेंटल बैलस्टिक मिसाइल यानी कि आईसीबीएम विकसित कर रहा है जो मौजूदा अग्निवी से कई गुना ज्यादा एडवांस होगी। जहां अग्नि5 की रेंज लगभग 5000 या 5500 कि.मी. है वहीं ये जो नई मिसाइल है, इसकी रेंज होगी 10,000 कि.मी. से भी ज्यादा और सबसे बड़ी बात यह सामने आई है कि यह एक साथ 10 से ज्यादा या फिर 12 वॉर हेड ले जाने की क्षमता रख सकती है। जिन पर दुनिया भरोसा करती है। इस मिसाइल की सबसे खतरनाक खासियत यह है कि इसकी जो स्मार्ट मूवमेंट है इसमें यहां पर इस्तेमाल होगा मैनुवरेबल रीएंट्री व्हीकल यानी कि एमएआरवी जब यह मिसाइल वायुमंडल में दोबारा प्रवेश करती है तो यह सीधी नहीं बल्कि यह अपना रास्ता बदल सकती है। दुश्मन का रडार इसे सही तरीके से बिल्कुल भी ट्रैक नहीं कर पाएगा। ये सभी सिस्टम सीधी उड़ान वाली मिसाइलों को रोकने के लिए बनाए गए हैं। लेकिन भारत की ये जो नई मिसाइल है यह रास्ता बदल सकती है अपने आप। नकली टारगेट यानी कि डीकोस छोड़ सकती है। रडार से यह बच सकती है। यानी जो दिखेगा वो असल में होगा नहीं। और जो असल में होगा वो रोक पाना उसे रोक पाना दुश्मन देशों के लिए काफी मुश्किल होगा। इस नई मिसाइल को अग्नि5 से हल्का बनाने पर भी काम किया जा रहा है और हो सकता है कि इसे हल्का भी बनाया जाए। स्टील की जगह यहां पर एडवांस कंपोजिट मटेरियल का इस्तेमाल है। इससे वजन कम होगा और ईंधन की बचत भी होगी और रेंज भी बढ़ाई जाएगी। अब यह क्यों अहम है भारत के लिए? किस तरीके से यह गेम चेंजर है उसे भी बता देते हैं। क्योंकि बता दें कि अब भारत के पास होगा लंबी दूरी से सटीक हमला, मल्टीपल वॉर हेड और इसके साथ ही एंटी मिसाइल डिफेंस को चकमा देने की क्षमता। इसका मतलब सीधा-सीधा साफ यह है कि दुश्मन चाहे जितनी भी तैयारी कर ले अब पूरी तरह से वह सुरक्षित रह नहीं पाएगा।

युद्ध से शांति की ओर

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

40 दिन के जबरदस्त घमासान के बाद अमेरिका, इजराइल और ईरान ने 15 दिन के युद्ध विराम पर सहमति की खबर ने समूचे विश्व को राहत की सांस दी है। 48 घंटे का अल्टीमेटम खत्म होने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरान को पाषाण युग में भेजने, कुछ घंटों में उसकी सभ्यता खत्म करने की धमकियां दे रहे थे, ने नाटकीय घटनाक्रम के बीच स्वयं युद्ध विराम पर सहमति का ऐलान किया। ईरान ने भी इस पर अपनी सहमति जताई और इजराइल ने भी इसे स्वीकार किया। डोनाल्ड ट्रम्प ने स्वीकार किया कि यद्यपि पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई लेकिन चीन ने ईरान को युद्ध विराम के लिए राजी किया। युद्धों को समाप्त करने की व्यवस्था में युद्ध विरामों का स्थान हमेशा से ही केन्द्रीय रहा है। बड़े-बड़े युद्ध अंतत:मेज पर ही आकर खत्म होते हैं। युद्ध विराम का उद्देश्य संवाद स्थापित करना, मानवीय सहायता की पहुंच सुनिश्चित करना और किसी समाधान तक पहुंचने के लिए समझौता करना होता है। युद्ध विराम को कूटनीति के अनिवार्य साधन के रूप में देखा जाता है। कहा जाता है कि युद्ध के बिना बुद्ध प्रगट नहीं होते लेकिन आज के दौर में डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बुद्ध होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। युद्ध विराम भी विवशताओं के बीच रणनीतिक हथियार बन गए हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा युद्ध विराम की घोषणा एक रणनीतिक मजबूरी के रूप में देखा जा रहा है। ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को बंद किए जाने के वैश्विक तेल आपूर्ति खतरे में पड़ चुकी थी जिससे तेल की कीमतें बढ़ गईथीं और हाहाकार मच गया था। आपूर्ति बाधित होने से गैस की कीमतों में भी उछाल आ चुका था। नाटो और अमेरिका के मित्र यूरोपीय देशइस कोहराम के लिए ट्रम्प को जिम्मेदार ठहरा रहे थे और उन्होंने भी युद्ध से किनारा कर लिया था। अमेरिका को इस युद्ध में कुछ हासिल नहीं हुआ, उल्टा उसे अपने बेशकीमती लड़ाकू विमान और हैलीकॉप्टर खोने पड़े। 40 दिन के युद्ध में उसे अरबों रुपए खर्च करने पड़े। लगातार हमलों के बावजूद ईरान की प्रतिरोधक क्षमता और इजराइल-अमेरिका के खिलाफ जवाबी हमले की क्षमता ने ट्रम्प प्रशासन को युद्ध रोकने के लिए मजबूर किया। ईरान ने अपने ड्रोनों और मिसाइलों के हमलों से अमेरिका और इजराइल को ऐसा झटका दिया जिसकी कल्पना कभी वैश्विक शक्ति माने गए अमेरिका ने भी नहीं की होगी।

अमेरिका के भीतर भी युद्ध के विरोध में जनभावनाएं उभार ले चुकी थी और ट्रम्प की लोकप्रियता जमीन सूंघने लगी थी। ट्रम्प पर न केवल खाड़ी देशों, मित्र देशों का बल्कि देश के भीतर से भी काफी दबाव था कि युद्ध को किसी न किसी हालत में रोका जाए। यद्यपि ट्रम्प ने ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को लेकर बहुत कड़ी शर्तें रखी थीं, जिसे वे अपनी बड़ी जीत के रूप में पेश कर रहे थे लेकिन उनकी धमकियां युद्ध विराम समझौते के लिए दबाव डालने की रणनीति ही थी। पाकिस्तान भले ही मध्यस्थता के लिए अपनी पीठ ठोके। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेनाध्यक्ष मुल्ला मुनीर कुछ भी बयानबाजी करें। यह साफ है कि पाकिस्तान की भूमिका एक संदेशवाहक के रूप में ही थी।उन्होंने केवल ईरान की शर्तों और अमेरिका की शर्तों के प्रस्तावों का आदान-प्रदान ही करवाया। चीन ने ईरान को समझौते के लिए राजी किया। ईरान की सड़कों पर जश्न का माहौल है। तेहरान के लोग अपने देश का झंडा लेकर सड़कों पर लहरा रहे हैं। ईरान की सरकार युद्ध विराम समझौते को अपनी जीत के रूप में पेश कर रही है। ईरान ने युद्ध की शुरूआत में अपने सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और आईआरजीसी के वरिष्ठ जनरलों को हमलों में खोया था और यह लड़ाई वहां के शासन के लिए अस्तित्व की लड़ाई बन गई थी। ईरान युद्ध को विजयी इसलिए मान रहा है क्योंकि वह अमेरिका और इजराइल से टक्कर लेकर 40 दिन तक युद्ध में टिका रहा। यह जीत तेहरान की राष्ट्रवादी जनता की भी मानी जा रही है।

ईरान की जनता ने एक मंत्री के आह्वान पर जिस तरह से पावर प्लांटों के चारों तरफ मानव श्रृंखला बनाकर खुद को ढाल के रूप में प्रस्तुत किया वह अपने आप में बहुत बड़ा उदाहरण है। यह वही जनता है जो धार्मिक सत्ता के खिलाफ सड़कों पर उतर आई थी लेकिन अमेरिका-इजराइल के हमलों ने ईरानी अवाम को एकजुट कर दिया। ईरान ने 10 शर्तें रखी हैं, जिसमें हमले तुरन्त रोकने, उस पर प्रतिबंध हटाने, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव रद्द करने और संवर्धित यूरेनियम उसके पास सुरक्षित रहने इत्यादि शामिल हैं। सबसे बड़ा मसला होर्मुज स्ट्रेट को खोलने का था जिसके लिए ईरान तैयार है लेकिन उसकी शर्त यह है कि दो हफ्ते तक वह होर्मुज स्ट्रेट पर जहाजों से टोल टैक्स वसूलेगा ताकि उसके नुक्सान की भरपाई हो सके। अब इन शर्तों पर पाकिस्तान में बातचीत होगी। अमेरिका ने भी ईरान के सामने 15 शर्तें रखी हैं। अब यह जरूरी है कि अमेरिका और ईरान में बातचीत को लेकर भरोसा कायम हो। इसमें कोई संदेह नहीं कि बातचीत काफी सख्त रहेगी। कुल मिलाकर युद्ध विराम समझौता ईरान की शर्तों पर हुआ दिखाई देता है। युद्ध खत्म होना और शांति के मार्ग पर आगे बढ़ना दुनिया के लिए अच्छा है लेकिन इससे वर्ल्ड आर्डर बदल जाएगा। अमेरिका का साथ देने वाले खाड़ी देशों को इस बात का अहसास हो चुका है कि सुरक्षा की दृष्टि से वे ईरान के मुकाबले बहुत कमजोर हैं और अमेरिका उनकी रक्षा करने में नाकाम रहा है। इसलिए वे भविष्य में अपनी सुरक्षा को लेकर व्यवस्था करने में जुट जाएंगे औरहथियार इकट्ठा करने की नई होड़ शुरू हो जाएगी। एक तरफ खाड़ी देश और अमेरिका होंगे तो दूसरी तरफ चीन और रूस तथा मित्र देश होंगे। दुनिया भर को हमेशा अपनी ताकत से डराने वाले अमेरिका और इजराइल से अब कोई खौफ नहीं खाएगा। अमेरिका का तिलस्म खत्म हो चुका है। बेहतरी इसी में होगी कि युद्ध विराम ईमानदारी से लागू हो और विध्वंस के बाद नवसृजन शुरू हो। खाड़ी देशों में लोग शांति से रह सकें।

कोयल से हुई बात

संतोष उत्सुक

इंसान का इंसान से ईमानदार संवाद मुश्किल में है। पक्षी और जानवर से संवाद हमेशा सहज रहा। कोयल से पूछा, आप हर साल आम को मीठा करने आती हैं, इतनी तन्मयता, ईमानदारी व समयबद्धता कैसे रखती हैं। कोयल ने कहा, हम कुदरत की बेटियां हैं, हमारा कर्तव्य आम के वृक्षों के साथ समन्वय बना कर रखना है।

सुबह सैर करते हुए विचार आया कि कोयल से बातचीत की जाए। सुंदर, प्रभावशाली, बड़बोले, ईमानदारों से ही पीछा नहीं छूटता। कौन काली कलूटी से संवाद करेगा। खूबसूरत लोगों ने खूबसीरत लोगों को हमेशा नीचा दिखाने की कोशिश की। युगों से आमों की मिठास बरकरार रखने वाली, अपना रंगढंग न बदलने वाली कोयल से संवाद साधने की सोची। एक मित्र जो दर्जनों पक्षियों की बोलियां समझने में सिद्धहस्त हैं ने मध्यस्थता करते हुए कोयल से संपर्क किया। सभी कोयल ने एक जैसी ही बात करनी थी इसलिए किसी एक का चुनाव करना ज़रूरी नहीं था, हां किसी इंसान की बात होती तो सोचना पड़ता।

इंसान का इंसान से ईमानदार संवाद मुश्किल में है। पक्षी और जानवर से संवाद हमेशा सहज रहा। कोयल से पूछा, आप हर साल आम को मीठा करने आती हैं, इतनी तन्मयता, ईमानदारी व समयबद्धता कैसे रखती हैं। कोयल ने कहा, हम कुदरत की बेटियां हैं, हमारा कर्तव्य आम के वृक्षों के साथ समन्वय बना कर रखना है। कुछ भी बदलाव लाना असंतुलन की तरफ ले जाएगा। मिठास आप घोलती हैं, हमने पूछा? बोली, मिठास तो मां प्रकृति घोलती है हमारा काम तो आवाज़ निकालना है और वह भी ठीक वैसी ही जैसा बचपन से सिखाया गया है। हमें आम के वृक्षों पर बैठकर समय और नियमबद्ध तरीके से यह पारिवारिक पारम्परिक कर्तव्य निभाना होता है।

हमने कोयल से कहा, आपको पता है आम को फलों का राजा माना जाता है। कोयल ने कहा, हम तो साधारण कार्यकर्ता हैं, हमारे यहां सब एक जैसे होते हैं, ऊंच नीच नहीं होता सभी को एक जैसे घोंसले बनाकर रहना होता है। एक जैसा खाना पीना होता है तभी अनुशासन रहता है। इतनी समानता, समरसता, एकरूपता, एकात्मता हमारे जीवन में है कि पता नहीं कि राजा क्या होता है। अगला सवाल था, कोई बागवाला आपको पाल पोसकर, अच्छा खिला पिलाकर, आपको अपने आम के बागीचे में ज्यादा कूकने को कहे, तो कोयल ने कहा, हमें ऐसा व्यवहार करना नहीं सिखाया गया। प्रकृति के नियम पारदर्शी और न बदलने वाले हैं।

हमने कहा दुनिया कितनी बदल गई लेकिन आपकी तान वैसी ही है। हमें यही सिखाया गया है कि कभी अपना अच्छा चरित्र न बदलो, प्रतिस्पर्द्धा या लालच यहां तक कि मजबूरी में भी अडिग रहो। इसी गुण से आपके व्यक्तित्व की पहचान बनती है, कोयल बोली। झिझकते हुए मैंने जानना चाहा, आपको नहीं लगता आपका रंग काला न होकर, भूरा, लाल या कोई और... । जवाब आया, हमारे पूर्वजों ने हमें यही शिक्षा दी कि रंग से कुछ नहीं होता, सब आपके ढंग से होता है। हमारा रंग यदि उजला, पीला होता तो आप हमें पसंद करते मगर हमारी आवाज़ सुरीली न होती तो कितना देर तक सुन पाते। तब क्या अपने बच्चों को हमारी तरह बोलने को कहते। हमारे सवाल खत्म हो गए थे।

कोयल के कूकने का समय हो गया था। वह आम के अन्य वृक्षों की ओर उड़ चली। पक्षी इंसानों की तरह हो जाएं, बोली बदल लें, नए रंग का चोगा पहन लें, मुंह फेरना सीख लें तो प्रकृति का अंदरूनी संतुलन बिगड़ जाएगा। दुनिया के किसी कोने में शायद कोई तो ऐसा करवाने की कोशिश कर रहा होगा मगर कुदरत ऐसा होने तो नहीं देगी । काली कोयल ने अनेक सच उजले कर दिए।

कहां गए शांति के कपोत उड़ाने वाले ?

अशोक मधुप

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

आज की दुनिया बारूद से धधक रही है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व के रेगिस्तानों तक, हर तरफ मिसाइलों की गूँज है। शांति की बाते अब सुनाई नहीं देतीं। शांति के कपोत उड़ाने वाले दिखाई देने बंद हो गए। युद्ध की विभिषिका के विरोध में प्रदर्शन करने और मोमबत्ती जलाने वाले अब सड़कों से गायब है। युद्ध के विरोध के स्वर धीमे ही नही हुए, पूरी तरह खामोश हो गए। बुद्ध के संदेश अब किताबों में ही बंद होकर रह गए है। युद्धों के विरोध की कही से बात नही उठ रही। दुनिया में शांति स्थित करने के लिए बने संयुक्त राष्ट्रसंघ के मुंह पर टेप चिपक गया। वह देख सकता है। न कुछ बोल सकता है। न आदेश कर सकता है।

विडंबना देखिए कि इक्कीसवीं सदी में हम मंगल पर बस्तियां बसाने की बात कर रहे हैं, लेकिन ज़मीन के चंद टुकड़ों और आपसी वर्चस्व के लिए हज़ारों बेगुनाहों का खून बहाने से भी पीछे नहीं हट रहे। युद्ध चाहे रूस और यूक्रेन के बीच हो, या इज़राइल, ईरान और अमेरिका के बीच का तनाव हो। जीत के झंडे चाहे जिस देश के हाथ आएं, हारती हमेशा मानवता है। इन युद्ध में विजयी कोई भी हो, सदा पराजित तो मानव होती है। मरती बस इंसानियत है। इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी समस्या का समाधान नहीं रहा, बल्कि यह नई समस्याओं का जन्मदाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई बार कहा कि दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध की जरूरत है। कई मंचों से उन्होंने यह मांग उठाई, किंतु किसी भी देश ने शांति का समर्थन नहीं किया। सब देश गूंगे बन कर रह गए। आज भी ये ही हाल है। मरता ईरान खाड़ी के उन देशों पर मिसाइल और ड्रोन दाग कर तबाही मचा रहा है, जिनमे अमेरिका के सैन्य अड्डे हैं। अपनी बरबादी होते देख ये देश ईरान पर अमेरिकी हमलों का उस तरह विरोध नही कर रहे, जिस तरह कि करना चाहिए।

रूस-यूक्रेन युद्ध के समय जहाँ वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा संकट को जन्म दिया तो मध्य पूर्व (इज़राइल-हमास-ईरान) के संघर्ष ने दुनिया को धार्मिक और कूटनीतिक ध्रुवीकरण के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। इन लड़ाइयों में टैंकों की गड़गड़ाहट के बीच जो आवाज़ दब जाती है, वह है-एक मासूम बच्चे की चीख और एक बेबस माँ की कराह। युद्ध की सबसे बड़ी कीमत वे लोग चुकाते हैं जिनका राजनीति या सत्ता की लालसा से कोई लेना-देना नहीं होता। यूक्रेन के कीव से लेकर गाज़ा की गलियों और ईरान के गांव तक तक, हज़ारों औरतें और बच्चे मौत की नींद सो चुके हैं। जो उम्र खिलौनों से खेलने की थी, उस उम्र में बच्चे बमों के धमाकों को पहचानना सीख रहे हैं। हज़ारों बच्चे अनाथ हो चुके हैं और लाखों का भविष्य मलबे के नीचे दब गया है। युद्ध के दौरान महिलाओं को न केवल विस्थापन का दंश झेलना पड़ता है, बल्कि वे शारीरिक और मानसिक हिंसा का सबसे आसान लक्ष्य बनती हैं।

अमेरिका आज दुनिया का सबसे बड़ा तानाशाह बन गया है। उसने इराक पर यह कह कर हमला किया था कि उसके पास कैमिकल और अन्य घातक शस्त्र है। इराक हार गया। सद्दाम हुसैन पकड़े ही नही गए, उन्हें फांसी हो गई, किंतु अमेरिका इराक से कुछ भी बरामद नही कर पाया। उसका सब झूंठा प्रचार रहा। अब ईरान पर यह कह कर इजरायल और अमेरिका ने हमला किया कि वह परमाणु बम बनाने के नजदीक है। उसकी इस शक्ति को खत्म करना है। हमले जारी है। इस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए अपने मन की बात कह दी कि उसे ईरान के तेल पर कब्जा करना है। तीन जनवरी 2026 को अमेरिकी सेना ने एक सैन्य ऑपरेशन के दौरान वेनेजुयला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को उनके देश (कराकस) से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नार्को-आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों के बाद की गई। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया। बहाना मादक पदार्थो की तस्करी रोकना था किंतु अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कह रहे हैं कि वेनेजुयला का तेल वे बेचेंगे। उनकी मर्जी से बिकेगा। इस सब का मतलब साफ है कि दुनिया के संसाधनों पर अमेरिका की नजर है। वह किसी ने किसी बहाने उन पर कब्जा करना चाहता है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बड़ा बयान सामने आया। ट्रंप ने कहा है कि अगर थोड़ा और समय मिला तो अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोल सकता है और वहां से तेल लेकर बड़ा मुनाफा कमा सकता है। उनके इस बयान ने पहले से चल रहे संघर्ष को और संवेदनशील बना दिया है।फिलहाल ईरान ने इस अहम समुद्री रास्ते को बंद कर दिया है। इस कारण दुनिया भर में तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है और कीमतों में तेजी देखी जा रहीयह संघर्ष अब सिर्फ ईरान तक सीमित नहीं रहा है। अमेरिका और इस्राइल ने ईरान और लेबनान में कई ठिकानों पर हमले किए हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी कई खाड़ी देशें पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। हाल के दिनों में हमलों की संख्या कुछ कम हुई है, लेकिन पूरी तरह रुकी नहीं है। ईरान के खिलाफ कार्रवाई में शामिल होने से इन्कार करने वाले ब्रिटेन जैसे वह देश होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की वजह से जेट ईंधन नहीं पा रहे हैं। उनके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का सुझाव है- पहला- अमेरिका से तेल खरीदो, हमारे पास बहुत है। दूसरा- हिम्मत जुटाओ, जलडमरूमध्य पर जाओ और उसे अपने कब्जे में ले लो।

युद्ध किसी समस्या का स्थायी हल नहीं है। इतिहास ने बार-बार सिखाया है कि युद्ध के मैदान में कभी कोई नहीं जीतता, बस जो कम हारता है वह खुद को विजेता घोषित कर देता है। रूस, यूक्रेन, इज़राइल, ईरान या अमेरिका- शक्ति का प्रदर्शन किसी को महान नहीं बनाता। महानता इस बात में है कि हम आने वाली पीढ़ी को एक ऐसी दुनिया दें जहाँ बारूद की गंध नहीं, बल्कि भाईचारे की मिठास हो। एक बार और अमेरिका वियतनाम और अफगानिस्तान में जाकर अपना अंजाम देख चुका है। बाद में बहुत कुछ गंवाकर वहां से भाग आया। ये ईरान है। यहां के गांव वाले, युवाओं और बच्चों ने भी अब शस्त्रों से दोस्ती कर ली है। हथियार संभाल लिए है। अमेरिका के दो हेलिकॉप्टर को मार गिराने वाला एक मामूली गडरिया है। इस गडरिए को तो युद्ध कला भी नही आती। सिर्फ इतना जानता है कि ये हेलिकॉप्टर हमलावर अमेरिका के है। जिस देश की जनता इतनी जुझारू और लड़ाका हो, जिसके गडरिये अमेरिका जैसे देश के दो-दो आधुनिकतम हेलिकॉप्टर गिरा दें, उसे हराना संभव नहीं।

आज दुनिया के शक्तिशाली राष्ट्रों को अपनी ज़िम्मेदारी समझनी होगी। उन्हें युद्ध के उन्माद को रोकना होगा। नहीं रोका, तो वह दिन दूर नहीं जब इंसान तो बचेगा, लेकिन उसके भीतर की इंसानियत पूरी तरह दफन हो चुकी होगी। हमें यह समझना होगा कि धरती पर सरहदें हमने खींची हैं, कुदरत ने नहीं। शांति की मेज़ पर बैठकर बात करना कमज़ोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी बहादुरी है। वक्त आ गया है कि हम हथियारों की होड को छोड़कर मानवता की जोड़ पर ध्यान दें। वरना इतिहास हमें उन लोगों के रूप में याद रखेगा, जिनके पास सब कुछ था, बस एक-दूसरे के लिए दया और प्रेम नहीं था।

मिडिल ईस्ट में तबाही के 40 दिन

हजारों मिसाइलें-ड्रोन चले, अरबो डॉलर खर्च, 8000 से ज्यादा की मौत

नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच 40 दिन से जारी युद्ध ने पूरे क्षेत्र में भारी विनाश मचाया है। सीजफायर की घोषणा तो हो गई है, लेकिन कुछ भी निश्चित नहीं है, क्योंकि छिटपुट हमले अभी भी जारी है। अनुमानों के मुताबिक, इस दौरान करीब 43,000 मिसाइल, ड्रोन और बम हमले हुए, जिनमें 8,710 लोगों की मौत हो गई और 40,000 से ज्यादा लोग घायल हुए। इस संघर्ष से 17 देश प्रभावित हुए हैं। युद्ध के करण वैश्विक स्तर पर कुल आर्थिक नुकसान लगभग 40 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कई देशों की अर्थव्यवस्थाएं दबाव में हैं, खासकर चीन, जापान और दक्षिण कोरिया में आर्थिक मंदी के संकेत दिख रहे हैं। प्रभावित अर्थव्यवस्थाओं को पटरी पर लौटने में 1 से 2 साल लग सकते हैं, जबकि पूर्ण पुनर्निर्माण में 20 से 30 साल का समय लग सकता है।

क्या है ईरान की रणनीति?

सिजफायर के बावजूद एक बड़ा सवाल यह है कि ईरान के पास अभी भी कितनी मिसाइल लॉन्च करने की क्षमता बची है। अनुमान है कि उसके 10 से 20 प्रतिशत लॉन्चर अभी भी सक्रिय हो सकते हैं। ईरान ने अपनी मिसाइलों और लॉन्च सिस्टम को चतुराई से छिपाया है और छिटपुट हमलों के जरिए जवाब दे रहा है।

ईरान की यह लचीली युद्ध नीति न सिर्फ उसके हथियारों को सुरक्षित रख रही है, बल्कि भविष्य में लंबे संघर्ष की स्थिति में उसे रणनीतिक बढ़त भी दिला सकती है। हालांकि शांति की उम्मीद बनी हुई है, लेकिन स्थायी समाधान अभी जटिल नजर आ रहा है।

ईरान पर भारी आर्थिक बोझ

युद्ध ने आवासीय इलाकों, स्कूलों और बुनियादी ढांचे को बुरी तरह प्रभावित किया है। एक संगीतकार हमीदोन अफरीदी द्वारा शेयर की गई तस्वीरें इस दर्द को बयां करती हैं। वे तबाह हुए घर के मलबे में बैठकर संगीत बजा रहे हैं। कई शिक्षक और कलाकार अब ऑनलाइन कक्षाएं भी नहीं चला पा रहे हैं। इन तस्वीरों से साफ है कि जंग ने सिर्फ इमारतें नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी को भी अस्त-व्यस्त कर दिया है। ईरान को इस

युद्ध से करीब 13 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। जीडीपी में 20 प्रतिशत तक की गिरावट संभव मानी जा रही है। पर्यावरणीय क्षति और बुनियादी ढांचे के नुकसान से लगभग 4 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे जा सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि देश के पुनर्निर्माण में 10 साल या उससे ज्यादा समय लग सकता है।

अमेरिका का भारी नुकसान

अमेरिका ने भी भारी कीमत चुकाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 15 सैनिक शहीद हुए और 300 से ज्यादा घायल हुए। अरब देशों में स्थित कई अमेरिकी ठिकानों और विमानों को नुकसान पहुंचा है। महंगे स्र-15, स्र-35 और श्व-3 विमानों का इस्तेमाल करके सस्ते ईरानी ड्रोन रोकने की रणनीति ने अमेरिका पर भी आर्थिक बोझ बढ़ाया है।

ट्रंप के खिलाफ महाभियोग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के कुछ विवादास्पद बयानों ने विवाद खड़ा कर दिया है। जिसमें ईरान की सभ्यता को खत्म करने की धमकी शामिल है। 70 से ज्यादा डेमोक्रेट सांसद अब ट्रंप के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करने या 25वें संशोधन के तहत उन्हें हटाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने इन बयानों को असंवैधानिक और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी नागरिकों को निशाना बनाने की किसी भी धमकी की निंदा की है।

होर्मुज में ईरान-चीन की नई चाल

ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर नियंत्रण का इस्तेमाल करते हुए कुछ जहाजों से टोल शुल्क चीनी युआन में वसूलना शुरू कर दिया है। इससे अमेरिकी डॉलर की वैश्विक प्रभुता को चुनौती मिल रही है। चीन और ईरान इस कदम को डॉलर-आधारित तेल व्यापार का विकल्प बनाने की दिशा में देख रहे हैं। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि कम से कम दो जहाजों ने युआन में भुगतान किया है।

नैरेटिव युद्ध में ईरान के क्रिएटर्स की भूमिका

विभिन्न मीडिया माध्यमों से अरबी और फारसी में लोकप्रिय मीडिया के जरिए, युवा ईरानी क्रिएटर्स ग्लोबल साउथ और पश्चिमी, दोनों तरह के दर्शकों को लक्षित कर रहे हैं। वियतनाम, हिरोशिमा और फ़िलिस्तीन जैसे प्रतीकों को आपस में बुना जा रहा है, ताकि एक ऐसे नैरेटिव का निर्माण किया जा सके जिसका केंद्र एक साझा शत्रु हो।

पिछले 70 वर्षों में, ईरान ने लगभग 50 प्रोडक्शन हाउस और स्टूडियो का एक व्यापक नेटवर्क स्थापित किया है, जो पेशेवर स्तर की कंटेंट तैयार करने के लिए समर्पित हैं।

अब ध्यान केवल प्रतीकों के इस्तेमाल से हटकर, विशिष्ट राजनीतिक मुद्दों और घोटालों से जुड़ने पर केंद्रित हो गया है। इसे हासिल करने के लिए, क्रिएटर्स एनिमेटेड लेगो वीडियो, मीम्स और संयुक्त राज्य अमेरिका के भीतर के विवादास्पद घरेलू मुद्दों जैसे एपस्टीन मामला का इस्तेमाल कर रहे हैं।

इजरायल ने लेबनान पर किया अब तक का सबसे बड़ा हमला, युद्धविराम समझौता संदेह के घेरे में

बेरूत, (वार्ता)

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम समझौते के कुछ ही घंटों बाद इजरायल ने लेबनान में अब तक का सबसे भीषण हमला किया है जिसमें भारी विनाश हुआ है और बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए हैं।

लेबनान के नागरिक सुरक्षा विभाग ने एक बयान में कहा कि बेरूत, बेका घाटी, माउंट लेबनान, सिडोन और दक्षिणी गांवों सहित कई क्षेत्रों में हुए हवाई हमलों में कम से कम 254 लोग मारे गए हैं और 1,100 से अधिक घायल हुए हैं। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने तर्क दिया कि इन हमलों का उद्देश्य हिजबुल्लाह से जुड़े बुनियादी ढांचे को नष्ट करना था। हमलों के मुख्य निशाने लितानी नदी पर बने प्रमुख क्रॉसिंग थे। इजरायल इसे दक्षिणी लेबनान को अलग-थलग करने और अपनी सीमा से लगभग 30 किलोमीटर तक बफर जोन स्थापित करने की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा बता रहा है। आईडीएफ ने हिजबुल्लाह के अली यूसुफ हर्षी को भी मारने का दावा किया है, हालांकि हिजबुल्लाह ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है।

इस अभियान की व्यापकता और तीव्रता ने पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया है। इजरायली सेना ने कथित तौर पर कुछ ही मिनटों के भीतर लगभग 100 स्थानों पर हमला किया। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने इस बमबारी को %विशाल% बताया है। लेबनान के अस्पताल घायलों की बढ़ती संख्या के कारण जूझ रहे हैं और रक्तदान के लिए तत्काल अपील की गई है।

संयुक्त राष्ट्र ने इन हमलों की निंदा करते हुए चेतावनी दी है कि यह हिंसा उस समय हुई जब शांति की उम्मीदें उभरने लगी थीं। संयुक्त राष्ट्र की विशेष समन्वयक जीनिन हेनिस-प्लासचार्ट ने जोर देकर कहा कि कोई भी पक्ष बल के माध्यम से जीत हासिल नहीं कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों के अनुसार, शत्रुता बढ़ने के बाद से लेबनान की आबादी का लगभग पांचवां हिस्सा, यानी 12 लाख से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं। यह संख्या 2024 के इजरायल-हिजबुल्लाह संघर्ष के स्तर को भी पार कर गई है।

सहायता एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि कमजोर समूह इसका खामियाजा भुगत रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) का अनुमान है कि विस्थापितों में 13,000 से अधिक गर्भवती महिलाएं शामिल हैं, जिनमें से कई चिकित्सा देखभाल से वंचित हैं। स्वास्थ्य सेवाएँ ठप होने की कगार पर हैं और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्वास्थ्य सुविधाओं पर 100 से अधिक हमलों की पुष्टि की है।

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम को क्षेत्र को स्थिर करने के एक अवसर के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन इजरायली बलों और हिजबुल्लाह के बीच जारी संघर्ष ने शांति वार्ता पर संदेह उत्पन्न कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता फरहान हक ने सभी पक्षों से बातचीत का रास्ता चुनने का आग्रह किया है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशक्यान ने गुरुवार को कहा कि लेबनान में इजरायली हमलों को रोकना संघर्ष को समाप्त करने के ईरान के 10-सूत्रीय योजना का एक प्रमुख शर्त है।

अंतरिक्ष से होगी पृथ्वी की निगरानी, ये होंगे फायदे

नई दिल्ली। अंतरिक्ष से पृथ्वी की निगरानी के क्षेत्र में एक नई तकनीक उभर रही है, जिसे पीआई या ग्रह बुद्धिमत्ता कहा जा रहा है। यह सैटेलाइट डेटा को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ जोड़कर पृथ्वी पर होने वाले बदलावों को रीयल-टाइम में समझने और पूर्वानुमान लगाने की क्षमता रखती है। वर्ष 2030 तक पृथ्वी की निगरानी बाजार का आकार 60,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इस तकनीक के जरिए पर्यावरणीय बदलावों, प्राकृतिक आपदाओं और मानवीय गतिविधियों की बेहतर निगरानी संभव हो सकेगी। पीआई सैटेलाइट्स से प्राप्त विशाल डेटा को एआई मॉडल्स के साथ प्रोसेस करती है। पारंपरिक सैटेलाइट सिर्फ तस्वीरें या बुनियादी मापदंड लेते थे, लेकिन पीआईआई इन डेटा को समझकर पैटर्न पहचानती है, भविष्य की घटनाओं का अनुमान लगाती है और जरूरी चेतावनी दे सकती है।

नीतीश कुमार के साथ जो हुआ, वह उनके साथ नहीं होगा : रंगासामी

पुडुचेरी, (वार्ता)

पुडुचेरी में सत्ताधारी ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस (एआईएनआरसी) के संस्थापक एवं मुख्यमंत्री एन. रंगासामी ने गुरुवार को कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ जो हुआ, वह उनके साथ नहीं होगा। गौरतलब है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने अपने चुनावी अभियान के दौरान सवाल उठाया था कि इसकी क्या गारंटी है कि श्री रंगासामी का हश्र भी बिहार के मुख्यमंत्री जैसा नहीं होगा। विधानसभा चुनावों के लिए अपना वोट डालने के बाद श्री रंगासामी ने कई बूथों का दौरा किया। इस दौरान विलियानूर बाईपास रोड पर एक चाय की दुकान पर गए और वहाँ चाय तथा अदिरासम (मीठा केक) का आनंद लिया। पत्रकारों ने जब श्री स्टालिन की टिप्पणी की ओर उनका ध्यान दिलाया, तो उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री के साथ जो हुआ, वह उनके साथ नहीं होगा और यहाँ सरकार उन्हीं के नेतृत्व में बनेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने यह बात पहले ही साफ़ कर दी है और पार्टी जो कहती है, वही करती है। श्री रंगासामी ने कहा कि केंद्र के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखते हुए यहाँ कई योजनाएँ लागू की गई हैं। जब उनसे पूछा गया कि ज्यादा वोट प्रतिशत किसके पक्ष में जायेगा तो उन्होंने कहा कि लोग अब ज़्यादा

जागरूकता के साथ अपने वोट का इस्तेमाल कर रहे हैं। उनकी सरकार द्वारा लागू की गई कल्याणकारी योजनाएँ लोगों तक पहुँची हैं और यही इस बड़ी संख्या में वोटिंग का कारण है। उन्होंने विश्वास जताया कि लोग उनके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पक्ष में वोट देंगे, ताकि उनकी पार्टी लगातार दूसरी बार सत्ता में वापस आ सकें। एक और सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि राजग सरकार बनाने के लिए ज़रूरी सीटें जीतेगा। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने गठबंधन वाली पार्टियों के उम्मीदवारों के लिए प्रचार क्यों नहीं किया, तो श्री रंगासामी ने कहा कि भाजपा और अन्ना द्रमुक जैसी गठबंधन वाली पार्टियों के लिए उनके शीर्ष नेता चुनाव प्रचार के लिए आए थे। दूसरी ओर, अपनी पार्टी के लिए प्रचार उन्हें ही करना था और इसके अलावा, समय भी बहुत कम था।

राष्ट्र के समग्र विकास के लिए विज्ञान और अध्यात्म में संतुलन जरुरी : आनंदीबेन

लखनऊ (वार्ता)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि राष्ट्र के समग्र विकास के लिए विज्ञान और अध्यात्म का संतुलन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मानव बनना जरूरी है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण मानवीय बनना है। जनभवन में विश्व णमोकार महामंत्र दिवस के अवसर पर सामूहिक रूप से णमोकार महामंत्र का जाप कर विश्व शांति, सद्भावना और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन द्वारा किया गया, जिसमें 100 से अधिक देशों में लाखों लोगों ने सहभागिता की। इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि देश सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर आगे बढ़ रहा है और एकजुट होकर विकास के पथ पर अग्रसर है। कार्यक्रम में विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित भी किया गया। राज्यपाल ने जनभवन में संचालित जनहितकारी कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि यहां गरीब बच्चों की शिक्षा, गौसेवा और सामाजिक सहायता से जुड़े कई कार्य किए जा रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि सेवा, करुणा और नि:स्वार्थ भाव से ही समाज का सशक्त निर्माण संभव है। वहीं, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि णमोकार मंत्र विश्व शांति और मानवता के कल्याण का सार्वभौमिक संदेश देता है।

शिक्षक भर्ती परीक्षा- चार में विलंब लाखों युवाओं के जीवन के साथ खिलवाड़ है

पटना, (वार्ता)

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने गुरुवार को प्रदेश की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को निशाने पर लिया और कहा कि शिक्षक भर्ती परीक्षा(टीआरई)-चार में विलंब लाखों युवाओं के जीवन के साथ खिलवाड़ है श्री यादव ने आज बयान जारी कर कहा कि 17 महीनों की महागठबंधन सरकार के दौरान शिक्षा विभाग ने टीआई-एक और टीआरई-दो के अंतर्गत निर्धारित समय सीमा के अंदर बिना किसी पेपरलीक, संपूर्ण पारदर्शिता के साथ रिकॉर्ड डॉ लाख बीस हजार से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया था। उन्होंने कहा कि इसके बाद टीआरई-तीन की भी नियुक्ति प्रक्रियाधीन थी, लेकिन जनवरी 2024 में उनकी पार्टी राजद सरकार से हट गई और पेपरलीक के कारण इस परीक्षा को रद्द कर दिया गया। उन्होंने कहा कि बाद में विलंब से यह परीक्षा आयोजित की गई।

राजद नेता ने कहा कि चुनावी वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ट्वीट कर युवाओं से वादा किया था कि बिहार में सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की रिक्तियों की गणना कर शीघ्र ही टीआरई-चार परीक्षा आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि उस घोषणा को लगभग एक वर्ष बीत चुका हैं, लेकिन अब तक टीआरई-चार की रिक्तियां जारी नही हुई हैं।

श्री यादव ने कहा कि बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) कैलेंडर के अनुसार यह परीक्षा अगस्त 2024 में ही हो जानी चाहिए थी, लेकिन चुनाव आयोग, तंत्र और दस हज़ार रूपये महिलाओं के खाते में भेज कर सता में आने की कोशिश में राजग सरकार युवाओं की जरूरत को कभी समझ ही नहीं पाई। उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2025 में परीक्षा कराने की बात कही गई थी, लेकिन सरकार की मनसा साफ नही थी। उसे मालूम था कि चुनावी आचार संहिता लागू होते ही परीक्षा टल जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव हो गए, सरकार भी बन गई, सरकार के वादे के बाद लंबा समय गुजर गया, लेकिन शिक्षक अभ्यर्थी अभी भी परीक्षा के इंतजार में हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उपमुख्यमंत्री रहते हुए सत्रह महीने में उन्होंने पांच लाख युवाओं को नौकरियां दीं और तीन लाख पचास हजार से अधिक नौकरियों की प्रक्रिया शुरू करवाई।

होर्मुज़ पर लगे संभावित शुल्क से नाराज़ तेल कंपनियां : रिपोर्ट्स

वाशिंगटन, (वार्ता/स्पूतनिक)। तेल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने व्हाइट हाउस से संपर्क कर होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए ईरान द्वारा संभावित शुल्क लगाए जाने की चर्चाओं पर चिंता जतायी है। यह जानकारी पॉलिटिको अखबार ने मामले से परिचित एक स्रोत के हवाले से दी है। रिपोर्टों के अनुसार, तेल कंपनियों के अधिकारियों ने व्हाइट हाउस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से अपील की है कि वे शांति वार्ता की शर्त के रूप में ईरान को इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए शुल्क लेने की अनुमति देने का विरोध करें। स्रोत के मुताबिक, तेल उद्योग के प्रतिनिधियों ने बुधवार सुबह अमेरिकी विदेश विभाग में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें अपनी चिंताओं से अवगत कराया। इस बीच, बुधवार को व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लीविट ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने पर शुल्क लगाने के प्रस्ताव पर आने वाले हफ्तों में चर्चा करेंगे। इस बीच, फाइनेंशियल टाइम्स ने ईरान के तेल, गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पाद निर्यातकों के संघ के आधिकारिक प्रवक्ता हामिद होसैनी के हवाले से बताया कि ईरान तेल टैंकरों को प्रति बैरल एक डॉलर के शुल्क पर होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति देने के लिए तैयार है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

कृतिका कामरा की शादी के बाद काम पर वापसी, लगातार प्रोजेक्ट्स में व्यस्त

बॉलीवुड अभिनेत्री कृतिका कामरा ने शादी के बाद काम पर वापसी कर ली है। कृतिका कामरा ने अपनी शादी के तुरंत बाद फिर से काम शुरू कर दिया है और पूरी तरह से अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट्स में जुट गई हैं। शादी के बाद उन्होंने थोड़ा सा ब्रेक लिया, लेकिन अब वह अपनी आने वाली सीरीज़ मटका किंग के प्रमोशन और साथ ही अपने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग में व्यस्त हैं। शादी के बाद कृतिका और उनके पति गौरव कपूर ने गोवा में तीन-चार दिन का छोटा सा ब्रेक लिया था, लेकिन दोनों के बिज़ी शेड्यूल के कारण वे जल्दी ही अपने-अपने काम पर वापस लौट आए। जहां गौरव आईपीएल के चलते अपने काम में लग गए, वहीं कृतिका भी तुरंत अपने प्रमोशन्स और शूटिंग में जुट गईं। करीबी सूत्रों के अनुसार ,कृतिका अपने समय को बहुत अच्छे से मैनेज कर रही हैं और मटका किंग के प्रमोशन के साथ-साथ अपनी फिल्म की शूटिंग भी कर रही हैं। उनका यह कमिटमेंट उनके काम के प्रति उनके जुनून को दिखाता है। कृतिका कामरा ने कहा,यह मेरे लिए बहुत खूबसूरत और खास समय था, लेकिन मैंने पहले से ही तय किया था कि मैं शादी से पहले और बाद में ज्यादा लंबा ब्रेक नहीं लूंगी। मैं और गौरव दोनों फिर से अपने काम पर वापस आ गए हैं और नई एनर्जी के साथ काम कर रहे हैं। मैं मटका किंग को लेकर बहुत एक्साइटेड हूं और अपनी फिल्म की शूटिंग पर वापस जाना भी मेरे लिए खास है, जिसके लिए मैं ट्रेनिंग कर रही हूं। आगे काफी काम है, लेकिन मुझे यही पसंद है।

78 वर्ष की हुईं जया भादुड़ी

अभिनेत्री जया भादुड़ी आज 77 वर्ष की हो गयी। जया भादुड़ी (जया बच्चन) का जन्म 09 अप्रैल 1948 को बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिता तरुण भादुड़ी पत्रकार थे।जया भादुड़ी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा संत जोसेफ कानवेंट से पूरी की। इसके बाद उन्होंने पुणा फिल्म इंस्टीच्यूट में दाखिला ले लिया ।सत्तर के दशक में अभिनेत्री बनने का सपना लेकर जया भादुड़ी ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रख दिया। जया भादुड़ी ने अपने सिने करियर की शुरुआत 15 वर्ष की उम्र में महान निर्माता- निर्देशक सत्यजीत रे की बंगला फिल्म महानगर से की।इसके बाद उन्होंने एक बंग्ला कॉमेडी फिल्म धन्नी मेये में भी काम किया, जो टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी।

जया भादुड़ी को प्रारंभिक सफलता दिलाने में निर्माता-निर्देशक ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्मों का बड़ा योगदान रहा।उन्हें पहला बड़ा ब्रेक उनकी ही वर्ष 1971 में प्रदर्शित फिल्म गुड्डी से मिला। इस फिल्म में जया ने एक ऐसी लड़की की भूमिका निभाई, जो फिल्में देखने की काफी शौकीन है और अभिनेता धर्मेंद्र से प्यार करती है ।अपने इस किरदार को जया भादुड़ी ने इतने चुलबुले तरीके से निभाया कि दर्शक उस भूमिका को आज भी भूल नही पाये हैं।वर्ष 1972 में जया भादुड़ी को ऋषिकेष मुखर्जी की ही फिल्म कोशिश में काम करने का अवसर मिला,जो उनके सिने करियर के लिये मील का पत्थर साबित हुयी।इस फिल्म की सफलता के बाद वह शोहरत की बुलंदियों पर जा पहुंचीं। वह इस फिल्म में दमदार अभिनय के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिए नामांकित भी की गयी।

फिल्म कोशिश में जया भादुड़ी ने गूंगे की भूमिका निभायी, जो किसी भी अभिनेत्री के लिये बहुत बड़ी चुनौती थी ।बिना संवाद बोले सिर्फ आंखो और चेहरे के भाव से दर्शको को सब कुछ बता देना जया भादुड़ी की अभिनय प्रतिभा का ऐसा उदाहरण था जिसे शायद ही कोई अभिनेत्री दोहरा पाये।कोशिश की सफलता के बाद ऋषिकेश मुखर्जी जया भादुड़ी के पसंदीदा निर्देशक बन गये। बाद में जया भादुड़ी ने उनके निर्देशन में बावर्ची, अभिमान, चुपके-चुपके और मिली जैसी कई फिल्मों में अपने अभिनय का जौहर दिखाया ।वर्ष 1972 में प्रदर्शित फिल्म एक नजर के निर्माण के दौरान जया भादुड़ी का झुकाव फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन की ओर हो गया ।इसके बाद जया भादुड़ी और अमिताभ बच्चन ने वर्ष 1973 में शादी कर ली ।शादी के बाद भी जया भादुड़ी ने फिल्मों में काम करना जारी रखा। जया भादुड़ी अपने सिने करियर में नौ बार फिल्मफेयर पुरस्कार से सम्मानित की जा चुकी है। रूपहले परदे पर जया भादुड़ी की जोड़ी अमिताभ बच्चन के साथ खूब जमी।अमिताभ और जया की जोड़ी वाली फिल्मों में जंजीर, अभिमान, मिली, चुपके-चुपके, शोले, सिलसिला, कभी खुशी कभी गम जैसी सुपरहिट फिल्में शामिल है।जया भादुड़ी के करियर की कुछ उल्लेखनीय फिल्मों में जवानी दीवानी, बावर्ची, परिचय, पिया का घर, शोर, अनामिका, फागुन, नया दिन नयी रात, कोई मेरे दिल से पूछे, लागा चुनरी में दाग, द्रोण और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी शामिल है।

पुष्पा हमेशा दिल से जीने वाली शख्सियत रही है :करुणा पांडे

करुणा पांडे का कहना है कि सोनी सब के शो पुष्पा इम्पॉसिबल में उनका किरदार पुष्पा हमेशा दिल से जीने वाली शख्सियत रही है। सोनी सब का शो पुष्पा इम्पॉसिबल एक भावनात्मक मोड़ लेने जा रहा है, जहाँ पुष्पा (करुणा पांडे) अपने जीवन के सबसे कठिन दौर का सामना करती दिखाई देंगी। ईमानदारी और हिम्मत के लिए जानी जाने वालीं] पुष्पा अचानक एक ऐसे विवाद में फंस जाती हैं, जो उनकी पूरी पहचान और मूल्यों पर सवाल खड़ा कर देता है। आने वाले एपिसोड्स में शनाया बच्चों को बापोदरा चाल में ट्यूशन देना शुरू करती है। एक

बच्चे को बुलींग का सामना करने पर उसका हौंसला बढ़ाने की कोशिश में शनाया की सलाह माता-पिता को खटक जाती है और टकराव की स्थिति बन जाती है। इसके बाद टेरेस को बंद कर दिया जाता है, लेकिन, शनाया हार नहीं मानती और तितली, अंश और रोशन की मदद से गुपचुप क्लासेस जारी रखती है। जब पुष्पा को इस बारे में पता चलता है तो वे हैरान होती हैं, लेकिन धीरे-धीरे शनाया की नीयत और उसकी ताकत को समझने लगती हैं। इसी बीच पुष्पा को यह भी पता चलता है कि शनाया ने अश्विन की मदद करने के लिए अपने कपड़े बेच दिए थे, जिसकी वजह से उसका लाइसेंस सस्पेंड हो गया। हालात और बिगड़ते हैं, जब शनाया को चिकनपॉक्स हो जाता है। ऐसे समय में पुष्पा उसका बेहद प्यार और अपनापन से ख्याल रखती हैं।

जिला कांग्रेस ने किसानों की अनेक समस्याओं के निराकरण के लिए ज्ञापन सौंपा

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

गुरुवार को जिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियो ने किसानों की अनेक समस्याओं के निराकरण के लिए नरसिह भवन के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए धरना दिया। जिला कांग्रेस ने गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर राज्यपाल के नाम डिप्टी कलेक्टर देवंती परते को किसानों की कई समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यकर्ता और किसान भी उपस्थित रहे। अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाई। ज्ञापन में बताया गया कि नरसिंहपुर जिला एक कृषि प्रधान जिला है, जहां के किसान लंबे समय से कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। कांग्रेस ने इन समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है। ज्ञापन में गेहूं खरीदी में हो रही देरी को तत्काल दूर कर खरीदी शुरू करने की मांग की गई। इसके साथ ही गेहूं एवं चना की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सुनिश्चित करने और किसानों को समय पर भुगतान करने की बात कही गई। कांग्रेस ने सभी खरीदी केंद्र तुरंत शुरू करने, बारदानों की पर्याप्त व्यवस्था करने और गेहूं खरीदी की लिमिट समाप्त करने की भी मांग की। जिन किसानों ने सोसाइटी का भुगतान नहीं किया है, उनकी अंतिम तिथि बढ़ाने का आग्रह किया गया। मूंग और मसूर की फसलों की भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की मांग की गई। किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ कर उन्हें ऋणमुक्त करने, बिजली विभाग द्वारा वसूली के नाम पर किसानों के साथ हो रही प्रताड़ना बंद करने, महंगाई पर नियंत्रण करने और गैस सिलेंडर की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल थी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने आरोप लगाए कि किसान अपनी मांगों को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन सरकार होने के बावजूद हालात बिगड़ते जा रहे हैं और किसानों के बीच असंतोष बढ़ रहा है।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है और आमजन के साथ अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही हैं। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले समय में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

उक्त मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता दीवान शैलेंद्र सिंह, लाखन सिंह पटेल, मीना शाह, चांदनी दीक्षित, रूद्रेश तिवारी , जिनेश जैन, संतोष पटेल , अरविंद पटेल वासनपानी, दिग्विजय सिंह, छोटे राजा भैया कौरव, ठाकुर कपिल सिंह, लखन पटेल , सतीश सेनी आदि ने प्रदेश और केंद्र सरकार पर कई आरोप लगाए सरकार को किसान युवा विरोधी बताया। साथ ही कहा कि महंगाई और बेरोजगारी हर घर को परेशान किए हुए है। नरसिंह भगवान के समक्ष धरना सभा का संचालन अजय दुबे एवं आभार प्रदर्शन धनीराम पटेल ने किया।

जिला कलचुरी समाज ने अनुविभागीय अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

खेत आगजनी पीड़ित परिवारजनों के पास पहुंचा समाज,हर संभव मदद का दिया अवश्वासन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

विगत दिवस गाडरवारा तहसील के अंतर्गत पनागर में कलचुरी समाज के परिवारों के ऊपर अपार दुखो का पहाड़ टूट गया है, उनकी लगभग 100 एकड़ गेहूं की फसल आग में जल गई है कुछ परिवारों को बहुत बुरी स्थिति से जूझना पड़ रहा है। ऐसी परिस्थितियों में जिला कलचुरी कलार समाज द्वारा पीड़ित परिवारों के समर्थन में अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र सहायता राशि प्रदान किए जाने की अपील की।

इस खेत आगजनी में समाज के आजाद चौकसे,राहुल चौकसे,उमाशंकर चौकसे, मनीश चौकसे,रामदयाल चौकसे,रमाकांत चौकसे इत्यादि को भारी नुकसान हुआ है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष पंकज चौकसे, जिला संयोजक किशोर राय के नेतृत्व में बड़ी संख्या में उपस्थित सामाजिक बंधुओं ने पीड़ित परिवारजनों के घर पहुंचकर हर संभव मदद का आश्वासन दिया। साथ ही ग्राम के स्वर्गीय हल्केवीर जी चौकसे जी को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष रविशेखर जायसवाल,महासचिव नरेंद्र राय,जिलाध्यक्ष युवा इकाई आशीष राय,गाडरवारा अध्यक्ष मनीष जायसवाल,तेंदूखेड़ा से पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष राजेश राय,रीतेश राय,राकेश जायसवाल,रूपेश राय,प्रमोद चौकसे,कैलाश राय,अखिलेश राय,रजनीश राय महेश राय पुरुषोत्तम राय सहित ग्राम पनागर से अनेक सामाजिक बंधु उपस्थित रहें।

उत्कृष्टता के लिए बबीता पटेल सम्मानित

नरसिंहपुर।स्वतंत्रमत।

जिला महिला बाल विकास के अंतर्गत ग्राम शाहपुर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बबीता पटेल को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। पत्रकार फाउंडेशन एवं मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन द्वारा पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं अन्य अतिथि गणमान्यजनों की विशेष उपस्थिति में बबीता पटेल को साल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। विदित हो कि शाहपुर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बबीता पटेल इसके पहले भी उत्कृष्ट कार्य एवं अपनी सक्रियता के लिए पुरस्कृत सम्मानित हो चुकी है। बबीता पटेल आंगनबाड़ी केंद्र में विभाग की योजनाओं कार्यक्रमों को समय सीमा में कर योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को पहुंचती हैं।

यही कारण है कि उनका चयन इस सम्मान के लिए किया गया। वहीं बबीता पटेल ने बताया कि विभाग के निर्देशानुसार आठवां पखवाड़ा 9 अप्रैल से 23 अप्रैल तक चलेगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर के प्राचार्य डॉ. आर. बी. सिंह के निर्देशन में एवं राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रानी कुमारी तथा सह प्रभारी प्रो. प्रीति कौरव के मार्गदर्शन में तथा दलनायिका मनीषा राजपूत एवं सह दलनायिका गरिमा पाण्डेय के नेतृत्व में *विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर छात्रा इकाई द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वास्थ्य जागरूकता से संबंधित आकर्षक एवं संदेशपूर्ण पोस्टर प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तनु नोरिया, द्वितीय स्थान अंजली चौधरी, तृतीय स्थान साक्षी रजक तथा चतुर्थ स्थान पिंकी पेहरा ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उमंग क्लीनिक से हेल्थ काउंसलर श्रीमती मृदुला सोनी एवं स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. देवेंद्र रिपुदमन सिंह , राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ रानी कुमारी , सह प्रभारी प्रो प्रीति कौरव, श्रीमती कल्पना साहू उपस्थित रहीं। इस अवसर पर श्रीमती मृदुला सोनी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम एवं मानसिक स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। युवाओं को तनाव से दूर रहकर सकारात्मक सोच अपनानी चाहिए। डॉ. देवेंद्र रिपुदमन सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि रोगों से बचाव ही सबसे बेहतर उपचार है। समय-समय पर स्वास्थ्य जांच, स्वच्छता एवं जागरूकता अपनाकर हम कई बीमारियों से बच सकते हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था, जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अंत में कार्यक्रम का औपचारिक आभार दलनायिका मनीषा राजपूत द्वारा व्यक्त किया गया।कार्यक्रम में दीक्षा वर्मा , यशिका सोनी , मुस्कान बी, शिखा साहू, साक्षी रजक, तनु नौरिया, अंजली चौधरी , हेमलता, अंजलि जाटव, किरण मेहरा आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

5 लाख 40 हजार रूपये कीमत की 54.1 ग्राम स्मैक रखे 2 स्मैक पैडलर्स गिरफ्तार

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर संदीप भूरिया एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) गाडरवारा ललित सिंह डागुर के निर्देशन तथा थाना प्रभारी गाडरवारा निरीक्षक अशोक सिंह चौहान के नेतृत्व में थाना गाडरवारा पुलिस की अलग-अलग टीमों के द्वारा 07/04/2026 को *02 ड्रग पैडलर्स के पृथक-पृथक कब्जे से कुल 5 लाख 40 हजार रूपये कीमत की कुल 54.1 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद* करने में सफलता हासिल की गई ।

दिनांक 07/04/2026 की शाम करीबन 4 बजे गाडरवारा पुलिस टीम द्वारा डमरू घाटी के बाजू में केंकरा रोड गाडरवारा में पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने वाले संदेही बाबूलाल कौरव पता छत्तर सिंह कौरव उम्र 54 वर्ष निवासी ग्राम बरहटा थाना गाडरवारा जिला नरसिंहपुर के कब्जे से 39 ग्राम स्मैक जिसकी कीमती करीबन 3 लाख 90 हजार रूपये है, जप्त किया गया ।

इसी प्रकार, दिनांक 07/04/2026 की रात करीबन साढ़े 11 बजे गाडरवारा पुलिस की एक अन्य टीम के द्वारा इमलिया मरघटा गाडरवारा के पास संदेह के आधार पर वीरेन्द्र भाट पिता लक्ष्मी प्रसाद भाट उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम कौड़िया थाना गाडरवारा जिला नरसिंहपुर के कब्जे से 15.1 ग्राम स्मैक जिसकी कीमती करीबन 1 लाख 50 हजार रूपये है,जप्त किया गया ।

पुलिस टीमों के द्वारा आरोपीगण को विधिवत गिरफ्तार किया गया । प्रकरण में जप्तशुदा अवैध मादक पदार्थ स्मैक के स्त्रोत के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपी बाबूलाल कौरव के द्वारा उक्त स्मैक कुछ दिन पूर्व अपने अन्य साथी से खिलचीपुर से लाना बताया । आरोपीगण के विरूद्ध थाना गाडरवारा में एन.डी.पी.एस. एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत पृथक-पृथक अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

अग्रवाल महिला मंडल का पांच दिवसीय पिरामिड ध्यान शिविर संपन्न

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। अग्रवाल महिला मंडल गाडरवारा के तत्वाधान में पांच दिवसीय पिरामिड ध्यान शिविर का आयोजन श्री देव बांके बिहारी जी मंदिर में दिनांक 4 अप्रैल 2026 से 8 अप्रैल 2026 तक किया गया। पिरामिड ध्यान शिविर की संचालक श्रीमती रागिनी बिश्नोई ने बताया ध्यान कैसे किया जाता है , पिरामिड ध्यान तनाव और चिंता को कम करने में मदद करता है। ऊर्जा को बढ़ाता है और मानसिक शांति प्रदान करता है अग्रवाल समाज गाडरवारा की महिलाओं ने भाग लिया । अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मृदुला अग्रवाल उपाध्यक्ष कल्पना बंसल , अनुराधा खजांची, सचिव साधना अग्रवाल सहसचिव प्रीति अग्रवाल, रचना अग्रवाल ,संपदा अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष श्वेता अग्रवाल ने शिविर को सफलतम बनाने सहयोग प्रदान किया।

शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज का आगमन 22 को

नरसिंहपुर। शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज 22 अप्रैल को शाम 5 बजे पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम आशीर्वाद वचन देंगे। उनके आगमन को लेकर सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद की सामाजिक एवं वैवाहिक पत्रिका के विमोचन, पादुका पूजन एवं आशीर्वचन हेतु अनंत श्री विभूषित पश्चिमाम्नाय द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज के 22 अप्रैल को आगमन को लेकर कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष श्रीमती विवेक पांडे, नगर अध्यक्ष श्रीमती सुनंदा भट्ट की उपस्थिति मे आयोजित की गई। पूर्व विधायक संजय शर्मा जी के साथ बैठक कर कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर चर्चा की उन्होंने आश्वासन दिया कि वे पूर्ण सहयोग करेंगे एवं शंकराचार्य महाराज के स्वागत पूजन अर्चन, मंच व्यवस्था अतिथि सत्कार पर योजना बनाई गई । इस अवसर पर सरला पांडे,अरूणा दुबे, शालिनी दुबे, प्रवीणा गोस्वामी, पूर्णिमा शुक्ला,नीरा बुधौलिया, नंदिता चौबे, मंजुलता पांडे,सपना शर्मा, संचिता दुबे,कविता दुबे, मंजू दुबे,नीता भारद्वाज, कीर्ति पालीवाल,सोनल दुबे, श्रेया पांडे ने अपनी बात रखी।बैठक में सनातन ब्राह्मण समाज से पधारे विप्र बंधु राकेश दुबे, नवीन पांडे एवं नीटू सोनकिया ने सहयोग देने का आश्वासन दिया।

एनटीपीसी विंध्याचल के यूनिट-12 ओवरहॉलिंग टीम को ऊर्जा देने के लिए मेगा पेप टॉक का आयोजन

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)।

एनटीपीसी विंध्याचल के स्टेज-4 में यूनिट-12 ओवरहॉलिंग टीम को प्रेरित करने हेतु एक प्रभावशाली मेगा पेप टॉक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा प्रत्येक कर्मचारी को सुरक्षित कार्य संस्कृति अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में परियोजना प्रमुख (विंध्याचल) श्री संजीब कुमार साहा उपस्थित रहे। उन्होंने सभी कर्मचारियों को सुरक्षा शपथ दिलाई और भावनात्मक संदेश देते हुए कहा कि हर कर्मचारी अपनी सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करे, ताकि उनके परिजन उन्हें प्रतिदिन सुरक्षित और स्वस्थ घर लौटते हुए देख सकें।

वरिष्ठ प्रबंधन ने भी अपने विचार साझा करते हुए सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। श्री ए. जे. राजकुमार, महाप्रबंधक(प्रचालन एवं अनुरक्षण) ने पीपीई को दैनिक वर्दी के रूप में अपनाने की आवश्यकता बताई। वहीं श्री एम. सुरेश, महाप्रबंधक(अनुरक्षण एवं एडीएम) ने च्सुरक्षा परमोधर्मज्ञ का संदेश दिया। श्री एस. के. सिन्हा, महाप्रबंधक(प्रचालन एवं एफएम) ने टूल बॉक्स टॉक के बाद पीपीई के नियमित उपयोग और सुरक्षा नियमों के कड़ाई से पालन पर बल दिया।

श्री आशीष अग्रवाल, अपर महाप्रबंधक(सुरक्षा) ने भीषण गर्मी के दौरान आवश्यक सावधानियों पर प्रकाश डालते हुए कर्मचारियों से स्वयं के साथ-साथ अपने सहकर्मियों का भी ध्यान रखने का आग्रह किया। कार्यक्रम में श्री संदीप कोहली, अपर महाप्रबंधक(ईएमडी) तथा श्री प्रगीत उपाध्याय, अपर महाप्रबंधक(बीएमडी) ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

इस कार्यक्रम में लगभग 300 से अधिक कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही विभिन्न विभागाध्यक्षों द्वारा नामित 45 सुरक्षा-सचेत कर्मचारियों को प्रेरणा स्वरूप उपहार देकर सम्मानित किया गया।

इस प्रकार के मेगा पेप टॉक कार्यक्रम प्रबंधन और संविदा कर्मियों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं, जो सुरक्षा संस्कृति को और सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं।कार्यक्रम का समापन श्री आशीष अग्रवाल, अपर महाप्रबंधक(सुरक्षा) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उत्साहपूर्ण सहयोग की सराहना की।

नामचीन सटोरिए गिरफ्तार

गोवा से सट्टे का नेटवर्क ऑपरेट कर रहे माधवनगर के बुकीज, पुलिस की रेड

मास्टर माइंड अंडरग्राउण्ड दो का पुलिस रिमांड, 4 गए जेल

कटनी (स्वतंत्रमत)

आईपीएल मैच के दौरान माधवनगर के चर्चित सटोरिए कटनी से दूर गोवा में बैठकर पूरे देश में सट्टे के कारोबार को संचालित कर रहे थे। इस बात का खुलासा माधवनगर पुलिस की छापामार कार्यवाही से हुआ है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम ने कार्यवाही करते हुए सट्टेबाजों को गोवा से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की ली है। माधवनगर पुलिस ने छापामार कार्यवाही करते हुए गोवा से माधवनगर के 4 नामचीन सटोरियों को पकड़ा है तो कटनी से दो सट्टा कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे क्लीन लिफ्ट ऑपरेशन के तहत क्रिकेट सट्टेबाजी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए माधवनगर पुलिस ने अंतर्राज्यीय सट्टा गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस के अनुसार माधवनगर में सक्रिय सट्टा कारोबारी पिंका आडवाणी, बंटी वाधवानी, सुनील मुलजानी, रोहित जयसिंघानी, राहुल आहूजा को गिरफ्तार किया गया है। ये आरोपी कटनी के अलावा कल्याण, जयपुर और गोवा में भी नेटवर्क बनाकर ऑनलाइन सट्टा कारोबार संचालित कर रहे थे। इस गिरोह के माध्यम से करोड़ों रुपए का लेन-देन होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि अवैध सट्टेबाजी के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। आरोपियों के पास से मोबाइल फोन और सट्टे के हिसाब-किताब से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए हैं। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनके जरिए सट्टा संचालन करने वाले मुख्य सरगनाओं की तलाश की जा रही है।

करोड़ों का हिसाब और ऑनलाइन नेटवर्क

पुलिस की प्राथमिक जांच और जब्त दस्तावेजों से यह खुलासा हुआ है कि यह गिरोह न केवल कटनी, बल्कि कल्याण, जयपुर और गोवा जैसे शहरों में अपना नेटवर्क फैला चुका था। आरोपियों के पास से मिले मोबाइल फोन और डायरियों में करोड़ों रुपये के लेन-देन का हिसाब मिला है। यह गिरोह अत्याधुनिक ऐप्स और ऑनलाइन लिंक के माध्यम से आईपीएल मैचों पर हार-जीत का दांव लगवा रहा था। पुलिस की इस दबिश के बाद सट्टा बाजार में हडकंप मच गया है। माधवनगर क्षेत्र में सक्रिय कई नामचीन सटोरिए पुलिस की भनक लगते ही भूमिगत हो गए हैं। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनके जरिए सट्टा संचालन करने वाले मुख्य सरगनाओं की तलाश की जा रही है।

बड़े सटोरियों पर कब होगी कार्रवाई

सूत्रों के अनुसार क्रिकेट सट्टे के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है लेकिन अभी तक पुलिस के हाथ सट्टा कारोबार के मुख्य सरगनाओं तक नहीं पहुंच पाए हैं। बताया जाता है कि बड़े सटोरिये पुलिस से बचने के लिए साउंड प्रूफ एवं सुरक्षित स्थानों से ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि कुछ बड़े सटोरियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के कारण उन तक कार्रवाई की पहुंच सीमित हो जाती है। पुलिस कप्तान द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन क्लीन लिफ्ट के तहत अब तक कई बुकियों को गिरफ्तार किया जा चुका है लेकिन मास्टरमाइंड की तलाश जारी है। अधिकारियों का मानना है कि मुखबिर तंत्र को और सक्रिय कर बड़े नेटवर्क तक पहुंच बनाई जाएगी।

युवाओं को बरबाद कर रहे सटोरिए

क्रिकेट बुकीज सट्टे की बुकिंग कर युवाओं को इस गोरखधंधे में लिप्त कर रहे और अवैध कमाई से धनपति बन रहे और शार्ट टाइम में ज्यादा पूंजी बनाने का सपना दिखाकर युवाओं और ज्यापारियों को बर्बाद करने का काम करते है। क्रिकेट सट्टे में अब तक सैकड़ों परिवार बर्बाद हो चुके है। यहां तक की क्रिकेट मैच में जुआ खेलकर सट्टे लगाकर कर्ज में फंस जाते है और अनेको कर्ज उधार और ब्याज पर लिए रुपयों को न चुका पाने के कारण आत्महत्या तक कर चुके है।

नवीनीकरण उर्जा कि ओर बढ़ते कदम घरेलू उपभोक्ताओं से अपील सोलर अपनायें

पीएम सूर्य घर मूक्त बिजली योजना का लाभ पाये

कटनी (स्वतंत्रमत)

भारत सरकार ने सोलर रूफटॉप क्षमता की हिस्सेदारी बढ़ाने और घरेलू परिवार को अपनी बिजली उत्पादन करने व शसक्त बनाने हेतु फरवरी-2024 में पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना लागू की गई है जिसके तहत् कटनी जिले में उपभोक्ताओ को लाभांश प्रदान करने हेतु पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के अंतर्गत उनके द्वारा उपयोग की जा रही बिजली खपत के आधार पर सोलर रूफटॉप कनेक्शन प्रदान करने की कार्यवाही लगातार जारी है, जिसमे उपभोक्ता द्वारा उपयोग की जा रही बिजली की खपत यदि 0 से 150 यूनिट है तो उसके लिये 1 किलोवाट, 150 से 300 यूनिट की खपत पर 2 किलोवाट, व 300 से अधिक यूनिट की खपत पर 3 किलोवाट तक के सोलर रूफटॉप के कनेक्शन उपभोक्ताओ को प्रदान किये जा रहे है। पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना अंतर्गत यदि उपभोक्ताओ द्वारा 1 से 2 किलोवाट के सोलर रूफटॉप के कनेक्शन लिये जाने पर प्रति केडाब्लू 30000/- रू. एवं 3 किलोवाट के सोलर रूफटॉप के कनेक्शन पर उन्हे 78000/- रू. प्रति किलोवाट तक की सब्सिडी उपभोक्ताओ के लाभांश के तहत् प्रदान की जा रही है। शहर कटनी जिले में पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजनातंर्गत सोलर रूफटॉप के कनेक्शन प्रदान करने हेतु वृहद मात्रा में प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। शहर सभाग कटनी विद्युत विभाग अंतर्गत 08 अप्रैल को जिला कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देशन एवं अधीक्षण अभियंता (सं/सं) कटनी वृत्त के मार्ग दर्शन में समस्त सौलर वेन्डरो की उपस्थिति में सोलर रूफटॉप के कनेक्शनो को तीव्र गति से उपभोक्ताओ के परिसर में सफलतापूर्वक प्रदान करने के लिये समीक्षा बैठक कर समस्त सौलर वेन्डरो को निर्देशित किया गया कि पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना का प्रचार-प्रसार किये जाने हेतु एक वाहन संलग्न कर लाउड स्पीकर के माध्यम से पूर्ण शहर में प्रचार प्रसार कराया जाएगा, इसके साथ ही संभागीय कार्याल गणेश चैक कटनी पर 1 नग स्टॉल लगवाकर भी उक्त योजना का प्रचार-प्रसार करवाया जाएगा, जिससे कि अधिक से अधिक संख्या में उपभोक्ता पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के अंतर्गत सोलर रूफटॉप का कनेक्शन प्राप्त कर उक्त योजना का लाभ उठा सकेंगे शहर सभाग कटनी जिले में वर्ष 2026-27 अंतर्गत लगभग सात से आठ हजार उपभोक्ताओं को लाभांश प्रदान किये जाने हेतु सोलर रूफटॉप कनेक्शन प्रदान किया जाना है। आज दिनांक तक कटनी जिले में लगभग 1348 उपभोक्ता द्वारा सोलर रूफटॉप कनेक्शन प्रदान किया जा चुका है तथा 390 उपभोक्ताओ को कनेक्शन प्रदान किया जाने हेतु प्रकिया धीन है। अतएव उपभोक्ताओ से अपील है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना का लाभ उठा कर आर्थिक लाभ प्राप्त करें साथ ही वातारण के प्रति कार्बन उत्सर्जन में कमी एवं स्वंय ऊर्जा का उत्पादन करते हुए वातावरण के लिये महत्वपूर्ण भागदारी प्रदान करे। कार्यपालन अभियंता (शहर संभाग) मुकेश मोहबे द्वारा जानकारी प्रदान की गयी जिसमें कटनी शहर में सोलर संबंधी कार्य हेतु विद्युत विभाग मे अधीकृत/रजिस्टर्ड वेंडरों की समीक्षा बैठक में मोहित दुबे (स्थ्बष्ठ स्ड्डस्त्र), निख्लीश्वोर (ह्ल स्ड्डस्त्र) जनार्धन प्यासी (ह्ल्ढ ह्यश्वद्यड्डह्) मुकेश तिवारी, (स्ह स्ड्डह्श्व स्ड्डस्त्र) आशुतोष मिश्रा, (क्कह्लढ्ढ स्ड्डस्त्र) विकाश जसूजा (क्कढ्ढ स्ड्डस्त्र) अकुंश अरोरा (चढ्डह्लह्ल क्चह्लढ्ढश्वक्रढ्ढ) पंकज शर्मा, (स्स् श्वह्लढ्ढश्वक्रक्काढ्डस्श्वह्) एंव बसंत आसरानी (क्क्रह्लढ्ढ स्ड्डस्त्र) उपस्थित हुए जिसमें पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना अंतर्गत ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ताओं से संपर्क स्थापित कर पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना का लाभांश प्रदान करने हेतु प्रेरित किया गया।

खनिज माफियाओं पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स ने बुधवार को बड़वारा तहसील के विभिन्न नदी घाटों पर सघन अभियान चलाया, जिसमें कई अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई गई। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) प्रमोद चतुर्वेदी के नेतृत्व में खनिज, राजस्व, परिवहन और पुलिस विभाग के संयुक्त दल ने क्षेत्र के बसाड़ी, भदौरा, सकरीगढ़, सुड्डी सहित आसपास के नदी घाटों पर दबिश देकर व्यापक निरीक्षण किया। कार्रवाई के दौरान पाया गया कि स्थानीय स्तर पर अवैध खनन और परिवहन को सुगम बनाने के लिए कई अस्थायी पहुँच मार्ग बनाए गए थे। संयुक्त अमले की मौजूदगी में इन सभी अवैध रास्तों को जेसीबी मशीन द्वारा पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया, जिससे खनिज माफियाओं की गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से रोक लग सके। निरीक्षण के दौरान अवैध परिवहन में संलिप्त एक वाहन को भी जब्त किया गया और उसके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन की इस संयुक्त कार्रवाई में पुलिस, राजस्व, खनिज और परिवहन विभाग की सक्रिय भूमिका रही। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में खनिज संपदा के अवैध दोहन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे तत्वों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई में अनुविभागीय दंडाधिकारी प्रमोद चतुर्वेदी, उपसंचालक खनिज आरके दीक्षित, तहसीलदार बड़वारा ऋषि गर्ग, सहायक खनिज अधिकारी पवन कुशवाहा, नायब तहसीलदार हर्षवर्धन रामटेके, उपनिरीक्षक पुलिस रामनाथ साकेत सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन द्वारा खनिज माफियाओं के विरुद्ध यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बड़वारा में विकास कार्यों पर एसडीएम की सख्ती

पेयजल, वैक्सीनेशन और राजस्व मामलों में अधिकारियों को कड़े निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) प्रमोद चतुर्वेदी द्वारा बुधवार को तहसील बड़वारा सभाकक्ष में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पेयजल व्यवस्था, एचपीवी वैक्सीनेशन, ई-विकास पोर्टल, ई-उपार्जन, फार्मर रजिस्ट्रि, सीमांकन, एलपीजी एवं खाद्यान्न वितरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पीएचई उपयंत्री को सभी खराब हैंडपंपों की शीघ्र मरम्मत कराने और नलजल योजनाओं को शत-प्रतिशत संचालित करने के निर्देश दिए गए। सीईओ जनपद पंचायत एवं तहसीलदार को पेयजल संकट वाले ग्रामों में आवश्यकता अनुसार टैंकर से जल आपूर्ति सुनिश्चित कराने को कहा गया। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि कलेक्टर द्वारा 1 अप्रैल से नए नलकूप खनन पर प्रतिबंध लागू है, जिसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। जहां पेयजल संकट की स्थिति है, वहां निजी बोर का अधिग्रहण कर ग्रामीणों को राहत देने के निर्देश दिए गए। एचपीवी वैक्सीनेशन की समीक्षा के दौरान खंड चिकित्सा अधिकारी राममणि पटेल की बिना सूचना अनुपस्थिति पर एसडीएम ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि 14-15 वर्ष आयु वर्ग की सभी पात्र बालिकाओं का शत-प्रतिशत चिन्हांकन कर टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए शिक्षा विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वय बनाने के निर्देश दिए गए। ई-विकास पोर्टल के संचालन के लिए संबंधित कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिलाने हेतु वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी को निर्देशित किया गया। वहीं ई-उपार्जन पोर्टल पर किसानों के पुनः सत्यापन (री-वेरिफिकेशन) के लिए तहसीलदार को जिम्मेदारी सौंपी गई। फार्मर रजिस्ट्री में कम प्रगति पाए जाने पर तीन पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही लंबित सीमांकन प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने को कहा गया। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी से एलपीजी एवं खाद्यान्न वितरण की समीक्षा करते हुए समयबद्ध और पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में तहसीलदार ऋषि गौतम, सीईओ जनपद पंचायत प्रभावती तेकाम, जेएसओ यज्ञदत्त त्रिपाठी, एसएडीओ आरके रावत, बीईओ एसएम सिंह, बीआरसी शशांक तेकाम, पीएचई उपयंत्री अखिलेश सार्वे, महिला बाल विकास विभाग से अर्पिता प्यासी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में एसडीएम प्रमोद चतुर्वेदी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करते हुए समयसीमा में लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें और लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

9 वाहन जब्त, ओवरलोडिंग और बिना परमिट बसें पकड़ी गई

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर कटनी के निर्देश एवं मार्गदर्शन में जिले में अवैध एवं नियम विरुद्ध संचालित वाहनों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष पॉल द्वारा लगातार तीसरे दिन भी सघन जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान कटनी-उमरिया मार्ग एवं कैमोर रोड पर अचानक दबिश देकर संचालित किया गया, जिससे वाहन चालकों में हड़कंप की स्थिति देखी गई। अभियान के दौरान लगभग 45 वाहनों की बारीकी से जांच की गई। जांच के दौरान दस्तावेजों की वैधता, फिटनेस, परमिट, ओवरलोडिंग तथा यात्री सुरक्षा संबंधी मानकों की विशेष रूप से जांच की गई। इस कार्रवाई में कुल 9 वाहनों में गंभीर कमियां पाई गईं, जिन पर तत्काल कार्रवाई करते हुए नियमानुसार जब्ती की कार्यवाही की गई। जांच के दौरान 5 ट्रकों में आवश्यक दस्तावेजों की कमी एवं नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर उन्हें थाना कैमोर में सुरक्षित रखा गया। इसके अतिरिक्त 2 ट्रक ओवरलोड पाए गए, जो निर्धारित भार सीमा से अधिक माल लेकर संचालित हो रहे थे। ओवरलोडिंग को सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा मानते हुए इन दोनों ट्रकों पर भी कार्रवाई करते हुए उन्हें जब्त किया गया। अभियान के दौरान 2 यात्री बसें बिना वैध परमिट के कटनी से संचालित होती हुई पाई गईं। इन बसों के पास वैध दस्तावेज न होने के कारण यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए दोनों बसों को तत्काल जब्त कर थाना कुठला में सुरक्षित रखा गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना परमिट संचालित यात्री वाहन न केवल नियमों का उल्लंघन हैं बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बनते हैं। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष पॉल ने बताया कि जिले में अवैध परिवहन गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने वाहन संचालकों को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण रखें एवं निर्धारित नियमों का पालन करें।

नवकार मंत्र के उच्चारण से गूंज उठा सारा प्रांगण

कटनी (स्वतंत्रमत)। विश्व नवकार दिवस के उपलक्ष में जैन मिलन एवं महिला जैन मिलन कटनी द्वारा दिगम्बर जैन बड़े मंदिर में आयोजन रखा गया जिसमे समाज की सभी धर्म प्रेमी जनता ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया, कार्यक्रम की सुरुवात दीप प्रजूलान सुकीर्ति जैन (पूर्व विधयाक), सुभाष सिंघई, राजू जैन (हल्दीराम), संजय जैन (पंचायत अध्यक्ष) द्वारा किया गया। कार्यक्रम का मांगलाचारण नीतू जैन, मीनू जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जैन मिलन संस्था से वीर मनीष जैन, वीर राहुल जैन, वीर संजीव जैन, वीर रानू जैन, वीर विभोर जैन एवं महिला जैन मिलन से वीरांगना निशा जैन, वीरांगना रंजना जैन, वीरांगना नम्रता जैन, वीरांगना शरद जैन, वीरांगना अनमोल जैन एवं सभी सदस्यो की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में सभी का स्वागत, सम्मान संचित जैन (मंत्री) द्वारा किया गया एवं अंकुर जैन गिफ्ट (अध्यक्ष) द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

हम शिक्षक हैं, हमें पढ़ाने दो, के जयघोष नारों के साथ हजारों शिक्षकों ने किया विरोध सौंपा ज्ञापन

कटनी (स्वतंत्रमत)। टेट की अनिवार्यता के विरोध में शिक्षक संयुक्त मोर्चा के प्रांतीय आह्वान पर जिले भर के हजारों शिक्षकों ने एकजुट होकर ज्ञापन सौंपा तथा टेट संबंधी प्रावधान को वापस लेने की मांग की। संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधि ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा ऐसे आदेश जारी किए गए हैं जिनमें कहा गया है कि जिन शिक्षकों ने टेट परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है, उनके लिए जुलाई-अगस्त में संभावित परीक्षा आयोजित की जा सकती है तथा असफल होने की स्थिति में अनिवार्य सेवानिवृत्ति जैसी कार्यवाही भी संभव है। उन्होंने कहा कि जब टेट परीक्षा वर्ष 2011 में प्रारंभ हुई, तब वर्ष 2010 अथवा उससे पूर्व नियुक्त शिक्षकों को इसके लिए उत्तरदायी ठहराना न्यायसंगत नहीं है। वर्षों से नियमपूर्वक सेवा दे रहे शिक्षकों पर इस प्रकार का संकट खड़ा करना अत्यंत गंभीर एवं चिंताजनक विषय है। इसी गंभीर समस्या को लेकर जिले के हजारों शिक्षकों ने संगठित होकर अपना विरोध दर्ज कराया और शासन से मांग की कि पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टेट की अनिवार्यता से मुक्त किया जाए। इस अवसर पर जिले के विभिन्न शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभा को सरमन तिवारी, संजय अग्रवाल, नवनीत चतुर्वेदी, राकेश दुबे, विपिन तिवारी, जे.पी. हल्दकार, रमाशंकर तिवारी, आशीष उरमलिया, संजय मिश्रा, शिवदास यादव, विनीत मिश्रा, रामाधार सरावगी, अखिलेश पांडेय, इलयास खान, रजनीश तिवारी, राकेश रंजन परोहा, सुशील तिवारी, मनीष दीक्षित, सुशील दुबे, रीना साहू, राम बाई कोल, शिवानी मिश्रा, वीणा द्विवेदी, शालनी तिवारी, सुखदेव चौरसिया सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन पीतांबर शुक्ला एवं राकेश रंजन परोहा द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन जे पी हल्दकार द्वारा किया गया।

कटनी में गेहूं खरीदी को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

कटनी (स्वतंत्रमत)

समर्थन मूल्य पर होने वाली गेहूं की खरीदी प्रारंभ होने की तिथियों में बार बार बढ़ोत्तरी करने सहित अन्य किसानों की समस्याओं को लेकर जिला कांग्रेस ने गुरुवार को विरोध प्रदर्शन किया और भाजपा सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कलेक्टर के नाम संयुक्त कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। संयुक्त कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने से पूर्व सभी कांग्रेस जन जिला अध्यक्ष कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह एवं शहर अध्यक्ष अमित शुक्ला के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट के बाहर जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि वर्तमान भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों के कारण प्रदेश का अन्नदाता गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। गेहूं उपार्जन की तिथियों में बार-बार परिवर्तन 23 मार्च, 1 अप्रैल, 10 अप्रैल, 15 अप्रैल किए जाने से किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है तथा उन्हें अपनी उपज बेचने में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा सहकारी संस्थाओं के माध्यम से किसानों के ऋण वसूली की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित किए जाने के कारण बड़ी संख्या में किसान डिफाल्टर घोषित हो गए हैं। इसके परिणामस्वरूप किसानों को मजबूरी में अपनी उपज 2000 से 2200 रुपये प्रति क्विंटल के कम दामों पर बेचनी पड़ रही है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं पड़ोसी राज्य राजस्थान में 16 मार्च से गेहूं उपार्जन प्रारंभ हो चुका है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों के हितों की अनदेखी कर रही है। गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया को तत्काल सुचारू रूप से प्रारंभ किया जाए। किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदी सुनिश्चित की जाए। ऋण वसूली की समय-सीमा में वृद्धि कर किसानों को राहत प्रदान की जाए। किसानों को उचित मूल्य दिलाने ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए जाएं। उपरोक्त समस्याओं का शीघ्र निराकरण कर किसानों को राहत प्रदान करें, अन्यथा जनआक्रोश को देखते हुए व्यापक आंदोलन किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अमित शुक्ला, गणेश राव, सत्येन्द्र सिंह भदौरिया, कल्लूदास बैरागी, अजय गर्ग, जितेन्द्र सिंह, सरमन चौधरी, मंगल सिंह, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष सुशील जायसवाल,आदि उपस्थित रहे।

सूर्यवंशी और विराट की टक्कर पर रहेगी नज़र

गुवाहाटी (वार्ता)।

अगर क्रिकेट कोई थिएटर होता, तो शुक्रवार रात गुवाहाटी में दर्शकों से भरा मैच होता और आतिशबाजी की गारंटी होती, क्योंकि राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा। बरसापारा स्टेडियम में गेंदबाजों को शायद ही कोई हमदर्दी मिले। यह ऐसी पिच है जहाँ बल्लेबाज मुस्कुराते हुए आते हैं और गेंदबाज समझदारी से जाते हैं। इसमें ओस की हल्की मार भी जोड़ लें, और टॉस जीतने वाले कप्तान शायद बहादुरी से नहीं, बल्कि समझदारी से चेज करना चुनें।

राजस्थान रॉयल्स ने अपने कैंपेन की शुरुआत एक अच्छे से लिखे गए शुरुआती चैप्टर की तरह की है - धाराप्रवाह, कॉन्फिडेंट और जिसमें कोई गलती निकालना मुश्किल है। यशस्वी जायसवाल बिना किसी लापरवाही के तेज रहे हैं, रियान पराग ने हैरानी की बात है कि आसानी से लीडरशिप निभाई है, और शिमरोन हेटमायर वही कर रहे हैं जो वह सबसे अच्छा करते हैं - शानदार तरीके से खत्म करना। युवा वैभव सूर्यवंशी को लेकर भी एक शांत जिज्ञासा है, जिनकी टीम में मौजूदगी ने दिलचस्पी जगाई है, भले ही अभी तक निर्णायक असर न हुआ हो। इस बीच, जोफ्रा आर्चर उनका सबसे तेज हथियार बने हुए हैं, जो सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों को भी परेशान कर सकते हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, जो कभी ड्रामा से कम नहीं होती, अपना अलग ही तमाशा लेकर आती है। विराट कोहली अभी भी ऐसे बल्लेबाज़ी करते हैं जैसे वे समय देना नहीं चाहते, अपना विकेट तो दूर की बात है। उनके आस-पास टिम डेविड और रजत पाटीदार जैसे खिलाड़ी बहुत ज़्यादा खेलते हैं - रन, इरादे और कभी-कभी, जोखिम भी। जब उनका दिन होता है, तो वे टारगेट का मज़ाक उड़ा सकते हैं; दूसरे दिन, वे उथल-पुथल मचाते हैं। इतिहास बेंगलुरु को थोड़ी बढ़त देता है, लेकिन इतिहास, जैसा कि क्रिकेट में अक्सर होता है, एक भरोसेमंद कहानीकार साबित नहीं हो सकता है। फॉर्म राजस्थान का साथ देता है, स्टाइल बेंगलुरु का है, और हालात दोनों के लिए मौज-मस्ती का वादा करते हैं। आखिर में, यह मुकाबला इस बात का नहीं हो सकता कि कौन बेहतर क्रिकेट खेलता है, बल्कि इस खेल में कौन कम गलती करता है जो हिचकिचाहट को सज़ा देने के लिए बनाया गया है। बाउंड्री की उम्मीद करें, मोमेंटम स्विंग की उम्मीद करें, और सबसे बढ़कर, यह याद दिलाने की उम्मीद करें कि मॉडर्न क्रिकेट में, संयम एक ऐसा गुण है जो बहुत कम इस्तेमाल किया जाता है।

भारतीय महिलाएं मेडल चार्ट में टॉप पर, 4 गोल्ड जीते

उलानबटार (वार्ता)। भारतीय महिला टीम ने एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया, चार गोल्ड, दो सिल्वर और चार ब्रॉन्ज़ सहित कुल 10 मेडल जीतकर मेडल चार्ट में टॉप पर रही, जिससे कॉन्टिनेंटल स्टेज पर उनका दबदबा दिखा। हेड कोच सैंटियागो नीवा की देखरेख में, महिला टीम की हर सदस्य मेडल के साथ घर लौटी, जिससे कॉन्टिनेंटल कॉम्पिटिशन पर उनका दबदबा कायम हुआ। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट अजय सिंह की मौजूदगी में, मीनाक्षी (48किग्रा) ने मंगोलिया की नोमुंदरी एनख-अमगलन पर 5-0 की शानदार जीत के साथ दिन का पहला गोल्ड जीतकर शुरुआत की। प्रीति (54किग्रा) ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए, चीनी ताइपे की हुआंग सियाओ-वेन को, जो तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन और टोक्यो 2020 ओलंपिक ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट हैं, 5-0 के एकमत फैसले से हराकर टॉप पोडियम पर जगह बनाई। प्रिया (60किग्रा) ने फाइनल में नॉर्थ कोरिया की वॉन उन-ग्योंग पर 3-0 की शानदार जीत के साथ भारत की गोल्ड मेडल की गिनती में और इजाफा किया। अरुंधति (70किग्रा) ने भी अपनी कैटेगरी में कजाकिस्तान की बाकित सेइदिश के खिलाफ 4:1 से जीत दर्ज करके गोल्ड मेडल जीता। भारत ने अपनी गिनती में दो सिल्वर मेडल जोड़े, जिसमें जैस्मीन (57किग्रा) एक मजबूत कैंपेन के बाद रनर-अप रहीं, जबकि अल्फियान पठान (80 किग्रा) ने भी अपने आखिरी मुकाबले के बाद सिल्वर मेडल जीता। इस एडिशन में शामिल किसी भी देश से सबसे ज्यादा 16 मेडल पक्के करने के बाद, भारत शुक्रवार को टूर्नामेंट को मजबूती से खत्म करना चाहेगा, जिसमें दो पुरुष बॉक्सर फाइनल में होंगे।

ब्राज़ील की लॉरा कार्डोसो ने टी-20 में नौ विकेट लेकर रचा इतिहास

ब्रासीलिया (वार्ता)। ब्राजील महिला टीम की तेज गेंदबाज लॉरा कार्डोसा ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए टी-20 की एक पारी में नौ विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। लॉरा ने लेसोथो के खिलाफ यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। लॉरा कार्डोसो ने ब्राजील बनाम लेसोथो मुकाबले में टी-20 इतिहास में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के आंकड़े दर्ज कराया। इस रिकॉर्ड के साथ ही वह पुरुष या महिला टी-20 क्रिकेट में एक ही पारी में नौ विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। लॉरा कार्डोसो ने लेसोथो के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की और अपने तीन ओवरों में 9/4 के असाधारण आंकड़े दर्ज किए, जो टी-20 क्रिकेट के इतिहास में अब तक का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। इससे पहले यह रिकॉर्ड भूटान के सोनम येशे के नाम था, जिन्होंने 2025 में म्यांमार के खिलाफ एक पुरुष टी-20 मैच में केवल सात रन देकर आठ विकेट लिए थे। महिला टी- 20 मैचों में लॉरा कार्डोसो ने 2024 में मंगोलिया के खिलाफ इंडोनेशिया की रोहमालिया के 7/0 के आंकड़े को भी पीछे छोड़ दिया।

आयुष शेट्टी क्वार्टर फाइनल में, सिंधु बाहर

निंगबो (वार्ता)।

यूएस ओपन 2025 के चैंपियन आयुष शेट्टी ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा और बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले अकेले भारतीय सिंगल्स खिलाड़ी बन गए। उन्होंने चीनी ताइपे के ची यू जेन को सीधे गेम में 21-16, 21-12 से हराया। पहली बार दुनिया के 20वें नंबर के खिलाड़ी का सामना करते हुए, शेट्टी ने शुरुआती राउंड से ही अपनी लय बनाए रखी। उन्होंने दोनों गेम में शुरुआती बढ़त बनाई, पहले गेम में थोड़ी देर के लिए एक टीम का सामना किया, फिर जीत हासिल की। दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी ने पूरा कंट्रोल दिखाया और 41 मिनट में सीधे गेम में आसान जीत हासिल की। शेट्टी को अब क्वार्टर फाइनल में इंडिया ओपन 2026 के रनर-अप इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से कड़ी चुनौती मिलेगी, जिन्होंने जापान के युदाई ओकिमोटो को 21-18, 21-13 से हराया।

विमेंस सिंगल्स में, पीवी सिंधु चीन की वर्ल्ड नंबर 2 वांग ज़ी यी के खिलाफ़ कड़े मुकाबले के बाद बाहर हो गईं। मिक्स्ड डबल्स में, ध्रुव कपिला और तनीषा क्रैस्टो मलेशिया के वर्ल्ड नंबर 4 चेन टैंग जी और टोह ई वेई से हार गईं। उन्नति हुड्डा और एचएस प्रणय भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। चीन की वांग ज़ी यी, जो अभी दुनिया की नंबर 2 और दो बार की पूर्व एशियन चैंपियन हैं, के खिलाफ पीवी सिंधु 46 मिनट में 21-18, 21-8 से हार गईं। बैडमिंटन रैंकिंग में 13वें नंबर पर मौजूद पीवी सिंधु ओपनिंग में 14-9 से पीछे थीं, लेकिन उन्होंने लोकल फेवरेट के खिलाफ कुछ हिम्मत दिखाई और स्कोर 18-19 कर दिया। हालांकि, भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी इसे आगे नहीं बढ़ा सकीं क्योंकि वांग ज़ी यी ने अगले कुछ पॉइंट लेकर जीत हासिल की। दूसरा गेम चीनी शटलर के पक्ष में एकतरफा रहा, जिसने गुरुवार की जीत की वजह से सिंधु को हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 4-3 से हरा दिया। सिंधु, जो जनवरी के बाद पहली बार निंगबो मीट में कोर्ट पर लौट रही थीं, पहले राउंड में मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ तीन गेम के मुकाबले में जीत गईं। इस बीच, उन्नति हुड्डा, जिन्होंने बुधवार को पहले राउंड में थाईलैंड की दुनिया की 11 नंबर की खिलाड़ी सुपनिडा कटेथोंग को हराया था, गुरुवार को जापान की तोमोका मियाज़ाकी से 21-17, 21-9 से हार गईं, जिससे भारत की महिला सिंगल्स चुनौती खत्म हो गई।

एचएस प्रणय के चीन के वेंग होंग यांग से कहीं और 21-12, 21-19 से हारने के बाद, शेट्टी अब कॉम्पिटिशन में बचे हुए अकेले भारतीय चैलेंजर हैं। निंगबो में भारत का मिक्स्ड डबल्स अभियान भी खत्म हो गया, जब ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो मलेशिया के वर्ल्ड नंबर 4 चेन टैंग जी और तोह ई वेई से 21-13, 21-14 से हार गए। प्रिया कोंजेंगबाम-श्रुति मिश्रा जापान की युकी फुकुशिमा और मायू मात्सुमोतो से 21-10, 21-13 से हार गईं, जिससे कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप में भारत का विमेंस डबल्स कैंपेन खत्म हो गया। लक्ष्य सेन पहले राउंड में ही बाहर हो गए, जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी और ट्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद ने मीट शुरू होने से पहले ही नाम वापस ले लिया।

बिजली बचत के लिए पुरुष और महिलाओं के मैच दिन की रोशनी में खेले जायेंगे: बीसीबी

ढाका (वार्ता)। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने बिजली बचत के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पुरुष और श्रीलंका के खिलाफ महिला क्रिकेट सीरीज के मैच समय में बदलाव किया है। इसके अब ये मुकाबले दिन की रोशनी में खेले जायेंगे। बीसीबी ने सरकार की ऊर्जा बचाने की पहल का समर्थन करने के लिए न्यूजीलैंड के साथ होने वाली पुरुषों की सफेद गेंद सीरीज और श्रीलंका के साथ होने वाली महिलाओं की टी-20 सीरीज के मैच के समय में बदलाव किया है।

ढाका और चटगांव में होने वाले तीनों एकदिवसीय मैच दिन-रात्रि होने वाले थे, लेकिन अब बोर्ड ने कहा है कि वे मैच शुरू होने का समय तीन घंटे पहले कर देंगे। अब एकदिवसीय मैच स्थानीय समय के अनुसार सुबह 11 बजे शुरू होंगे, जिसका मकसद मैचों को सूरज डूबने तक खत्म करना है। बीसीबी को उम्मीद है कि इससे बिजली की खपत में कम से कम चार घंटे की बचत होगी। पुरुषों के टी-20 मैच दोपहर दो बजे शुरू होंगे, जिनका मकसद उन्हें शाम 5-10 बजे तक खत्म करना है। तीन मैचों की इस सीरीज के पहले दो टी-20 मैच पहले शाम 6 बजे शुरू होने वाले थे, जबकि तीसरा टी-20 मैच पहले से ही दोपहर 2 बजे शुरू होने वाला था।

वैभव सूर्यवंशी एक असली सुपरस्टार: ग्रीम स्मिथ

जोहान्सबर्ग (वार्ता)। महान सचिन तेंदुलकर के बाद से भारतीय क्रिकेट ने ऐसा कोई टीनेजर नहीं दिया है जिसने पूरी क्रिकेट दुनिया को हैरान कर दिया हो। इस बीच कई युवा टैलेंटेड खिलाड़ी हुए हैं, लेकिन वैभव सूर्यवंशी उन सभी से ऊपर हैं। 15 साल और 12 दिन की उम्र में, सूर्यवंशी एक असाधारण पीढ़ी का टैलेंट है। साथ ही, वह मॉडर्न गेम के लिए एकदम सही प्रोटोटाइप हैं, जो टी20 क्रिकेट में ऑर्डर में ऊपर लगभग अपनी मर्ज़ी से छक्के मारते हैं। मंगलवार शाम को सूर्यवंशी की काबिलियत का एसिड टेस्ट हुआ। राजस्थान रॉयल्स गुवाहाटी में एक बड़े टाटा आईपीएल मैच में मुंबई इंडियंस का सामना कर रही थी। इस टीनएजर, जिसने टी20 क्रिकेट में 378 गेंदों पर 68 छक्के लगाए थे, गेम में आने से पहले दुनिया के बेस्ट बॉलर जसप्रीत बुमराह का सामना करने के लिए तैयार था। सूर्यवंशी का सामना पहले कभी बुमराह से नहीं हुआ था। क्या वह प्रेशर झेल पाएगा? क्या बुमराह अपनी फेमस स्लोअर बॉल या यॉर्कर में से कोई एक डालने वाला था, जिसने कहीं ज़्यादा एक्सपीरियंस और पेडिग्री वाले बैट्समैन को धोखा दिया है? नतीजा: 131.2 किमी प्रति घंटे की लेग-स्टंप हाफ-वॉली। सूर्यवंशी इससे ज़्यादा टेस्टी कुछ नहीं मांग सकता था क्योंकि उसने बॉल को स्टैंड्स में छक्के के लिए जमाकर डिलीवरी का एक हिस्सा खा लिया। इस यंगस्टर ने अपना टेस्ट पास कर लिया है। उसने अब दुनिया के बेस्ट बॉलर को भी मैक्सिमम हिट किया है। यही वह हिम्मत वाला टैलेंट है जिस पर एसए20 कमिश्नर ग्रीम स्मिथ टाटा आईपीएल के शुरुआती हफ्तों के दौरान कड़ी नज़र रख रहे थे। स्मिथ ने अपने ब्लॉग पर कहा, आईपीएल ठीक वैसे ही शुरू हुआ है जैसा मैंने सोचा था, सपाट पिचों और हाई-स्कोरिंग मैचों के साथ। हमेशा की तरह, यह देखना दिलचस्प है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे पुराने स्कूल के सुपरस्टार कैसा परफॉर्म करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के इस युवा खिलाड़ी, वैभव सूर्यवंशी पर शुरुआती कुछ हफ़्तों में नजर रखनी चाहिए।उसने पहली ही गेंद से पावरफुल होने की अपनी काबिलियत दिखा दी है। एक जवान आदमी के तौर पर, वह टूर्नामेंट के दौरान एक असली सुपरस्टार बन सकता है और मैं यह देखने के लिए सच में बहुत एक्साइटेड हूं कि वह कैसा करता है। स्मिथ, जो 2008 में पहला आईपीएल जीतने वाली पहली राजस्थान रॉयल्स टीम का हिस्सा थे, का मानना है कि दुनिया के सबसे पॉपुलर टी20 टूर्नामेंट ने ग्लोबल क्रिकेट माहौल में क्रांति ला दी है।

गेहूं और चीनी में गिरावट दालों -तेलों में उतार-चढ़ाव

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल का औसत भाव टूट गया। गेहूं और चीनी में भी गिरावट देखी गयी। वहीं, दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल का औसत भाव 28 रुपये घटकर 3,838 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। गेहूं तीन रुपये सस्ता हुआ और 2,768 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत 11 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। दाल-दलहनों में मिश्रित रुख देखा गया। चना दाल की औसत कीमत 37 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। मूंग दाल 34 रुपये और तुअर दाल 25 रुपये सस्ती हुई। उड़द दाल का भाव 21 रुपये और मसूर दाल का दो रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा 56 रिंगिट चढ़कर 4,642 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ 67.77 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल औसतन 109 रुपये और वनस्पति 77 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल में भी 38 रुपये की गिरावट देखी गयी। सरसों तेल 11 रुपये और मूंगफली तेल सात रुपये महंगा हुआ। सोया तेल में भी चार रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त रही। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 16 रुपये प्रति क्विंटल घट गया। चीनी भी पांच रुपये सस्ती हुई।दाल चना 7658.98 रुपये, मसूर काली 8074.54 रुपये, मूंग दाल 10127.32 रुपये, उड़द दाल 10814.44 रुपये, तुअर दाल 11256.89 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2767.95 रुपये और चावल 3838.18 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3259.57 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4297.01 रुपये और गुड़ 4973.54 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 17853.36 रुपये, मूंगफली तेल 18820.24 रुपये, सूरजमुखी तेल 17375.66 रुपये, सोया तेल 14677.35 रुपये, पाम ऑयल 13321.64 रुपये और वनस्पति 14722.50 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

रिलायंस रिटेल दुनिया की बनी सातवीं सबसे बड़ी स्टार्टअप कंपनी

नयी दिल्ली (वार्ता)। रिलायंस रिटेल दुनिया की सबसे मूल्यवान निजी स्टार्टअप कंपनियों की वैश्विक सूची में सातवें स्थान पर पहुंच गयी है। स्टैनफर्ड ग्रैजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस की रिपोर्ट के अनुसार, 100 अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन के साथ कंपनी ने यह उपलब्धि हासिल की है। पहली 100 मूल्यवान स्टार्टअप कंपनियों की सूची में तीन भारतीय कंपनियां शामिल हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 24 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ 27वें और टाटा ईवी मोबिलिटी नौ अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ 93वें स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ताजा निवेश को शामिल करते हुए रिलायंस रिटेल हेक्टाकॉर्न बन गयी है जिसका अर्थ है कि उसका मूल्यांकन 100 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। इस सूची में रिटेल सेक्टर की कंपनियों में वह सबसे ऊपर है। रिलायंस रिटेल में कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, केकेआर, सिल्वरलेक, जीआईसी, टीपीजी और मुबाडाला जैसे प्रमुख वैश्विक निवेशकों ने निवेश किया है। निवेशकों द्वारा आंकी गयी कंपनी की कीमत को ही रैकिंग का प्रमुख आधार माना गया है। सूची जनवरी 2026 तक के आंकड़ों पर आधारित है। पहले तीन स्थान पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्षेत्र की कंपनी ओपनएआई, एलन मस्क की स्पेसएक्स और एंथ्रोपिक शामिल हैं। इससे पता चलता है कि निवेश पाने के मामले में टेक और एआई कंपनियों का दबदबा बढ़ रहा है। शीर्ष 100 की इस सूची में अमेरिका की 65 कंपनियां हैं। चीन की 21 और भारत तथा ब्रिटेन की तीन-तीन कंपनियों ने सूची में जगह बनायी है। रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष तीन कंपनियां ओपनएआई, स्पेसएक्स और एंथ्रोपिक का मूल्यांकन सूची में शामिल सभी 100 कंपनियों के मूल्यांकन के एक-तिहाई के करीब है।

सैमसंग गैलेक्सी ए57 ए37 की बिक्री आज से

कैशबैक और ईएमआई के ऑफर

नयी दिल्ली (वार्ता)। देश के प्रमुख उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने नये गैलेक्सी ए57 5जी और गैलेक्सी ए37 5जी स्मार्टफोन की बिक्री शुक्रवार 10 अप्रैल से शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि नयी ए सीरीज विशेषकर युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार की गयी है। गैलेक्सी ए57 5जी तीन रंगों - ऑसम नेवी, ऑसम आइसीब्लू और ऑसम लिलैक - में उपलब्ध होगा। इसकी कीमत 8जीबी/256जीबी वेरिएंट के लिए 56,999 रुपये और 12जीबी/256जीबी वेरिएंट के लिए 62,499 रुपये रखी गयी है। वहीं, गैलेक्सी ए37 5जी ऑसम लैवेंडर, ऑसम ग्रेग्रीन और ऑसम चारकोल रंगों में आयेगा, जिसकी शुरुआती कीमत 8जीबी/128जीबी वेरिएंट के लिए 41,999 रुपये, 8जीबी/256जीबी वेरिएंट के लिए 47,499 रुपये और 12जीबी/256जीबी वेरिएंट के लिए 52,999 रुपये है।

गैलेक्सी ए57 और गैलेक्सी ए37 5जी पर ट्रिपल जीरो स्कीम का ऑफर दिया गया है, जिसमें बिना डाउन पेमेंट, बिना ब्याज और बिना झंझट की सुविधा मिलती है। ये स्मार्टफोन सैमसंग की वेबसाइट, सैमसंग के एक्सक्लूसिव और पार्टनर स्टोर्स तथा अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, अपग्रेड बोनस तथा कई अन्य ऑफर भी दिये जा रहे हैं। इनमें यूपीआई से भुगतान पर तीन हजार रुपये का कैशबैक, 24 महीने तक की शून्य लागत पर ईएमआई और 3,000 रुपये का अपग्रेड बोनस शामिल है। ईएमआई 1,625 रुपये प्रति माह से शुरू होगा। दोनों स्मार्टफोन में 50 मेगा पिक्सल का मुख्य कैमरा दिया गया है, जिसमें बेहतर इमेज प्रोसेसिंग के साथ नाइटोग्राफी फीचर भी है, जिससे कम रोशनी में भी साफ और डिटेल्ड तस्वीर ली जा सकती है। इसके अलावा, इनमें अल्ट्रा-वाइड और मैक्रो लेंस के साथ 12एमपी का एचडीआर फ्रंट कैमरा भी दिया गया है, जो फोटो और वीडियो में बेहतर तथा संतुलित आउटपुट देता है।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में रुपया तीन पैसे मजबूत

मुंबई (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में गुरुवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद रुपया अंत में तीन पैसे चढ़कर 92.51 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 52 पैसे की मजबूती के साथ 92.54 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपये पर आज शुरुआती कारोबार में दबाव देखा गया। यह 10 पैसे की गिरावट में 92.64 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। दोपहर के बाद एक समय यह 92.92 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया था। लेकिन बाद में वापसी करते हुए 92.51 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने आज पूंजी बाजार से 18 करोड़ डॉलर निकाले। पिछले कारोबारी दिवस की बड़ी गिरावट के बाद गुरुवार को कच्चे तेल में तेजी रही। लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा 3.7 प्रतिशत चढ़कर 98 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया। इन दोनों कारकों ने रुपये पर दबाव बनाया। हालांकि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में 0.2 प्रतिशत की नरमी से भारतीय मुद्रा को समर्थन मिला।

दिग्गज कंपनियों में बिकवाली से प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत टूटे

मुंबई (वार्ता)। विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को दिग्गज कंपनियों में बिकवाली देखी गयी और प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत की गिरावट में बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 931.25 अंक (1.20 प्रतिशत) टूटकर 76,631.65 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 222.25 अंक यानी 0.93 प्रतिशत नीचे 23,775.10 अंक पर आ गया। पिछले कारोबारी दिवस पर दोनों सूचकांक करीब चार प्रतिशत उछलकर एक महीने के उच्चतम स्तर पर रहे थे। ऊंची कीमत पर मुनाफा वसूली से आज प्रमुख सूचकांक गिरावट में रहे। हालांकि कुल मिलाकर निवेश धारणा मजबूत रही। मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांक बढ़त में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.22 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.17 प्रतिशत चढ़ा। बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों पर सबसे अधिक दबाव देखा गया। ऑटो, तेल एवं गैस, रियलटी, एफएमसीजी और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों के सूचकांक भी टूट गये। धातु, फार्मा, स्वास्थ्य और आईटी सेक्टरों में तेजी रही। एनएसई में कुल 3,322 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें 1,572 के शेयर बढ़त में और 1,670 के गिरावट में रहे। अन्य 80 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंत में अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 21 के शेयर लाल निशान में रहे। विमान सेवा कंपनी इंडिगो में 3.64 प्रतिशत की गिरावट देखी गयी। एलएंडटी का शेयर 2.75 फीसदी, इटरनल का 2.34, एचडीएफसी बैंक का 2.31, आईसीआईसीआई बैंक का 2.18 और कोटक महिंद्रा बैंक का 2.12 प्रतिशत फिसल गया। भारतीय स्टेट बैंक में 1.90 फीसदी, ट्रेंट में 1.44, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अल्ट्राटेक सीमेंट दोनों में 1.36, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 1.35, बजाज फाइनेंस में 1.29, टाइटन में 1.23, इंफोसिस में 1.10 और एक्सिस बैंक में 1.07 प्रतिशत की गिरावट रही। बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनीलिवर और अडानी पोर्ट्स के शेयर भी नीचे बंद हुए। बीईएल का शेयर 1.57 प्रतिशत की बढ़त में रहा। पावरग्रिड और एनटीपीसी दोनों में 1.12 प्रतिशत तथा टीसीएस में 1.09 प्रतिशत की तेजी रही। टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टाटा स्टील के शेयर भी मजबूती में बंद हुए। वैश्विक स्तर पर जापान का निक्केई 0.73 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 0.72 प्रतिशत और हांगकांग का हैंग सेंग 0.54 प्रतिशत टूट गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 1.05 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.22 प्रतिशत ऊपर था।

नदी जोड़ो परियोजनाओं से बदल रही है किसानों की तकदीर और प्रदेश की तस्वीर

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की तीन अंतर्राज्यीय सिंचाई परियोजनाएं किसानों की समृद्धि और प्रदेश की तरक्की का आधार बन रही हैं। इन परियोजनाओं से जब किसान के खेतों तक पानी पहुँचेगा तो मिट्टी सोना उगलेगी। किसानों को भरपूर पानी मिलेगा, जिससे वे एक वर्ष में तीन-तीन फसलें ले सकेंगे। तीन पड़ोसी राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के साथ प्रदेश में तीन बड़ी अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजनाओं पर तेजी से कार्य हो रहा है। उत्तर प्रदेश के साथ केन-बेतवा लिंक परियोजना, राजस्थान के साथ पार्वती-चंबल-कालीसिंध परियोजना और महाराष्ट्र के साथ मेगा-तापी अंडरग्राउंड वॉटर रिचार्ज परियोजना पर कार्य किया जा रहा है।

इन परियोजनाओं के पूरा होने पर मध्यप्रदेश में कृषि, उद्योग, पेयजल के लिए पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध होगा। इन परियोजनाओं की विशेषता यह है कि इन पर आने वाली लागत का 90त्न खर्च केंद्र सरकार वहन करेगी। वर्तमान में मध्यप्रदेश का सिंचाई रकबा लगभग 55 लाख हेक्टेयर है। वर्ष 2028-29 तक

इसे 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य मध्यप्रदेश सरकार ने रखा है।

केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना

अंतर्राज्यीय नदियों को जोड़ने की दिशा में केन्द्र सरकार, मध्यप्रदेश एवं उत्तर प्रदेश सरकार मिल कर देश की प्रथम अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना का निर्माण कर रही है। इसकी कुल लागत 44,604 करोड़ रूपये है। मध्यप्रदेश के कार्यांश के लिए केन-बेतवा लिंक परियोजना की लागत 24,293 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति मध्यप्रदेश शासन द्वारा अप्रैल 2024 में जारी की गई। परियोजना के प्रथम चरण में दौधन बांध का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिसंबर 2025 को शिलान्यास किया गया। परियोजना से दो चरणों में मध्यप्रदेश में 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वार्षिक सिंचाई क्षमता विकसित की जानी है। परियोजना में 126 एम.सी.एम. जल से 10 जिलों की 41 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी। इससे 103 मेगावाट विद्युत उत्पादन किया जायेगा। परियोजना से 10 जिले छतरपुर, पन्ना, दमोह, सागर, टीकमगढ़, निवाड़ी, रायसेन, शिवपुरी, दतिया एवं विदिशा लाभान्वित होंगे। साथ ही छतरपुर, टीकमगढ़ एवं निवाड़ी के कुल 42 ऐतिहासिक तालाबों का जीर्णोद्धार भी किया जायेगा।

संशोधित पार्वती-कालीसिंध चंबल लिंक परियोजना

मध्यप्रदेश राज्य की अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत संशोधित पार्वती-कालीसिंध चंबल लिंक को धरातल पर लाने के लिए अनुमानित निर्माण राशि 35 हजार करोड़ रूपये है। इस परियोजना से मध्यप्रदेश राज्य में मालवा और चंबल क्षेत्र के 13 जिलों उज्जैन, गुना, शिवपुरी, श्योपुर, भिंड, मुरैना, सीहोर, शाजापुर, देवास, राजगढ़, मंदसौर, आगर-मालवा एवं इंदौर के 2012 ग्रामों की लगभग 6 लाख 15 हजार हेक्टेयर भूमि में सिंचाई हेतु जल उपलब्ध होगा। मालवा एवं चंबल क्षेत्र के 11 जिलों की 43 लाख आबादी को 61 एम.सी.एम. जल आरक्षित किया जाकर पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही परियोजना से उद्योगों हेतु 17.4 मि.घ.मी. जल उपलब्ध होगा। दिसंबर 2024 में जयपुर में पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना का अनुबंध सहमति पत्र (मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) भारत सरकार राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के मध्य हस्ताक्षरित किया गया। पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना अंतर्गत परियोजना समूह की लागत 31479.48 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी की गई है। यह परियोजना मध्यप्रदेश के चंबल और मालवा क्षेत्र के जिलों में जल आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। चंबल लिंक परियोजना से लगभग 7 लाख 84 हजार कृषकों के जीवन में समृद्धि और खुशहाली आएगी।

मेगा तापी रीचार्ज परियोजना

मेगा तापी रीचार्ज परियोजना पारंपरिक जल भंडारण के स्थान पर भू-गर्भ जल पुर्नभरण योजना है, जिसका उददेश्य मानसून के दौरान तापी नदी के अतिरिक्त जल को नियंत्रित तरीके से भू-जल भरण के लिये उपयोग किया जाकर भू-जल स्तर में वृद्धि किया जाना है।

मध्यप्रदेश के 68 महाविद्यालयों में शुरू होंगे एआई आधारित सर्टिफिकेट कोर्स

प्रदेश के 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस और 13 स्वायत्त महाविद्यालयों में प्रारंभ होगा कोर्स

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन एवं उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार के नेतृत्व में प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में परंपरागत पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिये उच्च शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालयों में रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम प्रारंभ करने को लेकर महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। प्रदेश के 68 शासकीय महाविद्यालयों में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा एआई एवं फिनटेक विथ एआई के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किए जा रहे हैं। इनमें 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस तथा 13 स्वायत्त महाविद्यालय शामिल हैं। यह कोर्स आईआईटी दिल्ली के सहयोग से संचालित किया जाएगा। विद्यार्थियों को इसकी सुविधा नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 से मिलना शुरू होगी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा पाठ्यक्रम प्रारंभ करने को लेकर तैयारी पूर्ण कर ली गई है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा इस वर्ष 2000 विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एवं फिनटेक विथ आई के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स के माध्यम से प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रथम चरण में यह लक्ष्य 1000 विद्यार्थियों का था, जिसे इस वर्ष बढ़ाकर दोगुना कर दिया गया है। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन ने बताया कि महाविद्यालयों में परंपरागत विषयों से पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे वे आसानी से रोजगार से जुड़ सकेंगे।

जबरन स्मार्ट मीटर लगाकर थोप रहे मनचाहा बिल

पथरिया (स्वतंत्र मत)। जहां विद्युत मंडल की पहल पर स्मार्ट मीटर लगवाए जा रहे। वहीं मजदूर तबके का आदमी अधिक बिजली बिल के बोझ तले दबा जा रहा है। अबसे लगभग 6 माह पहले अधिक बिल के कारण और जेई जमना प्रसाद के दुर्व्यवहार की वजह से पथरिया के एक बुजुर्ग ने आत्महत्या करने की खबरें सामने आई थी। कुछ उसी प्रकार ग्राम बांसा कलां में अब माहौल बना है। बांसा के ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि जेई जमना प्रसाद प्रजापति के द्वारा जबरन हमारे घरों में स्मार्ट मीटर लगवाए गए है। जिससे एक माह में लगभग 7 से 14 हजार रुपए तक बिल दिया जा रहा है और जब विद्युत मंडल इसकी शिकायत करने जाते है तो जेई साहब द्वारा भ्रमित कर वहां से वापिस पहुंचा दिया जाता है। वहीं अरविंद राठौर ने बताया कि मेरे यहां हरिशंकर सुखलाल राठौर के नाम से कनेक्शन है मैने स्मार्ट मीटर लगवाया था जो कि मीटर में तो खपत दिखा रहा है। 75 यूनिट पर विद्युत मंडल द्वारा 477 यूनिट खपत का बिल थमा दिया गया और जब जेई साहब के पास इसकी शिकायत लेकर पहुंचे तो उन्होंने कहा तुम्हारा पिछला बिल भी जुड़कर इसमें आया है।

सर्वर ठप्प, जनता त्रस्त! सैकड़ों आवेदन अटके

लोक सेवा केंद्र बना फाइलों का ढेर

हटा (स्वतंत्र मत)। डिजिटल इंडिया की चमक के बीच हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। हटा के लोक सेवा केंद्र में पिछले कई दिनों से सर्वर ठप होने के कारण सैकड़ों आवेदन अटके पड़े हैं जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राज्य शासन द्वारा तेज और पारदर्शी सेवाएं देने के उद्देश्य से शुरू किए गए लोक सेवा केंद्र अब खुद समस्या का केंद्र बनते नजर आ रहे हैं। यहां राजस्व से जुड़े सभी आवेदन ऑनलाइन माध्यम से जमा होते हैं और निर्धारित शुल्क के साथ संबंधित विभागों तक भेजे जाते हैं। लेकिन 1 अप्रैल से सर्वर में आई तकनीकी खराबी ने पूरी व्यवस्था को ठप कर दिया है। सर्वर डाउन होने के चलते आवेदनों की फीस जमा नहीं हो पा रही है। नतीजतन, सैकड़ों आवेदन लोक सेवा केंद्र में ही लंबित पड़े हैं और फाइलों का अंबार लग गया है। शासन द्वारा कुछ सेवाओं के लिए 7 दिन की समय सीमा तय है लेकिन आवेदन ही जमा नहीं हो पा रहे जिससे नियम सिर्फ कागजों तक सीमित रह गए हैं।

स्थिति और गंभीर तब हो गई जब हटा के तहसीलदार अवकाश पर हैं और उनके प्रभार में किसी अधिकारी ने कार्यभार संभालना भी शुरू नहीं किया। कर्मचारियों के वेतन पत्रक तक तैयार नहीं हुए हैं जिससे पूरे सिस्टम में ठहराव आ गया है। ऐसे में सर्वर सुधार की दिशा में भी कोई ठोस प्रयास नजर नहीं आ रहा। बरधा, मड़ियादो, गैसाबाद, रजपुरा, हिनोता, रनेह और बंधा जैसे दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले ग्रामीणों को हर दिन किराया खर्च कर हटा पहुंचना पड़ रहा है। लेकिन यहां आकर भी उनका काम नहीं हो रहाए जिससे उनका समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहा है।

लोक सेवा केंद्र प्रभारी कपिल साहू का कहना है कि सर्वर अब शुरू हो गया है लेकिन लंबित आवेदनों के निराकरण में करीब एक सप्ताह का समय लग सकता है। जबकि जिला प्रबंधक चक्रेश पटेल का कहना है कि पूरे प्रदेश में सर्वर बंद रहा, अब आवेदन न हो क्या कर सकते है। जब डिजिटल व्यवस्था ही दम तोड़ दे और जिम्मेदार अधिकारी गायब हों तो आम जनता आखिर किसके भरोसे रहे।

किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

दमोह (स्वतंत्र मत)। मप्र कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस एवं किसान कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में कृषि उपज मंडी में दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक जिले भर से आए हुए कांग्रेसजनों एवं किसान साथियों ने मप्र की भाजपा सरकार के विरोध में धरना एवं ज्ञापन देकर अपना विरोध महामहिम राज्यपाल के समक्ष दर्ज कराया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मानक पटेल एवं किसान कांग्रेस के अध्यक्ष दीवान अमर सिंह ने ज्ञापन के माध्यम से बताया की गेहूं के उपार्जन की तिथि को तीन बार बदलने से किसने की कमर टूट चुकी है। अभी तक समर्थन मूल्य पर खरीदी ना होने से किसानों के घरों के निजी खर्च शादी विवाह एवं बैंकों की देनदारी समय पर न होने से किसान दिल्प डिफाल्टर एवं ओवरड्यू की श्रेणी में आ गए हैं जिसकी भरपाई शासन स्तर से करने की मांग ज्ञापन में की गई है। इस अवसर पर पूर्व विधायक अजय टंडन, पूर्व जिला अध्यक्ष रत्नचंद जैन, मनु मिश्रा ने कहा कि किसानों को अपना हितेषी बताने वाली भाजपा की सरकार किसानों का खून चूस रही है।

देवतालाब में भाजपा के बढ़ते जनाधार से कांग्रेस-बसपा-सपा परेशान

रीवा। देवतालाब विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के बढ़ते जनाधार से कांग्रेस बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के नेता परेशान हैं परेशानी का कारण क्षेत्र में अनुपस्थित रहते हैं सिर्फ विधानसभा चुनाव के समय पार्टियों से टिकट लेकर चुनाव लड़ते हैं और पराजित होने के बाद क्षेत्र से दूरी बना लेते हैं तथा आर्थिक रूप से सम्पन्न होने के कारण भोपाल में अपनी अपनी पार्टियों के कार्यालय में उपस्थित रहते हैं जिससे पार्टियों के बड़े-बड़े नेताओं के चहेते बने रहे और टिकट भी मिल जाये लेकिन आज का मतदाता ऐसे नेताओं को पसंद नहीं करता है और चुनाव के समय ऐसा नेताओं को जनता नकार देती है और ऐसे नेता पराजित होने के बाद शासन प्रशासन के ऊपर तरह तरह के अनैतिक आरोप लगाकर जनता को गुमराह करने का काम करते हैं और पराजित होने के बाद पुन: चार साल के लिए क्षेत्र से दूर हो जाते हैं और कांग्रेस पार्टी बहुजन समाजवादी पार्टी और समाजवादी पार्टी के नेता लगातार बीस वर्षों से ऐसा ही नेताओं को पार्टियों की टिकटें देकर पराजयों की चौकड़ी बना चुके हैं जबकि भारतीय जनता पार्टी का संगठन लगातार कार्यकताओं की गांव गांव टीम खड़ा कर रहा है और लगातार देवतालाब क्षेत्र में पांचवीं बार जीत दर्ज करके क्षेत्र का विकास कर रहा है।

देवतालाब विधानसभा क्षेत्र से मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष वर्तमान विधायक गिरीश गौतम लगातार चार बार से विधानसभा सभा का चुनाव जीत रहे हैं और हर बार जीत की मार्जिन बढ़ती जाती है इस बार के विधानसभा चुनाव में गिरीश गौतम पच्चीस हजार वोटों के भारी अन्तर से विधानसभा का चुनाव जीतकर विजयी हुए थे गिरीश गौतम पहला विधानसभा चुनाव मनगवां से मध्यप्रदेश विधानसभा के तत्कालीन अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता श्रीयुतश्रीनिवास तिवारी को पैंतीस हजार वोटों के भारी अन्तर से पराजित करके पहली बार विधायक बने थे इसके बाद मनगवां आरक्षित विधानसभा हो गई थी फिर भारतीय जनता पार्टी ने गिरीश गौतम को देवतालाब विधानसभा क्षेत्र से पार्टी का उम्मीदवार बनाया और गिरीश गौतम पार्टी की उम्मीदों पर खरा उतरे और विजय हासिल किया और लगातार चौथी बार देवतालाब से विजय हासिल करके क्षेत्र के विकास में लगातार लगे हुए हैं।

विधायक गिरीश गौतम द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर लगातार क्षेत्र का विकास कर रहे हैं देवतालाब क्षेत्र में उनके द्वारा गांव गांव सड़कों का निर्माण कराया गया और देवतालाब में महाविद्यालय का निर्माण कराकर क्षेत्र में बहुत बड़ी सौगात दी गई पहले क्षेत्र के बालक और बालिकाओं को बहुत दूर शिक्षा अध्ययन के लिए जाना पड़ता था और गरीब घर के बच्चों की शिक्षा रुक जाती थी लेकिन देवतालाब में महाविद्यालय खुलने से सभी लोग कालेज की पढ़ाई पूरी कर रहे हैं इसके अलावा अस्पताल बनवाये गये हैं और शिवमन्दिर देवतालाब को धार्मिक स्थल में परिवर्तित कराकर शिवलोक का निर्माण कराया गया जिससे क्षेत्र में पर्यटन बढ़ा है और शिवमन्दिर देवतालाब का बहुत विकास हुआ है । विधायक द्वारा लगातार क्षेत्र के विकास में योगदान दिया जा रहा है जिससे देवतालाब आने वाले समय में प्रदेश का सबसे विकसित विधानसभा होगी।

शोपीस बना 21 करोड़ 95 लाख का फिल्टर

दूषित पानी से लोगों में फैल रही बीमारियां

पथरिया (स्वतंत्र मत)। जहां एक ओर प्रदेश सरकार द्वारा स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर नगर परिषद पथरिया द्वारा सरकार की उन तमाम कोशिशों को पलीता दिखाने का कार्य किया जा रहा है। जी हां 2014-15 में मुख्यमंत्री शहरी पेयजल योजना अंतर्गत 22 करोड़ के लगभग की राशि वाटर फिल्टर के लिए स्वीकृत की गई थी परंतु फिल्टर बनने के बाद फिल्टर का कार्य एक शोपीस मात्र का रह गया है।

इंदौर वाटर पॉल्यूशन जैसी घटनाओं से भी नहीं चेत रहा प्रशासन-इंदौर में 3 माह पहले लगभग 2 दर्जन से अधिक लोगों की जाने दूषित पानी की वजह से गई थी। उस वक्त दमोह कलेक्टर ने आनन-फानन में आकर जिले भर की पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त कर उनकी जांच करने का आदेश दिया था। परंतु पथरिया नगर परिषद को नाही जिले के मुखिया का डर है और नाही नगरवासियों की जानो की फिकर, वह धड़ल्ले से दूषित पानी समस्त नगर में सप्लाई कर रहे है। जिसके उपयोग से लोगों को चर्म रोग तो कई लोगों में इन्फेक्शन देखने मिल रहा है।

मेंटीनेंस के नाम पर लंबे चौड़े फाड़े जा रहे बिल-बेसे तो वाटर फिल्टर का कार्य मुख्य रूप से नगर में फिल्टर युक्त जल प्रदान करना है परंतु परिषद की लापरवाहियों के चलते फिल्टर ज्यों का त्यों शोपीस बना हुआ है।

ना ही फिल्टर को संचालित किया जा रहा है और ना ही उसमें बनी वाटर टेस्टिंग लैब को, सूत्रों की माने तो फिल्टर अंतर्गत वहां कोई लैब टैक्नीशियन या इंजीनियर मौजूद ही नहीं। पानी फिल्टर के नाम पर क्लोरीन युक्त पानी सप्लाई कर दिया जाता है और नगर वासियों से मोटे मोटे बिल जबरन वसूले जाते है। इन सभी सवालों के जवाब के लिए जब मुख्य नगर परिषद अधिकारी पथरिया ऋतु पुरोहित से बात करना चाहा तो उन्होंने आकर बात करती हूं। जैसी बात करके टाल दिया।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

N.I.T. NO./PWD16/PRO No. 50 Dated 09/04/2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_497432_1 Date 22/04/2026	शहीद अशफाक उल्ला खां वार्ड अंतर्गत नया पुल से पुराना पुल तक लोहे की ग्रील एवं आरसीसी बीम व दोनों ओर पाथवे का निर्माण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	04 माह 21.42 लाख	5,000/- 16059/-	5/5/2026
2.	2026_UAD_497432_2 Date 22/04/2026	शहीद अशफाक उल्ला खान वार्ड अंतर्गत सिराज टैक्स कलेक्टर से निजाम किराना वाले तक m30 रोड एवं कबीर सप्लाई के सामने नईम कबूतर के सामने पुलिया एवं सीमेंटीकारण निर्माण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	04 माह 11.75 लाख	2,000/- 11753/-	5/5/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptenders.gov.in की वेबसाइड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय यंत्री
कार्यपालन यंत्री (लोककर्म)
नगर पालिक निगम, जबलपुर

केंद्रीय विद्यालय हटा में पारदर्शी लॉटरी से प्रवेश प्रक्रिया संपन्न

हटा (स्वतंत्र मत)। केंद्रीय विद्यालय हटा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत 9 अप्रैल को कक्षा 1 से 5 तक की लॉटरी प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न की गई। प्राचार्य रीतेश पटेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यमों से पारदर्शी तरीके से चयन प्रक्रिया पूरी की गई। कक्षा 3, 4 एवं 5 के लिए ऑफलाइन लॉटरी आयोजित की गई जिसमें रिक्त सीटों के विरुद्ध चयन सूची जारी की गई। कक्षा 3 में कुल 39 सीटों पर चयन हुआ जिसमें 18 सीटें सर्विस कैटेगरी 3, 1 सीट सर्विस कैटेगरी 4, 13 सीटें अनारक्षित तथा 7 सीटें ओबीसी, एससी एवं एसटी शॉर्टफाल के अंतर्गत शामिल हैं। कक्षा 4 में 38 सीटों के लिए चयन सूची जारी की गई जिसमें 18 सीटें सर्विस कैटेगरी 3, 1 सीट सर्विस कैटेगरी 4, 10 सीटें अनारक्षित तथा 9 सीटें ओबीसी, एससी एवं एसटी शॉर्टफॉल के अंतर्गत दी गईं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक/1476/राजस्व/न.पा.नि./2026 रीवा, दिनाक : 08/04/2026

सार्वजनिक सूचना

एत द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम रीवा के 17वें साधारण सम्मिलन दिनांक 26.03.2026 के प्रस्ताव क्रन्मांक-08 में नगर पालिक निगम रीवा द्वारा निर्मित व संचालित सामुदायिक भवनों का किराया एवं शर्तों का पुनर्निर्धारण निम्नानुसार किय गया है : -

क्र.	स्थान	किराया	विद्युत व्यय	कुल राशि
1.	नेहरू नगर एवं कटरा तलैया में निर्मित सामुदायिक भवन	रू. 4500.00 प्रतिदिन	रू. 1000.00	रू. 5500.00 प्रतिदिन
2.	रीवा शहर के अन्य वार्डों में पूर्व से निर्मित सामुदायिक भवन	रू. 1400.00 प्रतिदिन	रू. 700.00	रू. 2100.00 प्रतिदिन

शर्तें

1. डी. जे. प्रतिबंधित रहेगा, उल्लंघन की दशा में रु.3000/- जुर्माना वसूलनीय होगा। वार्ड के स्वच्छता पर्यवेक्षक (वार्ड प्रभारी) के प्रतिवेदन पर यह कार्यवाही की जावेगी।
2. ऑनलाइन एवं ऑफलाइन, दोनो प्रकार से आरक्षण किया जा सकेगा।
3. आरक्षण की तिथि में अवधि पूर्वाह्न 10:00 बजे से दूसरे दिनांक को पूर्वाह्न 10:00 बजे तक 24 घण्टा होगी।
4. उपरोक्त पुनर्निर्धारित किराया की दरें निगम (परिषद) द्वारा पारित निर्णय दिनांक 26.03.2026 से आरक्षण हेतु प्राप्त आवेदनों पर प्रभावशील है।

आयुक्त, नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26 दिनांक 9/4/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्रीमति सोनाली मिश्रा श्री मुनेश प्रसाद मिश्रा (2) मुनेश प्रसाद मिश्रा पिता भैयालाल मिश्रा (3) नेहा मिश्रा पिता सत्येन्द्र कुमार मिश्रा ने वार्ड क्रमांक 79 वार्ड का नाम ईश्वरदास रोहाणी के भवन क्रमांक महगवाँ सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1003901980 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 846 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती रीता भूरा पति श्री प्रफुल्ल भूरा का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26 दिनांक 9/4/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री प्रतीक कुमार पिता श्याम नारायण सिंह ने वार्ड क्रमांक 79 वार्ड का नाम ईश्वरदास रोहाणी के भवन क्रमांक महगवाँ सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1003901980 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 846 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती रीता भूरा पति श्री प्रफुल्ल भूरा का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26 दिनांक 9/4/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री संजय सोनकर पिता स्व. कुँवर बहादुर सोनकर ने वार्ड क्रमांक 54 वार्ड का नाम जवाहर लाल नेहरू के भवन क्रमांक प्लाट नं. 31 का भाग सम्पत्ति के पिन क्रमांक 9000024752 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1250 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती राज कुमारी पिता शिवराम चौधरी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26 दिनांक 8/4/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति आशा श्रीवास्तव पति सुरेश श्रीवास्तव ने वार्ड क्रमांक 79 वार्ड का नाम ईश्वर दास रोहाणी के भवन क्रमांक उमरिया पिपरिया सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1004048193 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 400 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र अनु. विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री/श्रीमती गीता विश्वकर्मा पिता/पति योगेन्द्र प्रसाद विश्वकर्मा का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

नर्सिंग फर्जीवाड़ाः 30 हजार छात्रों के परीक्षा परिणामों पर मप्र हाईकोर्ट ने लगाई रोक

हाईकोर्ट ने रिकार्ड जांचने के बाद ही रिजल्ट जारी करने दिए आदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र के बहुचर्चित नर्सिंग घोटाले मामले में गुरूवार को मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एड विशाल बघेल की मुख्य जनहित याचिका सहित सभी नर्सिंग मामलों की सुनवाई की।

सुनवाई के दौरान एमपी नर्सिंग काउंसिल ने आवेदन पेश कर सत्र 2022-23 के जीएनएम प्रथम वर्ष की परीक्षा के लगभग 30 हजार छात्रों के परीक्षा परिणाम जारी करने की अनुमति मांगी। जिसके जवाब में याचिकाकर्ता की ओर से नर्सिंग मामले की सिलसिलेवार तथ्यात्मक जानकारी प्रस्तुत कर कोर्ट को बताया गया कि बगैर भवन, लैब, लायब्रेरी, फैकल्टी के सैंकड़ों कॉलेजों को मान्यता दी गई। जब जांच में कॉलेज अपात्र पाए गए तो हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी उनके छात्रों को पात्र संस्थाओं में ट्रांसफर नहीं किया गया है, और कॉलेजों को मान्यता देने वालों पर भी कोई कार्यवाही नहीं हुई है ।

24 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

सुनवाई के दौरान युगलपीठ ने काउंसिल के रवैये पर मौखिक रूप से नाराजगी व्यक्त करते हुए पूछा कि जिन छात्रों का परीक्षा परिणाम जारी किया जा रहा है वे आखिर किन कॉलेजों में पढ़े हैं। क्या उन कॉलेजों के पास सभी संसाधन (भवन, लैब, लाइब्रेरी, अस्पताल, फैकल्टी आदि) मौजूद थे। क्या जांच में अपात्र पाए गए कॉलेजों के छात्रों को ट्रांसफर करने की बजाय उनके परीक्षा परिणाम जारी किए जा रहे हैं। काउंसिल के आवेदन पर मप्र हाईकोर्ट ने टिप्पणी की है कि जब तक काउंसिल के द्वारा ये सभी जानकारी विस्तार से हाईकोर्ट में पेश नहीं की जाएगी तब तक किसी भी प्रकार की परीक्षा परिणाम जारी करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मापदण्डों की पूर्ति नहीं करने वाले संस्थाओं के छात्रों को सर्वप्रथम पात्र कॉलेजों में स्थानांतरित करने की कार्यवाही की जानी चाहिए । कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 24 अप्रैल को नियत की है।

नर्सिंग ऑफिसर भर्ती नियम की संवैधानिकता को चुनौती

मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने मप्र के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर जबाब मांगा है। गौरतलब है कि प्रदेश में हो रही नर्सिंग ऑफिसर की भर्ती में पुरुष उम्मीदवारों को पूरी तरह बाहर रखने के निर्णय को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता विनोद सनोदिया और एक अन्य उम्मीदवार द्वारा याचिका में 2 अप्रैल 2026 को जारी भर्ती विज्ञापन और विभाग के भर्ती नियम के किए गए संशोधनो को असंवैधानिक बताया गया है। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि विज्ञापन में नर्सिंग ऑफिसर के सभी 1,256 पद केवल महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित कर दिए गए है । यह मप्र सिविल सेवा (महिलाओं की नियुक्ति के लिए विशेष प्रावधान) नियम, 1997 का उल्लंघन है, जो महिलाओं के लिए अधिकतम 35त्न क्षैतिज आरक्षण की अनुमति देता है । याचिका में कहा गया है कि पुरुष उम्मीदवारों को भर्ती प्रक्रिया से पूरी तरह बाहर करना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 के तहत प्राप्त समानता के मौलिक अधिकारों का हनन है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि पुरुष और महिला दोनों उम्मीदवार एक ही संस्थानों में, एक ही पाठ्यक्रम और परीक्षा के माध्यम से नर्सिंग की प्राप्त करते हैं। इसके बावजूद केवल लिंग के आधार पर उन्हें सार्वजनिक रोजगार से वंचित करना अतार्किक और भेदभावपूर्ण है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता विशाल बघेल पैरवी कर रहे हैं। याचिका में मांग की गई है कि नर्सिंग ऑफिसर भर्ती में पुरुष उम्मीदवारों को भी समान अवसर प्रदान किए जाएं और भेदभावपूर्ण नियमों को असंवैधानिक घोषित किया जाए। मामले में की सुनवाई के बाद कोर्ट ने सरकार को 23 अप्रैल तक जबाब देने के निर्देश दिए हैं ।

भाजपा कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं पर चलाया वाटर कैनन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जिले में घरेलू गैस सिलेंडर की कमी और बढ़ती कीमतों को लेकर एनएसयूआई ने जोरदार प्रदर्शन किया। स्थापना दिवस के मौके पर महिला विंग के साथ कार्यकर्ता भाजपा संभागीय कार्यालय का घेराव करने निकले, लेकिन पुलिस ने उन्हें रानीताल चौक पर ही रोक दिया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता गैस सिलेंडर की अर्थी जलाने की तैयारी में थे। पुलिस ने पहले बैरिकेडिंग की, लेकिन जब कार्यकर्ता नहीं माने तो वाटर कैनन का इस्तेमाल किया गया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झड़प भी हुई और आधा दर्जन से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया।

गलत व्यवहार करने का आरोप

प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई की राष्ट्रीय महासचिव देवकी पटेल ने आरोप लगाया कि वे

घरेलू गैस सिलेंडर की कमी के विरोध में घेराव करने पहुंचे थे कार्यकर्ता

शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने जबरदस्ती रोककर उनके साथ गलत व्यवहार किया। वहीं कांग्रेस नेता सौरभ शर्मा ने कहा कि छात्र और महिलाओ के हक की आवाज उठाने पर पुलिस ने कार्रवाई की।वहीं इस मामले में सीएसपी रितेश कुमार शिव ने कहा कि कार्यकर्ता बिना अनुमति के घेराव करने जा रहे थे और बैरिकेड पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, जिसके बाद उन्हें रोकने के लिए पानी की बौछार का इस्तेमाल किया गया। हालात काबू में करने के लिए पुलिस ने आधा दर्जन से ज्यादा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। प्रदर्शन के बाद इलाके में काफी देर तक तनाव का माहौल बना रहा।

जिला अस्पताल में बंद हुई गेट पास के नाम पर वसूली

शिकायतों के बाद जिला अस्पताल की गेट पास व्यवस्था समाप्त, ठेकेदार को दिखाया बाहर का रास्ता

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जिला चिकित्सालय (विक्टोरिया) में मरीजों के परिजनों से गेट पास के नाम पर की जा रही अवैध वसूली और अनियमितताओं की शिकायतों पर अस्पताल प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. नवीन कोठारी ने तत्काल प्रभाव से गेट पास व्यवस्था को समाप्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं। जिला अस्पताल में मेसर्स मोहम्मद फारूख़ अहमद द्वारा गेट पास व्यवस्था का संचालन किया जा रहा था, जिसमें भर्ती मरीजों के परिजनों से प्रति व्यक्ति 5 रुपये शुल्क लिया जाता था। इस व्यवस्था को लेकर मीडिया, स्वयंसेवक संघ और आम जनता द्वारा लगातार अनियमितताओं और अवैध वसूली की शिकायतें की जा रही थीं। कई मामले सीएम हेल्पलाइन तक भी पहुंचे थे, जिससे अस्पताल की छवि और जनहित प्रभावित हो रहा था।प्रशासन ने पाया कि जबलपुर की अन्य बड़ी शासकीय स्वास्थ्य इकाइयों, जैसे मेडिकल कॉलेज और रानी दुर्गावती चिकित्सालय (एल्गिन), में इस तरह की कोई गेट पास शुल्क व्यवस्था लागू नहीं है। जनमानस की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने इस विसंगति को दूर करने का निर्णय लिया। सिविल सर्जन डॉ. नवीन कोठारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुबंध वृद्धि न होने और आगामी टेंडर प्रक्रिया तक इस व्यवस्था को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। संबंधित ठेकेदार, मेसर्स मोहम्मद फारूख़ अहमद को निर्देशित किया गया है कि वे आर.के.एस. (रोगी कल्याण समिति) शाखा से अपने समस्त देयकों का भुगतान कराकर अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करें। इस निर्णय से अब अस्पताल आने वाले गरीब मरीजों और उनके परिजनों को अवैध वसूली से बड़ी राहत मिलेगी।

बीमारियों को दूर रखेंगी जैविक सब्जियां

महाकौशल हाट बाजार में शुरू हुआ जैविक सब्जी बाजार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जैविक खेती को प्रोत्साहन देने और ग्रामीण क्षेत्र की महिला स्व.सहायता समूहों द्वारा उत्पादित रसायन मुक्त फल-फूल और सब्जियों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य रेल सौरभ कॉलोनी कांचघर रोड स्थित महाकौशल संभागीय हाट बाजार में गुरुवार से साप्ताहिक जैविक सब्जी बाजार के आयोजन की शुरुआत की गई। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह एवं जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत के निर्देश पर किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के सहयोग से ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आयोजित इस बाजार में बड़ी संख्या में पहुंचे जैविक उत्पादों के मुरीद नागरिकों ने ताजी, शुद्ध और रसायन मुक्त सब्जियों की खरीदारी की और इसके आयोजन की सराहना की। जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत ने भी सपरिवार पहुंचकर जैविक

सब्जी बाजार से सब्जियों की खरीदारी की। इस अवसर पर श्री गहलोत ने स्वस्थ जीवन के लिए शुद्ध आहार को आवश्यक बताया। उन्होंने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में जैविक सब्जी बाजार पहुंचने की अपील करते हुये कहा कि जैविक उत्पादों का यह बाजार लोगों को न केवल प्रकृति के करीब होने का अनुभव करायेगा, बल्कि यहाँ उपलब्ध रसायन मुक्त सब्जियां उनसे बीमारियों को दूर रखने में भी मददगार होंगी।

मप्र ग्रामीण आजीविका मिशन की जिला प्रबंधक अंजुला झा ने बताया कि महाकौशल हाट बाजार में प्रत्येक गुरुवार को सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक जैविक सब्जियां उपलब्ध रहेंगी। इस बाजार का मुख्य आकर्षण ग्रामीण क्षेत्र के स्व सहायता समूह की महिलाओं के रसायन रहित उत्पाद हैं, जो सीधे खेतों से निकलकर जैविक सब्जियों के रूप में उपलब्ध रहेंगे।

शराब दुकान चलाना है तो पचास हजार रुपये दो

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गढ़ा थाना क्षेत्रातंर्गत एलआईसी के समीप स्थित शराब दुकान के बाहर बीती रात तीन असमाजिक तत्वों ने सैल्समेनों को रोक लिया और गुण्डा टैक्स मांगते हुए मारपीट कर दी। आरोपियों ने धमकाते हुए कहा कि यदि दुकान चलाना है तो पचास हजार रुपये देने होंगे, इसके पूर्व का ठेकेदार भी उन्हें पैसा देता था। सेल्समेनों द्वारा विरोध करने पर आरोपियों ने बेसवाल के डंडे और बियर की बॉटल से हमला कर वाहनों में तोड़फोड़ कर दी।

पुलिस ने बताया कि गुप्तेश्वर निवासी 35 वर्षीय अखिल पांडे एलआईसी के सामने स्थित शराब दुकान में सेल्समेन का काम करता है। बीती रात करीब सवा ग्यारह बजे वह और उसके साथ दुकान में काम करने वाला सेल्समेन विपिन राय दुकान बंद करके घर जा रहे थे। उसी समय मोंटू दुबे, गप्पू दुबे व विक्की ठाकुर बेसबाल के डंडे लेकर पहुंचे और गालीगलौज कर कहने लगे कि यदि दुकान चलाना है तो पचास हजार रुपये देने होंगे, नहीं तो दुकान नहीं चला पाओगे। अखिल व उसके साथी विपिन ने विरोध किया तो तीनों आरोपियों ने गालीगलौज करते हुए बेसबाल के डंडे और बियर की बॉटल से हमला कर दिया।

पश्चिम मध्य रेल के नए महाप्रबंधक बने दिलीप सिंह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पश्चिम मध्य रेल के नए महाप्रबंधक के रूप में इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ सिग्नल इंजीनियर वर्ष-1990 बैच के वरिष्ठ अधिकारी श्री दिलीप कुमार सिंह ने पदभार ग्रहण किया है। वे भारतीय रेल के एक अनुभवी एवं कुशल अधिकारी हैं, जिन्हें सिग्नल, दूरसंचार, संरक्षा एवं प्रशासनिक कार्यों में तीन दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव प्राप्त है। श्री सिंह इससे पूर्व रेलवे बोर्ड में प्रिंसिपल एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर/विजिलेंस के पद पर कार्यरत थे। इस दौरान उन्होंने रेलवे में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सतर्कता तंत्र को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्री सिंह ने आईआईटी रुड़की से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। अपने सेवा काल में उन्होंने भारतीय रेल के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए सिग्नल एवं दूरसंचार के क्षेत्र में व्यापक अनुभव अर्जित किया है।

साइबर सेल ने खोजे 25 लाख के 150 गुम मोबाइल

मोबाइल वापसी के दौरान कप्तान ने की आमजन से अपील- अनजान लिंक और निवेश के झांसे में न आएं

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के निर्देशन और एएसपी अपराध जितेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में साइबर सेल टीम ने एक सराहनीय कार्य किया है। पुलिस ने विभिन्न स्थानों से गुम हुए 150 मोबाइल फोन को सफलतापूर्वक खोज निकाला है, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 25 लाख

रुपये बताई जा रही है। इन मोबाइल फोनों को भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से ट्रेस किया गया। पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस कप्तान ने संबंधित मोबाइल धारकों को उनके फोन सुपुर्द किए। अपना खोया हुआ कीमती मोबाइल वापस पाकर नागरिकों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय ने नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने पर तुरंत संबंधित थाने में रिपोर्ट दर्ज कराएं।

साइबर ठगों से बचने दिए सुझाव - पुलिस कप्तान ने इस अवसर पर आमजन को साइबर ठगों से बचने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि साइबर फ्रॉड होने पर तुरंत 1930 या साइबर सेल जबलपुर के नंबर 7701050010 पर संपर्क करें। टेलीग्राम या व्हाट्सएप पर अनजान व्यक्तियों से निवेश की टिप्स न लें। व्हाट्सएप पर आई किसी भी संदिग्ध .एपीके फाइल को इंस्टॉल न करें। नौकरी, व्यापार या गेमिंग कमीशन के लालच में आकर अपनी बैंक डिटेल्स साझा न करें। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है।

400 से ज्यादा चोरी करने वाले शातिर आरोपी पकड़ने पर आरपीएफ टीम को मिली शाबाशी

चलती ट्रेन से कूदकर तालाब के अंदर छिप गया था आरोपी, कर्मी हुए सम्मानित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेलवे यात्रियों की सुरक्षा करने चलाए जा रहे 'ऑपरेशन यात्री सुरक्षा' के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल, आरपीएफ मंडल को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। आरपीएफ की टीम ने एक शातिर अंतर्राज्यीय चोर को गिरफ्तार किया। निरीक्षक राजीव खर्ब, उप निरीक्षक अरविंद,विनय मौर्य, आशीष यादव टीम की इस बहादुरी को देखते हुए 9 अप्रैल को राजीव कुमार यादव, कमल कुमार तलरेजा, आनंद कुमार,मो. मुनव्वर खान, राहुल जयपुरियार, मधुर वर्मा शाखा अधिकारियों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। यह सफलता रेलवे सुरक्षा बल की यात्रियों की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण एवं सुरक्षित रेल यात्रा सुनिश्चित करने की सतत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

ये है पूरा मामला

दरअसल विगत 6 अप्रैल की सुबह ड्यूटी के दौरान सिहोरा रेलवे स्टेशन पर तैनात आरपीएफ स्टाफ ने ट्रेन संख्या 11753 से ऑफ-साइड उतरकर स्टेशन परिसर से भागने का प्रयास कर रहे एक व्यक्ति को देखा। संदेह होने पर आरपीएफ कर्मियों ने तत्काल उसका पीछा किया। गिरफ्तारी से बचने आरोपी पास बाजार क्षेत्र के निकट एक तालाब में कूद गया। और घंटो तक कमल के डंठल के सहारे सांस लेते हुए पानी के अंदर छिपा रहा। आरपीएफ स्टाफ ने तत्परता दिखाते हुए स्थानीय पुलिस और गोताखोरों की सहायता से प्रयास कर आरोपी को तालाब से बाहर निकालकर स्टेशन लाया आरोपी द्वारा पुनः भागने का प्रयास किए जाने पर आरपीएफ कर्मियों ने मामूली चोटें लगने के बावजूद उसे काबू कर फिर एक बार गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान छिपाने का प्रयास किया। पर तकनीकी सत्यापन के दौरान वर्ष 2018 के एक अंग्रेजी समाचार पत्र में प्रकाशित फोटो के आधार पर उसकी पहचान की गई। आरोपी 32 वर्षीय हरविंदर सिंह निवासी मोहल्ला खेड़ा, वार्ड नं. 24, मकान नं. 20 थाना हल्दौर, बिजनौर, उत्तर प्रदेश है। आरोपी को सिहोरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 11753 में एक महिला यात्री का पर्स चोरी करने के प्रयास के बाद गिरफ्तार किया गया था । इसके अलावा आरोपी पर

न्यायालय में किया गया पेश

आरोपी यात्रियों को लक्ष्य बनाकर ट्रेनों में चोरी करता था। सुबह के समय ट्रेन में बिना टिकट चढ़ के वाशरूम में छुप जाता और टीटी के जाने का इंतज़ार करता एक बार पुष्टि हो जाने के बाद गहरी नींद में सो रहे यात्रिओं के समान पर हाँथ साफ़ करके भाग जाता था। पहचान छिपाने के लिए कोई वैध पहचान पत्र साथ नहीं रखता तथा लगातार सिम कार्ड बदलकर बचने का प्रयास करता था। आरोपी के विरुद्ध आरपीएफ पोस्ट जबलपुर में रेलवे अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज करते हुए एसआरएम न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

मदनमहल स्टेशन के पास गांजा तस्करी करते बुजुर्ग और महिला गिरफ्तार

जबलपुर । मदनमहल पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने रेलवे स्टेशन मदनमहल के प्लेटफॉर्म नंबर 1 के बाहर घेराबंदी कर एक महिला और एक बुजुर्ग को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से 2 किलो 993 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ है। सूचना की तस्दीक करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और हुलिये के आधार पर प्यारेलाल पटेल (72 वर्ष, निवासी पाटन) और चंदा बाई बर्मन (50 वर्ष, निवासी भेड़ाघाट) को हिरासत में लिया। तलाशी लेने पर आरोपी प्यारेलाल के थैले से दो पैकेट और चंदा बाई के थैले से एक पैकेट गांजा बरामद हुआ।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**